शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आंतरिक आरक्षण लागू करने के लिए 1 अगस्त से पूरे राज्य में लड़ाई लड़ी जाएगी.. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 04 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-183

21 तोपों की सलामी के साथ

मोदी को मिला 'ऑर्डर ऑफ द स्टार' सम्मान

घाना में 'हरे राम हरे कृष्ण' से हुआ स्वागत

अक्कारा/नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पाँच देशों की महत्वपूर्ण यात्रा पर है। इसका मुख्य उद्देश्य अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में भारत की साझेदारी को मजबूत करना है। यह यात्रा घाना से शुरू हुई।

पीएम मोदी तीन दशकों में घाना का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने हैं। घाना में उन्हें 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से भी सम्मानित किया गया और घाना के बच्चों ने 'हरे राम हरे कृष्ण' का मंत्रोच्चार कर स्वागत किया गया। श्री मोदी ने बुधवार को इस सम्मान के लिए घाना के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया और इसे 'अत्यंत गर्व का विषय' बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने घाना के राष्ट्रपति महामा से द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, कौशल विकास और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री ने 140 करोड़ भारतीयों की ओर से पुरस्कार स्वीकार करते हुए इस सम्मान को भारत के युवाओं की आकांक्षाओं, इसकी सांस्कृतिक परंपराओं और विविधता तथा घाना और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया। ▶10पर

भारत–घाना ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया : मोदी

अक्कारा/नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अक्कारा में राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा से बातचीत के बाद कहा कि भारत और घाना ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भारत घाना के राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सिर्फ भागीदार ही नहीं बल्कि सह–यात्री भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद अक्कारा में जुबली हाउस में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि तीन दशकों के अंतराल के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री घाना का दौरा कर रहा है और यह उनके लिए बेहद गर्व की बात है कि उन्हें घाना आने का यह अवसर दिया गया है।

उन्होंने राष्ट्रपति महामा को दिसंबर 2024 के आम चुनावों में जीत के लिए बधाई दी, जो दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत घाना के लोगों के उनके नेतृत्व और विजन में गहरे भरोसे को दर्शाती है। श्री मोदी ने कहा, राष्ट्रपति महामा और मैंने अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को 'व्यापक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। घाना के राष्ट्र निर्माण की यात्रा में भारत न केवल भागीदार है, बल्कि सह–यात्री भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भव्य जुबली हाउस, विदेश सेवा संस्थान, कोमेंडा शुगर फैक्ट्री, भारत–घाना कोफी अन्नान आईसीटी सेंटर और टेमा–पकाडन रेलवे लाइन द्विपक्षीय साझेदारी के प्रतीक हैं। द्विपक्षीय व्यापार तीन अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है। भारतीय कंपनियों ने लगभग 900 परियोजनाओं में लगभग दो अरब डॉलर का निवेश किया है।

श्री मोदी ने कहा, आज, हमने अगले पांच वर्षों में अपने आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि फिनटेक के क्षेत्र में भारत घाना के साथ अपने यूपीआई डिजिटल भुगतान अनुभव को साझा करने के लिए तैयार है। इस बात पर जोर देते हुए कि विकास साझेदारी द्विपक्षीय संबंधों का एक आधारभूत स्तंभ है, ▶10पर

डीएसी ने 1.05 लाख करोड़ के दस सैन्य खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी

रक्षा तैयारियों को मिलेगा बड़ा बल

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। सेना को आधुनिक हथियारों और उपकरणों से लैस करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को 1.05 लाख करोड़ रुपए की स्वदेशी खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी है। यह मंजूरी मिलने से देश का एयर डिफेंस सिस्टम मजबूत होगा और सेना को मिसाइलों तथा इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम की आपूर्ति की जा सकेगी।

इस मंजूरी के तहत सेना के तीनों अंगों थल सेना, नौसेना और वायुसेना को आवश्यक उपकरण और हथियार मुहैया कराए जाएंगे। खास बात यह है कि ये सभी उपकरण स्वदेशी होंगे, इन्हें भारत में ही बनाया जाएगा और भारतीय कंपनियों से ही खरीदा जाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपए के 10 पूंजीगत खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी 'भारतीय खरीद' श्रेणी के तहत 'स्वीकृति की आवश्यकता' के अंतर्गत प्रदान की गई। सभी खरीद प्रस्ताव स्वदेशी स्रोतों से पूरे किए जाएंगे। इन प्रस्तावों में आर्मर्ड रिकवरी व्हीकल्स, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, तीनों सेनाओं के लिए इंटीग्रेटेड कॉमन इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम, और सर्फेस–टू–एयर मिसाइलें शामिल हैं। ये अधिग्रहण सशस्त्र बलों की गतिशीलता बढ़ाने और वायु रक्षा को मजबूत करने में अहम योगदान देंगे। इसके अलावा इससे सप्लाई चेन प्रबंधन को बेहतर बनाने और संचालन संबंधी तैयारियों को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

मुअर्ड माइंस (नौसेना द्वारा पानी या समुद्र में बिछाए जाने वाली माइंस), माइन काउंटर मेजर वेसल्स, सुपर रैपिड गन माउंट्स, और सबमर्सिबल ऑटोनोमस वेसल्स की खरीद के लिए भी स्वीकृति दी गई है। ये अधिग्रहण नौसेना और वाणिज्यिक जहाजों के लिए संभावित खतरों को कम करने में सहायक होंगे। सरकार द्वारा स्वदेशी डिजाइन और विकास को और अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, सभी प्रस्ताव भारतीय खरीद श्रेणी के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं।

इससे पहले बीते वर्ष सितंबर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डीएसी ने 1,44,716 करोड़ रुपए की राशि के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की थी। एओएन की कुल लागत में से 99 प्रतिशत खरीद भारतीय और स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणियों के तहत स्वदेशी स्रोतों से किए जाने की घोषणा की गई थी। इसके तहत भारतीय सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया था। भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू वाहनों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई थी।

मोदी त्रिनिदाद एवं टोबैगो रवाना

अक्कारा/नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घाना की दो दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर गुरुवार को यहां से कैरेबियाई क्षेत्र के देश त्रिनिदाद एवं टोबैगो के लिए प्रस्थान किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री मोदी तीन और चार जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो में रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा है कि त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संबंध हैं। वह वहां राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलेंगे, जो इस वर्ष के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं। श्री मोदी प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर से भी मिलेंगे, जिन्होंने हाल ही में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभाला है। उन्होंने कहा कि भारतीय पहली बार 180 साल पहले त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। श्री मोदी ने बुधवार को नयी दिल्ली से पांच देशों की आठ दिन की यात्रा के पहले चरण में घाना के लिये प्रस्थान करने से पहले अपने वक्तव्य में कहा था कि त्रिनिदाद और टोबैगो की उनकी यह यात्रा पूर्वजों और रिश्तेदारों के विशेष बंधनों को फिर से जीवंत करने का अवसर प्रदान करेगी।श्री मोदी यात्रा के अगले चरण में पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना) जाएंगे। पिछले 57 वर्षों में अर्जेंटीना की किसी ▶10पर

भारत ने चीन को दिया कड़ा सन्देश, कहा

दलाई लामा के मामले में दखल बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही हैं, और हाल ही में चीन की तरफ से आए एक बयान ने इस मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया। चीन ने कहा था कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन को तभी वैध माना जाएगा, जब उसमें उनकी मंजूरी होगी। अब भारत ने इस बयान पर बेहद स्पष्ट और तीखा जवाब दिया है– वो भी बिना नाम लिए।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा– दलाई लामा का पद सिर्फ तिब्बतियों के लिए नहीं, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों अनुयायियों के लिए बेहद आध्यात्मिक और भावनात्मक महत्व रखता है। उनके उत्तराधिकारी का फैसला पूरी तरह उन्हीं के अधिकार में है, इसमें कोई दूसरा पक्ष दखल नहीं दे सकता।

रिजिजू का यह बयान चीन की टिप्पणी के तुरंत बाद आया और इसे भारत की तरफ से एक स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि धार्मिक मामलों में राजनीतिक दखल को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भारत ने बिना लाग–लपेट के यह संदेश दे दिया है कि दलाई लामा जैसे आध्यात्मिक विषयों में बाहरी दखल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब जब खुद दलाई लामा यह स्पष्ट कर चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी की पहचान धार्मिक परंपराओं और ट्रस्ट के फैसले से तय होगी, तो ऐसे में चीन की जिद पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बता दें कि यह पूरा मामला सिर्फ एक धार्मिक परंपरा का नहीं है, बल्कि तिब्बत की पहचान, आज़ादी और आत्मसम्मान का भी है – और भारत इस पर खुलकर दलाई लामा के साथ खड़ा नजर आ रहा है। दरअसल, चीन का दावा है कि तिब्बत उसका हिस्सा है, और इसीलिए वह दलाई लामा की परंपरा को भी अपने नियंत्रण में रखना चाहता है। बीजिंग का कहना है कि अगले दलाई लामा की नियुक्ति तभी वैध मानी जाएगी, जब चीन की सरकार उसकी मंजूरी दे।

हालांकि धर्मशाला में खुद दलाई लामा ने हाल ही में यह स्पष्ट कर दिया है कि उनकी परंपरा (दलाई लामा) जारी रहेगी, और उनके उत्तराधिकारी को लेकर निर्णय सिर्फ गादेन फोडरंग ट्रस्ट लेगा। ▶10पर

भारत में फिर बैन हुए पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत में सभी पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कुछ समय पहले इन अकाउंट्स से बैन हटाया गया, जिससे देश की जनता में नाराजगी देखने को मिली। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी इस फैसले की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा था। अब एक बार फिर पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भारत में बैन लगा दिया गया है। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला जारी है।

▶10पर

सरकार का दावा
युवाओं में हार्ट अटैक के पीछे कोविड वैक्सीन जिम्मेदार नहीं

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि कोविड–19 टीकाकरण और देश में अचानक हार्ट अटैक के कारण हो रही मौतों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

मंत्रालय ने कहा है कि, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के किए गए दो अलग–अलग अध्ययनों में इसकी पुष्टि होती है।

मंत्रालय ने आगे कहा, भारत में कोविड–19 का टीका सुरक्षित और प्रभावशाली है और इसके गंभीर दुष्प्रभाव के मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं। सरकार के मुताबिक़, अचानक हार्ट अटैक से हो रही मौतों का संबंध आनुवंशिकी, जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमारियां और कोविड के बाद हुई परेशानियों से हो सकता है।

मंत्रालय ने कहा है कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई) के 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि कोविड–19 टीकाकरण से युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों का जोखिम नहीं बढ़ता है। वहीं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अध्ययन के बाद किए गए शुरुआती विश्लेषण में बताया है, मायोकार्डियल इन्फ़ाक्शन या दिल का दौरा युवा वर्ग में अचानक मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल भी इसके कारणों के पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।एम्स ने कहा है कि अध्ययन पूरा होने के बाद अंतिम परिणाम साझा किए जाएंगे लेकिन एम्स ने इन मौतों के पीछे , अनुवांशिक परिवर्तन को संभावित कारण माना है।

मंत्रालय ने कहा है कि, दोनों अध्ययन से यह बात पता चलती है कि अचानक मौतों के पीछे कोविड–19 का टीका नहीं बल्कि पहले से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याएं, आनुवांशिक प्रवृति और असंतुलित जीवनशैली मौतों में भूमिका निभाती है। लेकिन जानकारों की इस दावे को लेकर मिली–जुली राय है और कई विशेषज्ञों ने सरकार के इस दावे से असहमति भी जताई है।

कर्नाटक के हासन ज़िले में करीब एक महीने में 22 युवाओं की ▶10पर

आंतरिक आरक्षण लागू करने के लिए 1 अगस्त से पूरे राज्य में लड़ाई लड़ी जाएगी: गोविंद करजोल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल ने आरोप लगाया है कि सिद्धरामैया सरकार आंतरिक आरक्षण लागू न करके लापरवाही बरत रही है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली सरकार ने मधुस्वामी के नेतृत्व में एक समिति बनाई थी और आबादी के हिसाब से आंतरिक आरक्षण वितरित किया था। उन्होंने मांग की कि इसे तुरंत लागू किया जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम 1 अगस्त से पूरे राज्य में लड़ाई लड़ेंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि हम राज्य सरकार के खिलाफ असहयोग आंदोलन शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने घोषणा की कि अछूत अपने जीवन और अस्तित्व के लिए एक बड़ा आंदोलन शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर 31 तारीख तक इसे लागू नहीं किया गया तो वे सभी 30 जिलों में असहयोग आंदोलन शुरू करने की चेतावनी देंगे।

उन्होंने मांग की कि सिद्धरामैया और मल्लिकार्जुन खड़गे, यदि वे प्रतिबद्ध हैं, तो सामाजिक न्याय के हित में आंतरिक आरक्षण लागू करें। हमारे पड़ोसी राज्य जैसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा, आदि, जहां 30 वर्षों से संघर्ष चल रहा है, पहले से ही आंतरिक आरक्षण लागू कर चुके हैं और न्याय प्रदान कर चुके हैं। हालांकि, उन्होंने आपत्ति जताई कि कर्नाटक सरकार एक साल तक आंतरिक आरक्षण आदेश को लागू न करके केवल वोट बैंक की राजनीति कर रही है। कोई डेटा नहीं है, हम एक और सर्वेक्षण करेंगे। इसे 40 दिनों के भीतर करने के लिए 4 महीने पहले न्यायमूर्ति नागमोहन दास के नेतृत्व में एक समिति बनाई गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह समिति भ्रम पैदा करने के लिए बनाई गई थी। अब हम मीडिया में रिपोर्ट देख रहे हैं कि सर्वेक्षण सही नहीं है। डर है कि यह सरकार भ्रम पैदा कर रही है और आंतरिक आरक्षण लागू न करने का बतंगड़ बना रही है। सिद्धरामैया को कोई सामाजिक सरोकार या सरोकार नहीं है। अगर उनके पास होता, तो वे आंतरिक आरक्षण लागू करते। बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली हमारी सरकार ने मधुस्वामी के नेतृत्व में एक समिति बनाई थी और जनसंख्या के अनुसार आंतरिक आरक्षण वितरित किया था। हमने इसे सुप्रीम कोर्ट में भी जमा कर दिया है। उन्होंने मांग की कि इसे तुरंत लागू किया जाए। अगर कोई गलती या बाधा है, तो उन्हें ठीक किया जा सकता है। पिछले 30 वर्षों से अछूत कर्नाटक सहित कई राज्यों में सामाजिक न्याय और आंतरिक आरक्षण के लिए लड़ रहे हैं। उस संघर्ष का समर्थन करते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में मामले में सरकार की राय से अवगत कराया है। मेरी सरकार सामाजिक न्याय और आंतरिक आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. नारायणस्वामी ने कहा कि मंत्री महादेवप्पा और मुनियप्पा ने कैबिनेट बैठक में बीबीएमपी क्षेत्र में सर्वेक्षण में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उन्हें सहयोग नहीं मिल रहा है और आपत्ति जताई कि सिद्धरामैया सरकार आंतरिक आरक्षण लागू करने को लेकर साजिश रच रही है। उन्होंने शिकायत की कि वे मडिगा समुदाय के 30 साल के संघर्ष को भटकाने का काम कर रहे हैं।

1 करोड़ 9 लाख अनुसूचित जातियां थीं

कांताराजू रिपोर्ट में कहा गया था कि 2010 में राज्य में 1 करोड़ 9 लाख अनुसूचित जातियां थीं। अगर 2015 को ध्यान में रखा जाए तो सरकारी अनुमान और आंकड़ों के मुताबिक यह 1 करोड़ 20 लाख हो सकती है। हालांकि, अब 2011 की जनगणना के अनुसार बीबीएमपी क्षेत्र में जनसंख्या 9.46 लाख थी। 2025 में यह 13.60 लाख थी। जस्टिस नागमोहनदास ने संदिग्ध शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि आंतरिक आरक्षण लागू करने के मुद्दे पर इस सरकार, सिद्धरामैया, कांग्रेस और महादेवप्पा की मानसिकता संदिग्ध है। उन्होंने मांग की कि राज्य में मडिगा लोगों को अलग से आरक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि अगर 15 दिनों के भीतर आरक्षण नहीं दिया गया तो असहयोग आंदोलन शुरू किया जाएगा।

सीएम सिद्धरामैया के अपमान से व्यथित एएसपी ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का प्रस्ताव रखा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी में आयोजित कांग्रेस के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा अपमानित किए गए धारवाड़ के एएसपी नारायण वी. भरमनी ने स्वघोषित इस्तीफा देने की पेशकश की है।

नारायण वी. भरमनी ने एक महीने पहले सरकार को अपने इस्तीफे के लिए आवेदन दिया था और कहा जाता है कि पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं। अपने इस्तीफे में नारायण वी. भरमनी ने सरकार के खिलाफ एक संदर्भ दिया है। इस बीच, यह कहा गया है कि नारायण वी. भरमनी मंच पर उनका अपमान करने के लिए सीएम से नाराज थे और उन्होंने अपना इस्तीफा देने की पेशकश की थी। कानून मंत्री एच. के. पाटिल खुद नारायण भरमनी को मनाने के लिए हुब्बल्ली के एक पर्यटक मंदिर में ले गए थे, जबकि गृह मंत्री परमेश्वर ने भी खुद नारायण भरमनी से बात की थी और उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए कहा था। नारायण वी. भरमनी 1994 बैच के पुलिस अधिकारी हैं। उन्हें बेलगावी जिले में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के रूप में जाना जाता है। उन्होंने 2007 में कुख्यात बदमाश प्रवीण शिंत्रे के एनकाउंटर का नेतृत्व किया था। नारायण वी. भरमणी मूल रूप से बागलकोट जिले के मुधोल तालुक के रन्ना बेलागली गांव के रहने वाले हैं। वह एक जमींदार परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

दिवंगत सेवानिवृत्त डीजीपी ओमप्रकाश की बेटी ने नंदिनी पार्लर में किया हंगामा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नृशंस हत्या के शिकार हुए रिटायर्ड डीजीपी ओमप्रकाश की बेटी ने नंदिनी पार्लर में जाकर हंगामा मचा दिया। सोमवार को ओमप्रकाश की बेटी कृतिका अपने घर के पास ही एक पार्लर में गई और कुछ भी नहीं खरीदा। वह दुकान में मालिक को घूर रही थी।

जब मालिक ने कृतिका को देखा और उससे पूछा कि वह उसे ऐसे क्यों देख रही है, तो वह भड़क गई और अचानक दुकान में रखे नाश्ते के डिब्बे तोड़ दिए और दुकान मालिक पर भी हमला कर दिया। खबर सुनने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की, एनसीआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की। रिटायर्ड डीजीपी ओमप्रकाश की हत्या के आरोप में उसकी मां जेल में है। उसका भाई दूसरे घर में चला गया है। इसलिए, कृतिका घर में अकेली होने के कारण अकेलापन महसूस कर रही है। कृतिका के व्यवहार से आसपास के लोग डरे हुए हैं।

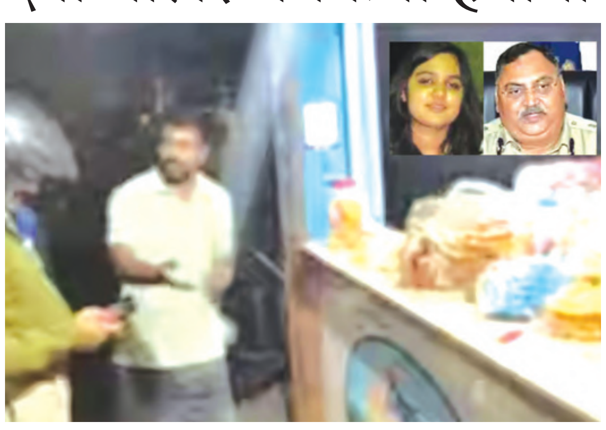

कांग्रेस विधायकों ने मंत्री के.एन. राजन्ना को नोटिस देने की मांग की

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सितंबर में राजनीतिक क्रांति के बारे में बयान देकर विवाद खड़ा करने वाले सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना को अनुशासनात्मक नोटिस जारी करने की मांग कांग्रेस विधायकों ने की है। पत्रकारों से बातचीत में कुनिगल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एच.डी. रंगनाथ ने कहा कि कांग्रेस एक मंत्री या विधायक से आगे नहीं बढ़ी है। यह अपने कार्यकर्ताओं के त्याग और बलिदान के कारण इस मुकाम पर पहुंची है। उन्होंने मांग की कि इसे बिगाड़ने वाले के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। रामनगर विधायक इकबाल हुसैन ने बयान दिया है कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उन्हें नोटिस दिया गया है। इसी तरह मंत्री ने बयान देकर भ्रम की स्थिति पैदा की है। पार्टी में एक व्यक्ति के लिए एक काम और दूसरे के लिए दूसरा काम नहीं किया जा सकता। मेरी भी इच्छा है कि डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनें। हमारे परिवार के सदस्यों को, जिनमें लड़ने का जज्बा है, मौका मिलना चाहिए। मैंने एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला से अनुरोध किया है कि वे हमें इस पर अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए समय दें। शायद हमें सोमवार को मिलने का समय मिल जाए। उन्होंने कहा कि मैं वहां इस पर चर्चा करूंगा और मीडिया के सामने कोई बयान नहीं दूंगा। मंत्री केएन राजन्ना और कई अन्य लोग कह रहे हैं कि केपीसीसी अध्यक्ष का पद बदलेगा। इसी तरह, ढाई साल बाद सत्ता परिवर्तन की चर्चा है। मैं किसी मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं करना चाहता। मैं पार्टी मंच पर अपनी राय व्यक्त करूंगा। फिलहाल मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। डीके शिवकुमार केपीसीसी अध्यक्ष हैं। सारा प्रबंधन अच्छा है। गुब्बी के एसआर श्रीनिवास, मंत्री चेलुवरायस्वामी, मगदी के एचसी बालकृष्ण और मैं खुश हैं, कोई विवाद नहीं है। मेरा इरादा कुनिगल में एक लाख एमसीएफडी पानी लाने का है। इसके लिए मैं किसी भी लड़ाई के लिए तैयार हूं। मंत्री वी. सोमन्ना बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। मैं वहां आंकड़े लेकर जाऊंगा। मैं कुनिगल से न्याय की अपील करूंगा। मेरे तालुका को आवंटित पानी खत्म होने के बाद, जो भी चाहे जहां चाहे ले जाए, मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। अगर लिंक नहर परियोजना बंद हुई तो मुझे अपनी जान देनी पड़ेगी। जिले के सभी तालुकाओं में मेरा समर्थन है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि कुछ लोग राजनीतिक कारणों से इसका विरोध कर रहे हैं।

काम के घंटे बढ़ाने का कोई फैसला नहीं: संतोष लाड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रम मंत्री संतोष लाड ने स्पष्ट किया है कि श्रमिकों के काम के घंटे बढ़ाने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह केंद्र सरकार का कानून है। राज्य सरकार की ओर से कोई प्रस्ताव नहीं है।

हालांकि अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन श्रमिक नेताओं से विचार-विमर्श किया गया है। वाल्मीकि घोटाले की सीबीआई जांच पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही जांच कर चुकी है। सीबीआई ने राजनीतिक द्वेष के साथ हस्तक्षेप किया है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने पहले भी कई मामलों की जांच की है, लेकिन इसका नतीजा क्या होगा, यह सभी जानते हैं। भवन एवं निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत लोगों के बच्चों के लिए 31 आवासीय विद्यालय शुरू करने का निर्णय बोर्ड में लिया गया है। संतोष लाड ने कहा कि अगर कैबिनेट मंजूरी देती है तो प्रक्रिया जारी रहेगी। सिद्धरामैया एक लोकप्रिय नेता हैं। उनके खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं कि उनकी आलोचना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री बनने के लिए किस्मत की जरूरत होती है। सिद्धरामैया के पास वह किस्मत है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि बी.आर. पाटिल का क्या मतलब था। किसी भी मुद्दे पर पार्टी फोरम में चर्चा होनी चाहिए। कोई भी सार्वजनिक बयान नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समझा जाना चाहिए कि इससे अनुशासन का उल्लंघन होगा। संतोष लाड ने एक सवाल के जवाब में कहा कि विधायकों द्वारा पार्टी नेताओं के साथ अनुदान पर चर्चा करना गलत नहीं है।

योग गुरु वचनानंद के भाई की बाइक दुर्घटना में मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

योग गुरु और हरिहर पीठ के संस्थापक श्री वचनानंद स्वामीजी के भाई की अथानी के समीप भारमोकोडी में बाइक दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान अशोक गौरागोंडा के रूप में हुई है। अथानी तालुक के तमवासी निवासी अशोक तमवासी गांव से अथानी जा रहे थे, तभी भारमोकोडी के समीप यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि कुत्ता सामने आने के कारण उनका बाइक से नियंत्रण खो गया और वे बाइक से गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अशोक के परिवार में उनकी मां, पत्नी और तीन बेटियां हैं। गांव वाले उनके निधन पर शोक जता रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने अपने सामाजिक सरोकार से सभी का दिल जीत लिया था और उनके लाखों प्रशंसक थे। सूत्रों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव तवांशी में होगा।

चिक्कमगलूरु, हासन, शिवमोग्गा के कई इलाकों में भारी बारिश

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु और हासन जिलों के कई इलाकों में पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। जिला प्रशासन ने क्षेत्र के बारिश प्रभावित इलाकों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ रहा है, जिससे अधिकारियों को पानी का बहिर्वाह बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। गुरुवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों में, शिवमोग्गा के होसानगरा तालुक के सुलुगोडु में सबसे अधिक 209.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। तीर्थहल्ली तालुक के तीर्थमत्तूर में 180.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मेगरवल्ली में 176 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इसी तरह, सागरा, होसानगरा और सोरबा तालुकों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। होसनगर तालुक के तालुक प्रशासन ने भारी बारिश के कारण स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। इसी तरह सागर तालुक प्रशासन ने भी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। हासन जिलों में, अलूर, सकलेशपुर और बेलूर तालुकों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई है। सकलेशपुर के होंगदाहल्ला में 108.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो जिले में सबसे ज्यादा है। सकलेशपुर के ब्याकरावल्ली में 60.5 मिमी दर्ज की गई। चिक्कमगलूरु जिले में, कोप्पा तालुक के कम्माराडी में सबसे अधिक 136 मिमी वर्षा दर्ज की गई। श्रृंगेरी के बेगार में 132 मिमी वर्षा हुई। कोप्पा तालुक में शानुवल्ली में 131 मिमी दर्ज की गई। चिक्कमगलूरु जिला प्रशासन ने भारी बारिश का हवाला देते हुए कोप्पा, एन.आर. पुरा, श्रृंगेरी, कलासा, मुदिगेरे और चिक्कमगलूरु तालुक के कुछ हिस्सों में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए अवकाश घोषित किया है। गुरुवार सुबह तक, सागर में लिंगनमक्की बांध में 45,070 क्यूसेक पानी का प्रवाह था। बांध में पानी का स्तर 1,819 फीट के पूर्ण जलाशय स्तर के मुकाबले 1,787 फीट था। लाइव क्षमता 68.83 टीएमसी है, जो 151.64 टीएमसी की सकल क्षमता का 45.4 प्रतिशत है। हासन तालुक के गोरूरु में हेमावती जलाशय में 14,198 क्यूसेक पानी का प्रवाह था और जल स्तर 2,922 फीट के पूर्ण जलाशय स्तर के मुकाबले 2,917 फीट था। बांध के अधिकारी अतिरिक्त पानी छोड़ रहे हैं।

हासन में दिल का दौरा पड़ने से मरने वालों की संख्या 31 हुई

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में दिल के दौरे से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार से गुरुवार तक चार और लोगों की मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या 31 हो गई। अलूर तालुक के कल्लरे गांव में ग्राम पंचायत सदस्य संतोष (41) की रात को सोते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। उन्होंने रात को खाना खाया और सो गए और सुबह नहीं उठे। उनके परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले जाते, उससे पहले ही उनकी मौत हो गई। संतोष करागोडु ग्राम के सदस्य थे। एक अन्य मामले में शहर के करिगौड़ा कॉलोनी के संपत कुमार (53) को अचानक सीने में दर्द हुआ। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के बिना ही उनकी मौत हो गई। दूसरी ओर, सकलेशपुर तालुक के बेलगोडु होबली के चिक्कनायकन हल्ली गांव में सीबी विरुपाक्ष (70) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। एक अन्य मामले में, एक बुजुर्ग महिला देवमा (72) की बेंगलूरु के एक अस्पताल में इलाज कराने के बाद अपने गांव वापस जाते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब सकलेशपुर तालुक के अरेकेरे गांव की निवासी देवमा बेंगलूरु में सीने में दर्द के लिए डॉक्टरी सलाह लेने के बाद अपने गांव लौट रही थी।

मेंगलूरु शहर पुलिस ने आगामी त्यौहारी जुलूसों और कार्यक्रमों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
त्योहारी सीजन के नजदीक आने के साथ ही, मेंगलूरु सिटी पुलिस ने शहर की सीमा के भीतर सार्वजनिक समारोहों और जुलूसों के शांतिपूर्ण और वैध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए शर्तों का एक विस्तृत सेट जारी किया है। यह निर्देश मोहर्रम (6 जुलाई), कृष्ण जन्माष्टमी और मोसारू कुडिके (16 अगस्त), गणेश चतुर्थी (27 अगस्त), ईद मिलाद (16 सितंबर), नवरात्रि शारदा महोत्सव (22 सितंबर-2 अक्टूबर), दीपावली (20-22 अक्टूबर) और क्रिसमस (25 दिसंबर) जैसे प्रमुख आयोजनों से पहले आया है। सार्वजनिक सुरक्षा, कानून और व्यवस्था तथा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए, सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों और धार्मिक जुलूसों के आयोजकों को कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत जारी निम्नलिखित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। सभी आयोजनों के लिए पुलिस से पूर्व लिखित अनुमति लेनी होगी। निजी स्थानों के लिए, संपत्ति के मालिक से अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य है। रात 11:30 बजे

के बाद कोई जुलूस नहीं निकाला जाएगा और उल्लंघन को बीएनएस, 2023 की धारा 189 और कर्नाटक पुलिस अधिनियम, 1963 की धारा 92(1) के तहत गैरकानूनी सभा माना जाएगा। डीजे और हाई-डेसिबल साउंड सिस्टम पर सख्त प्रतिबंध है। लाउडस्पीकर का उपयोग केवल पूर्व अनुमति के साथ ही किया जा सकता है और रात 10 बजे तक बंद कर दिया जाना चाहिए। शोर का स्तर निर्धारित सीमा का पालन करना चाहिए। आयोजकों को सुरक्षा कर्मियों को तैनात करना चाहिए और कार्यक्रम स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए। फुटेज को कम से कम 30 दिनों तक बनाए रखना चाहिए। ऐसे नारे, बैनर, प्रदर्शन या पोस्ट जो शत्रुता को बढ़ावा देते हैं या धार्मिक भावनाओं का अपमान करते हैं, उन पर सख्ती से प्रतिबंध है। आयोजकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भीड़ स्वीकृत सीमाओं से अधिक न हो और भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को तैनात करना चाहिए। पंडालों और रथों की ऊँचाई कानूनी और मानदंडों के अनुरूप होनी चाहिए। आयोजकों को अग्निशामक यंत्र, एम्बुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध करानी चाहिए। प्रतिबंधित रसायनों, जहरीले रंगों और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग सख्त वर्जित है। यातायात और आपातकालीन पहुँच मार्गों का मुक्त प्रवाह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पार्किंग केवल निर्दिष्ट क्षेत्रों में होनी चाहिए। इवेंट संरचनाओं या जुलूसों के निर्माण या विघटन के दौरान सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुँचाया जाना चाहिए। उपर्युक्त किसी भी शर्त का पालन न करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023, कर्नाटक पुलिस अधिनियम, 1963, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986, मोटर वाहन अधिनियम, 1988, शस्त्र अधिनियम, 1959, ड्रोन नियम, 2021 और अन्य प्रासंगिक कानूनों के विभिन्न प्रावधानों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मेंगलूरु सिटी पुलिस ने सभी आयोजकों और जनता से आगामी समारोहों के शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अपना पूरा सहयोग देने का आग्रह किया है।

दक्षिण कन्नड़ में छह महीने में दिल के दौरे से 85 मौतें

स्वास्थ्य अधिकारी चिंतित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोविड-19 महामारी के बाद पूरे भारत में एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है, जिसमें दिल के दौरे के मामले बढ़ रहे हैं - खास तौर पर युवा व्यक्तियों में। इस उछाल ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों और आम जनता दोनों को चिंतित कर दिया है। हासन जिले और मैसूरु में

हाल ही में दिल के दौरे से संबंधित कई मौतें हुई हैं, जहां हाल ही में एक युवा उद्यमी की मौत हो गई, वहीं दक्षिण कन्नड़ में भी अब बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एच आर थिम्मैया द्वारा बताए गए चौंकाने वाले आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह महीनों में अकेले दक्षिण कन्नड़ में 85 लोगों की मौत दिल के दौरे से हुई है। जनवरी से जून 2025 तक, जिले में दिल के दौरे के 380 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 85 घातक थे। मृतकों में 54 पुरुष और 31 महिलाएं शामिल हैं। डॉ. थिम्मैया ने लोगों से घबराने की बजाय अनुशासित और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और प्रभावी तनाव प्रबंधन से दिल के दौरे के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस चिंताजनक घटनाक्रम के मद्देनजर, स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया है। दिल के दौरे के लक्षणों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया प्रणालियों में सुधार करने के लिए पहल की जा रही है। अधिकारियों ने दोहराया कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर तत्काल ध्यान देने और स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता है।

अगले कुछ दिनों तक तटीय और पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण-पश्चिम मानसून ने वापसी कर ली है और तटीय तथा मलनाड जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने तटीय दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़ मलनाड जिलों शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु, हासन, कोडागु और बेलगावी में भारी बारिश की संभावना जताई है। आंतरिक जिलों में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। साथ ही, हवा पश्चिम से पूर्व की ओर बहेगी। हवा 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बहेगी। पहाड़ी इलाकों में हवा की गति 50 से 60 किमी प्रति घंटे रहेगी।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र की जानकारी के अनुसार, शिवमोग्गा, उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, चिक्कमगलूरु, हासन, कोडागु, दावणगेरे और मांड्या जिलों में व्यापक बारिश हुई है। बेलगावी, रायचूर, हावेरी, धारवाड़, चित्रदुर्ग, मैसूरु और विजयनगर जिलों में मध्यम बारिश हुई। कुछ अन्य जिलों में छिटपुट बारिश दर्ज की गई। दक्षिणी आंतरिक क्षेत्र में जुलाई में भी बारिश की कमी बनी रही। हालांकि, तटीय, मलनाड और उत्तरी कर्नाटक क्षेत्रों में सामान्य से अधिक बारिश हो रही है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, तटीय और मलनाड क्षेत्रों में व्यापक वर्षा की उम्मीद है, कुछ स्थानों पर भारी वर्षा संभव है। बेंगलूरु सहित दक्षिणी आंतरिक और उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों में छिटपुट मध्यम वर्षा के संकेत हैं।

छात्रों ने चलती कार से किया स्टंट, 6,500 रुपये का जुर्माना

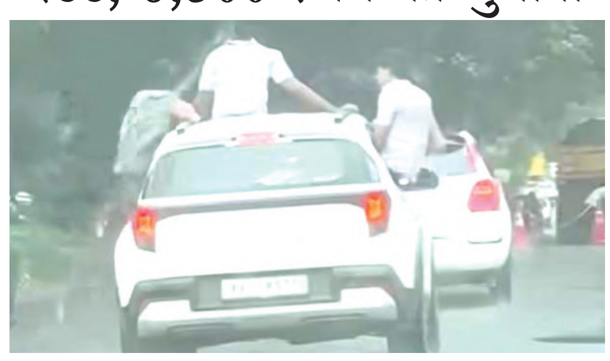

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के वलाचिल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-73 पर चलती कार से खतरनाक स्टंट करते देखे गए छात्रों के एक समूह पर पुलिस ने मामला दर्ज कर 6,500 रुपये का जुर्माना लगाया है।

चार छात्र कथित तौर पर चलती कार से बाहर लटककर जोखिम भरे स्टंट कर रहे थे। लोगों ने इस हरकत का वीडियो बनाकर पुलिस को सूचना दी।

मेंगलूरु दक्षिण यातायात पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार और उसमें शामिल छात्रों का पता लगाया, उनसे 6,500 रुपये का जुर्माना वसूला और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया।

सिद्धरामैया को इस्तीफा देकर अपना सम्मान बचाना चाहिए: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए कहा कि सत्ता की हवस छोड़ें और राज्य के नाम का थोड़ा सम्मान तो रखें। रिटायरमेंट के कगार पर खड़े खलनायक के रूप में इतिहास के पन्नों में दर्ज होने से बेहतर है कि आप राज्य सम्मान के साथ अपनी कुर्सी छोड़ दें। सिद्धरामैया के खिलाफ सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर भड़के अशोक ने कहा कि आपकी हरकतों की वजह से सरकार और व्यक्तिगत रूप से हर दिन बदनामी हो रही है। आपके कार्यों ने एक कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई है।

इससे पूरे पुलिस विभाग का मनोबल गिरा है। नौकरशाही का मनोबल टूटा है, नौकरशाही का मनोबल डगमगाया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए इसे पुलिस विभाग के मनोबल पर आघात बताया। अशोक ने स्पष्ट रूप से कहा, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, क्या वह घटना जिसमें आपने सार्वजनिक मंच पर अतिरिक्त एसपी नारायण पर हाथ उठाया था, वह आपके अहंकार, नशे, कमजोर सरकार का नेतृत्व करने की हताशा के कारण थी। मैं इसे आप पर विचार करने के लिए छोड़ता हूं।

बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम मनमोहन सिंह के नाम पर रखने का फैसला निंदनीय: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस ने आरोप लगाया है कि कैबिनेट की बैठक में कांग्रेस पार्टी आलाकमान को खुश करने के लिए बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर रखने का फैसला किया गया। इस संबंध में एक्स पर एक पोस्ट में

जेडीएस ने कहा, नादप्रभु केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित बेंगलूरु शहर एक विश्वस्तरीय ब्रांड है। विश्वविद्यालय का नाम भी बेंगलूरु के नाम पर रखा गया था। अब, विकल्प के तौर पर इसका नाम बदलने की क्या जरूरत थी? राज्य में गुलाम कांग्रेस सरकार के तोगलक शासन को देखते हुए, जेडीएस ने कहा कि राम के नाम पर रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण कर दिया गया है, चाहे विपक्ष कुछ भी कहे। कांग्रेस सरकार ने अब बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह यूनिवर्सिटी रखने का फैसला किया है।

यह अक्षम्य है कि सत्ता की लालसा, अहंकार और अहंकार में चूर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार विरोध के बावजूद हाईकमान को खुश करने के लिए बेंगलूरु और कन्नड़ लोगों की गरिमा, सम्मान और भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस ने कन्नड़ लोगों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात किया है।

उद्योगों के साथ चर्चा होने तक न्यूनतम वेतन संशोधन पर कोई और कार्रवाई नहीं

सरकार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय को आश्वासन दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय से वादा किया है कि अप्रैल 2025 में जारी प्रस्तावित मसौदा अधिसूचनाओं पर तब तक कोई और कार्रवाई नहीं की जाएगी, जब तक कि संबंधित उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक/चर्चा नहीं हो जाती। इस संबंध में सरकारी अधिवक्ता ने 30 जून को न्यायमूर्ति अनंत रामनाथ हेगड़े की पीठ के समक्ष नांजप्पा अस्पताल, शिवमोग्गा-दावणगेरे द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान एक वचन दिया। याचिकाकर्ता-अस्पतालों ने श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम वेतन में संशोधन का प्रस्ताव करते हुए 11 और 19 अप्रैल को जारी अधिसूचनाओं पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, अदालत ने कहा कि यदि याचिका के लंबित रहने के दौरान अधिसूचनाओं को लागू करने की मांग की जाती है तो याचिकाकर्ता उचित राहत के लिए अदालत का रुख करने के लिए स्वतंत्र हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि उद्योग और क्षेत्र की परवाह किए बिना एक समान वेतन तय करने का प्रस्ताव न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 के उद्देश्य के विपरीत है, जबकि सरकार ने प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए उद्योगों के साथ बैठक बुलाना अभी बाकी है, जबकि याचिकाकर्ताओं ने प्रस्तावित संशोधन पर अपनी आपत्तियां पहले ही दर्ज कर ली हैं। इस बीच, कर्नाटक नियोक्ता संघ ने दावा किया है कि न्यूनतम वेतन में प्रस्तावित भारी वृद्धि पूरे व्यवसाय और नियोक्ताओं के लिए एक बड़ा झटका होगी क्योंकि मसौदा अधिसूचनाओं में प्रस्तावित दरें पिछली वृद्धि से 40 प्रतिशत से 60 प्रतिशत अधिक हैं और इस प्रकार ये दरें देश में सबसे अधिक हैं।

मेंगलूरु-धर्मस्थल के लिए केएसआरटीसी ने राजहंसा सेवा शुरू की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केएसआरटीसी मेंगलूरु डिवीजन ने गुरुवार से मेंगलूरु-धर्मस्थल मार्ग पर अपनी राजहंसा बस सेवा शुरू करने की घोषणा की। यह सेवा एरानाडे यूनिट से संचालित की जाएगी। शेड्यूल के अनुसार, मेंगलूरु से धर्मस्थल के लिए बसें सुबह 6.30 बजे, सुबह 7 बजे, सुबह 8.30 बजे, सुबह 9 बजे, सुबह 11.15 बजे, दोपहर 12.15 बजे, दोपहर 2.30 बजे, दोपहर 3.30 बजे, शाम 5.30 बजे और शाम 6.30 बजे रवाना होंगी।

इसी तरह, धर्मस्थल से मेंगलूरु के लिए बसें सुबह 6.30 बजे, सुबह 7 बजे, सुबह 9 बजे, सुबह 9.15 बजे, सुबह 11.30 बजे, दोपहर 12 बजे, दोपहर 2.45 बजे, दोपहर 3.30 बजे, शाम 4.30 बजे और शाम 5.30 बजे रवाना होंगी। बसें बी सी रोड, बंटवाल, करिनजेस क्रॉस, पुंजालकट्टे, मदनथयार, गुरुवयनकेरे, बेल्टंगडी और उजीरे से होकर गुजरेंगी। यात्रा का किराया 110 रुपये तय किया गया है।

दो रोड ओवर ब्रिज की आधारशिला रखी

साधारण श्रेणी में 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं: मंत्री वी. सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने गुरुवार को तुमकुरु जिले के गुब्बी तालुक में दो रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) की आधारशिला रखी। ये रोड ओवर ब्रिज गुब्बी तालुक में लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 56 (बेंचगेरे गेट) और लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 59 (नंदीहल्ली गेट) के स्थान पर बनाए जाएंगे। इन नए रोड ओवर ब्रिज से सड़क और रेल सुरक्षा में सुधार होगा, प्रतीक्षा समय में कमी आएगी और क्षेत्र के लोगों के लिए यात्रा आसान होगी। मंत्री वी. सोमन्ना ने

गुब्बी तालुक के कल्लिपल्या गेट पर रोड अंडर ब्रिज के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर जी.एस. बसवराजू, पूर्व सांसद, आशुतोष कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, बेंगलूरु, प्रसाद, मुख्य अभियंता (निर्माण), परीक्षित मो-हनपुरिया, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। वी. सोमन्ना ने कहा कि सरकार परिवहन अवसंरचना में सुधार के लिए काम कर रही है और ये परियोजनाएं क्षेत्र में सभी के लिए बेहतर और सुरक्षित यात्रा की दिशा में एक कदम हैं। मंत्री ने कहा कि रेलवे के किराए में मामूली वृद्धि की गई है, साधारण श्रेणी में 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है। इस सरकार के तहत रेलवे में बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण और अवसंरचना विकास हो रहा है, जिसके लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। अब हम 136 से अधिक मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनें चला रहे हैं। रेलवे लंबी दूरी के गंतव्यों के लिए अमृत भारत ट्रेनें भी चला रहा है। 2000 करोड़ रुपये की लागत से, कर्नाटक के कई स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रा को आसान बनाने और लेवल क्रॉसिंग पर प्रतीक्षा समय को खत्म करने के लिए बनाए जा रहे आरओबी और आरयूबी निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे हो जाएंगे। लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 56 (बेंचगेरे गेट) के बदले रोड ओवर ब्रिज का निर्माण 36.71 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जा रहा है, और एलसी नंबर 59 (नंदीहल्ली गेट) पर लगभग 36.29 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। इन परियोजनाओं से यातायात प्रवाह में सुधार और सुरक्षा में वृद्धि होने की उम्मीद है।

अमरनाथ यात्रा में दिखा श्रद्धा और देशभक्ति का भाव

वाहनों पर लिखे मिले ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा के बैनर

जम्मू, 03 जुलाई (ब्यूरो)। पहलगाम नरसंहार के डर को रौंदते हुए अमरनाथ यात्रा में शामिल श्रद्धालु एक बार फिर यह साबित कर रहे हैं कि अमरनाथ यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता की यात्रा भी है। आस्था और दृढ़ता का एक मजबूत प्रदर्शन करते हुए, गुजरात के अमरनाथ तीर्थयात्रियों के एक समूह ने नुनवान बेस कैंप में पहुंचकर अपने वाहनों पर एक बैनर लगाया, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की प्रशंसा की गई थी। उनके वाहनों पर लगे बैनर में लिखा था, ऑपरेशन सिंदूर: शक्ति और संकल्प का

संदेश। इस समूह के सदस्यों का कहना था कि यह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और सुरक्षा बलों को धन्यवाद देने का उनका तरीका था।

गुजरात के अहमदाबाद से आए एक श्रद्धालु मुकेश ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले का उद्देश्य श्रद्धालुओं में डर फैलाना था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के शुभारंभ ने एक मजबूत संदेश दिया है। समूह के एक अन्य तीर्थयात्री ने कहा, हमने बहुत उच्च स्तर की सुरक्षा व्यवस्था देखी है। भक्तों को बिना किसी डर के आना चाहिए। प्रशासन और सुरक्षा बलों ने व्यापक व्यवस्था की है और डरने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। श्रद्धालुओं ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। यह सुरक्षाबलों की आतंकी खतरे को खत्म करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उसी का नतीजा है कि कि पवित्र यात्रा शांतिपूर्वक और बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ रही है। पहलगाम बेस कैंप में माहौल बहुत उत्साहपूर्ण था क्योंकि देश के विभिन्न हिस्सों से तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा के बीच यहां पहुंचे थे।

रोडबंदी से जम्मू कश्मीरवासी त्रस्त

जम्मू, 03 जुलाई (ब्यूरो)। पिछले 2 दिनों से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के साथ लगते कस्बों के लोग ही नहीं बल्कि जम्मू शहर और उसके आसपास के इलाकों के लोग भी परेशानी में हैं। यह परेशानी सुरक्षा के नाम पर किए जाने वाले बंदोबस्त से है। श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम तक ड्रॉप कर लौटने वाली खाली सरकारी बसें भी जब जम्मू बेस कैंप में आ रही हैं तब भी इन कस्बों के लोगों को रोडबंदी के दौर से घंटों गुजरना पड़ रहा है। सुरक्षाबल कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहते हैं। पिछली बार से चार गुना अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात करने के बावजूद वे राजमार्ग से जुड़ने वाले लिंक रोडों पर वाहनों ओर इंसानों की आवाजाही को खतरा मान रहे हैं।

जम्मू से दूसरा जत्था रवाना

कश्मीर पहुंचे 15 हजार से अधिक श्रद्धालु

जम्मू, 03 जुलाई (ब्यूरो)। करीब 5200 अमरनाथ यात्रियों का दूसरा जत्था आज सुबह जम्मू से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हो गया। जबकि कल रात बालटाल और नुनवान कैंप पहुंचे यात्रियों ने आज 3 जुलाई को सुबह की आरती के साथ यात्रा औपचारिक रूप से शुरूआत कर दी।

बम-बम भोले और भारत माता की जय के जयकारों के साथ पहला जत्था आज पवित्र गुफा में पहुंचकर बाबा बर्फानी के दर्शन करेगा और प्रातःकालीन आरती में हिस्सा भी लेगा। बाबा बर्फानी के दर्शन की खुशी भोले के भक्तों के चेहरे पर साफ नजर आई। वहीं, जम्मू से दूसरा जत्था भी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हो गया है। पहलगाम बेस कैंप से रवाना होने वाले अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे में शामिल एक तीर्थयात्री ने कहा, हम पहले जत्थे (पहलगाम से) में बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए जा रहे हैं। हमें आतंकवाद का डर नहीं है और हम अमरनाथ यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। सुविधाएं बेहतरीन हैं। हम अमरनाथ श्राइन बोर्ड के आभारी हैं।

जम्मू-कश्मीर की वादियों में इन दिनों शिवभक्ति का माहौल पूरी तरह छा गया है। हर-हर महादेव और बम भोले के जयकारों के साथ घाटी गूंज रही है। अमरनाथ यात्रा की शुरुआत के साथ ही गुरुवार को पहला जत्था पवित्र गुफा में पहुंचा। बाबा बर्फानी की प्राकृतिक हिम-शिवलिंग के दर्शन करते हुए श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। यात्रा के लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखते ही बन रहा है। अमरनाथ यात्रा पर कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी बताया कि यह यात्रा सिर्फ धार्मिक यात्रा नहीं है। इसमें सुरक्षा बल, पिट्ठू, टेंट, हर सेवा प्रदाता शामिल होता है। श्रद्धालुओं में उत्साह अद्वितीय होता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि सभी की मनोकामनाएं पूरी हों और कश्मीर तथा देश के बाकी हिस्सों में शांति और खुशहाली बनी रहे।

कुल 38 दिनों तक चलने वाली यह पवित्र यात्रा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक आस्था, साहस और समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। देश के कोने-कोने से हजारों तीर्थयात्री जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ की पवित्र गुफा में दर्शन करते हैं। यह गुफा समुद्र तल से 14500 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर स्थित है और इसमें प्राकृतिक रूप से बना बर्फ का शिवलिंग है, जिसे भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है। 9 अगस्त को सावन पूर्णिमा के दिन अमरनाथ यात्रा सम्पन्न होगी।

श्रद्धालुओं का एक और जत्था हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों के साथ श्री अमरनाथ बाबा की पवित्र गुफा की यात्रा के लिए रवाना हुआ। सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह चाक-चौबंद है। पुलिस, सेना और अन्य एजेंसियों की निगरानी में यात्रियों को पूरी सुविधा और सुरक्षा दी जा रही है। रास्तों में जगह-जगह शिविर, स्वास्थ्य केंद्र और रिफ्रेशमेंट पॉइंट्स की व्यवस्था की गई है। रामबन स्वास्थ्य विभाग ने तीर्थयात्रियों के लिए रामबन जिले में नेशनल हाईवे के किनारे अमरनाथ यात्रा मार्ग पर 17 चिकित्सा शिविर स्थापित किए हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक संगठित और श्रद्धा से परिपूर्ण नजर आ रही है। हर कदम पर शिवभक्तों की आस्था और भगवान शंकर की दिव्यता ने वातावरण को अलौकिक बना दिया है।

दिल्ली में चार से छह जुलाई तक होगी आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में चार से छह जुलाई तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारकों की बैठक होगी, जिसमें संगठनात्मक चर्चा के साथ संघ के सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने गुरुवार को यहां केशव कुंज में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस बैठक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में देशभर से 233 कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि संघ की संगठन रचना में कुल 11 क्षेत्र एवं 46 प्रांत बनाए गये हैं। बैठक में संगठनात्मक चर्चा के अलावा सभी 46 प्रांतों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। इसके अलावा सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, सी आर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित सभी

अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख, सह प्रमुख एवं कार्यकारिणी के सदस्य भाग लेंगे।

श्री आंबेकर बताया कि संघ का प्रशिक्षण वर्ग पूरा करके जुलाई में सब एकत्रित होते हैं। अब तक 100 वर्गों का आयोजन हो चुका है। इसमें 40 वर्ष से कम उम्र के 75 वर्ग थे और 40-60 वर्ष के लोगों के लिए 25 वर्ग आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व निर्माण की दृष्टि से ये वर्ग काफ़ी महत्वपूर्ण होते हैं।

उन्होंने बताया कि बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जैसे संघ से जुड़े 32 संगठनों के संगठन मंत्री भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस साल संघ का शताब्दी वर्ष है, इसलिए शताब्दी वर्ष की योजना के बारे में चर्चा होगी। शताब्दी वर्ष में खंड, बस्ती और मंडल स्तर पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे और समाज के प्रमुख विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। आरएसएस के प्रचार प्रमुख ने बताया कि इस साल दो अक्तूबर को दशहरा है और इसी दिन संघ के 100 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर महाराष्ट्र के नागपुर में शताब्दी वर्ष समारोह का प्रारंभ होगा।

उन्होंने बताया कि संघ का शताब्दी वर्ष समारोह दो अक्टूबर से शुरू होकर अगले साल यानी 2026 में विजयादशमी तक चलेगा।

इस दौरान देश भर में हर शाखा पर विजयादशमी कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इस दौरान गृह संपर्क का आयोजन होगा। स्वयंसेवक घर-घर जाकर संपर्क करेंगे और लोगों के संघ के उद्देश्यों की जानकारी देंगे।

इसके अलावा पूरे देश में ज़िला स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें आयोजित होंगी।सभी जिला केंद्रों पर अक्टूबर के बाद प्रमुख नागरिक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम होंगे। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील की कि हिंदू समाज के सभी समुदाय और प्रमुख लोग एक साथ आकर कुरीतियों को दूर करें, सद्भाव बना रहे, इसका प्रयास करें।

उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष में सरसंघचालक के साथ चार प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु में विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इनमें समाज के प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। इससे पहले 2018 में ऐसे कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के विज्ञान भवन में किया गया। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 से अब तक 28 हज़ार से ज़्यादा लोगों ने आरएसएस से जुड़ने के लिए इच्छा जतायी है।

श्री आंबेकर ने इस दौरान कई सवालों के जवाब भी दिये। जातीय जनगणना के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सामाजिक सद्भाव का कार्यक्रम है और संघ पहले ही कह चुका है कि योजनाओं के लिए जो भी जानकारी चाहिए, वह होनी चाहिए। वहीं भाजपा अध्यक्ष चुनाव को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई चर्चा यहां नहीं होती।

महिला कॉलेज में पुरुष प्रिंसिपल !

पटना यूनिवर्सिटी में लॉटरी सिस्टम से कॉलेजों के प्रिंसिपल की नियुक्तियों पर विवाद

पटना, 03 जुलाई (एजेंसियां)। पटना यूनिवर्सिटी के कई कॉलेजों में पहली बार लॉटरी सिस्टम से प्रिंसिपल की नियुक्ति हुई है। यूनिवर्सिटी से संबद्ध पटना साइंस कॉलेज, वाणिज्य महाविद्यालय, मगध महिला कॉलेज और पटना कॉलेज में ये नियुक्तियां हुई हैं ।

बीते बुधवार को राजभवन के आदेश के मुताबिक़, पटना यूनिवर्सिटी में इसके लिए बाक़ायदा लॉटरी निकाली गई। इस लॉटरी के आधार पर पटना साइंस कॉलेज की प्रिंसिपल अलका, वाणिज्य महाविद्यालय की सुहेली मेहता, पटना कॉलेज के अनिल कुमार और मगध महिला कॉलेज के नागेंद्र प्रसाद वर्मा को बनाया गया है।

लॉटरी सिस्टम से प्रिंसिपल बनाए जाने के इस क़दम की आलोचना राज्य के शिक्षाविद कर रहे हैं। पटना यूनिवर्सिटी की

डीन ऑफ़ सोशल साइंसेज़ रही भारती एस कुमार कहती हैं, ये कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं है। प्रिंसिपल के पद पर सेलेक्शन का आधार मेरिट होना चाहिए। साइंस कॉलेज, आर्ट्स कॉलेज के प्रिंसिपल अगर अपने छात्रों की ज़रूरतों को नहीं समझेंगे तो ऐसी नियुक्तियों का कोई मतलब नहीं है।

बिहार में कुल 17 स्टेट यूनिवर्सिटी हैं और राज्यपाल इन सभी के कुलाधिपति होते हैं। पटना यूनिवर्सिटी के बाद लॉटरी सिस्टम की ये प्रक्रिया बाकी सभी यूनिवर्सिटी में भी होगी।

पटना यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं, राज्यपाल को ये शिकायत मिली थी कि प्रिंसिपल की पोस्टिंग में रुपयों का लेन-देन बड़े पैमाने पर होता है जिसके बाद ये लॉटरी सिस्टम ला दिया गया। दरअसल इसे मेरिट आधारित बनाना चाहिए था। इस क़दम ने पटना यूनिवर्सिटी को और ज़्यादा बर्बाद कर दिया है।

बिहार स्टेट यूनिवर्सिटी कमीशन ने साल 2023 में बिहार के अलग-अलग कॉलेजों के लिए 173 प्रिंसिपल के पद पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला था।

प्रिंसिपल के पद के लिए अभ्यर्थियों से 15 साल का अकादमिक अनुभव, उनके रिसर्च पेपर, किताबें आदि की सूची मांगी गई थी। जिसके बाद साल 2025 में अभ्यर्थियों का इंटरव्यू हुआ।

भारत का केमिकल सेक्टर 2040 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है : नीति आयोग

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। नीति आयोग की एक रिपोर्ट में गुरुवार को कहा गया कि लक्षित सुधारों से 2040 तक भारत का केमिकल सेक्टर 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा और वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) में 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल कर लेगा।

वर्तमान में वैश्विक केमिकल मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत है और 2023 में देश का केमिकल व्यापार घाटा 31 बिलियन डॉलर था। इसकी वजह आयातित फीडस्टॉक और विशेष केमिकल पर उच्च निर्भरता होना है।

नीति आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि 2030 के लिए विजन यह है कि भारत वैश्विक केमिकल मूल्य श्रृंखला में 5-6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ वैश्विक केमिकल मैन्युफैक्चरिंग में महाशक्ति बन जाए।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि केमिकल सेक्टर देश के कई पारंपरिक उद्योगों से कहीं बड़ा है और इसका लाभ उठाने का यही समय है।

उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, हम केमिकल के एक प्रमुख उत्पादक हैं। यह एक तेजी से बढ़ता हुआ सेक्टर है। जैविक और अजैविक दोनों प्रकार के केमिकल हमारे जीवन का अहम हिस्सा हैं। हम कुछ भी करते हैं तो यह उसमें मौजूद होते हैं

इस सेक्टर का लक्ष्य अपने वर्तमान उत्पादन स्तर को दोगुना करना और 2023 में व्यापार घाटे को 31 बिलियन डॉलर से काफी कम करके केमिकलों में नेट जीरो व्यापार संतुलन तक पहुंचना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस पहल से 35-40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त निर्यात होगा, जिससे लगभग 7 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

केमिकल सेक्टर की रणनीतिक अहमियत पर जोर देते हुए नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ अरविंद विरमानी ने कहा कि इस सेक्टर के लिए एक राष्ट्रीय नीति की जरूरत है, क्योंकि हथियार निर्माण से लेकर एक्सपोर्ट क्लस्टर तक की जिम्मेदारी राज्यों की नहीं, बल्कि केंद्र की होती है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत में जो भी बड़े केमिकल क्लस्टर हैं, वे अधिकतर तटीय राज्यों में स्थापित हैं, क्योंकि पेट्रोकेमिकल्स और उससे जुड़ी वैल्यू चेन आमतौर पर समुद्री बंदरगाहों के नजदीक बेहतर काम करती है।

हिमाचल में सबसे बड़ी त्रासदी : 60000 लोगों पर संकट, अब तक 14 मौतें, 31 सैलाब में लापता

मंडी, 03 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में अब तक की सबसे बड़ी आपदा आई है। जिले के सराज में भयंकर त्रासदी झेल रहे लोगों तक पहुंचने के लिए 4 जुलाई की शाम तक सड़क सुविधा को हर हाल में बहाल कर दिया जाएगा। यह जानकारी डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने आज मंडी में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी।

उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र की जनता से संपर्क पूरी तरह से कट गया है। राहत एवं बचाव के साथ-साथ कुनेक्टिविटी को बहाल करने के लिए भी युद्ध स्तर पर प्रयास जारी हैं। 250 छोटे-बड़े लैंडस्लाइड को हटाकर बगस्याड़ तक सड़क मार्ग को खोल दिया गया है और कल दोपहर तक सबसे ज्यादा प्रभावित एरिया थुनाग तक सड़क सुविधा को बहाल कर दिया जाएगा।

अपूर्व देवगन ने बताया कि इस मार्ग को खोलने के लिए 8 मशीनें तैनात की गई हैं। सड़क बहाल होते ही प्रभावितों तक राशन और अन्य जरूरी सामान पहुंचाना आसान हो जाएगा।

थुनाग में आवश्यक भवनों तक बिजली पहुंचाने के लिए सब स्टेशन को चालू कर दिया गया है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर के माध्यम से राहत सामग्री सराज के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाई जा रही है। जहां सड़क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, वहां अब खच्चरों के माध्यम से सामान पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

अपूर्व देवगन ने बताया कि उनके पास जो सूचनाएं विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुई हैं उसके अनुसार थुनाग और इसके आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में अभी 5 शव बरामद हो चुके हैं जबकि 18 लोग अभी भी लापता हैं। इसमें पखरैर से 11, थुनाग से 5 और पांडव शिला से 2 लोग लापता हैं जबकि थुनाग से 1, धार जरोल से 2 और केल्टी से 2 शव बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से लगभग 95 प्रतिशत जानकारी प्रशासन के पास पहुंच चुकी है और इसके अलावा बाकी जानकारियां भी जुटाई जा रही हैं। इसके अलावा वहां रिलिफ कैंप भी लगाए गए हैं जहां लोगों के रहने-खाने की व्यवस्था की गई है।

डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने बताया कि सराज में इस आपदा से सबसे ज्यादा 60 हजार लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमे टूरिस्ट भी शामिल हैं।

इन सभी पर्यटकों के परिवारों से संपर्क हो गया है और कुछेक को उनके राज्यों में भेज भी दिया गया है। इसके अलावा अन्य पर्यटकों को भी सड़क मार्ग खुलते ही वापिस भेजने की व्यवस्था की जाएगी।

केजरीवाल का ऐलान- बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आपा

अब कांग्रेस से गठबंधन नहीं, इंडी अलायंस लोकसभा के लिए था

अहमदाबाद, 03 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना ही चुनाव में उतरेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। अब कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर गठबंधन था तो कांग्रेस ने विसावदर उपचुनाव क्यों लड़ा। वे हमें हराने आए थे। भाजपा ने हमें हराने और वोट काटने के लिए कांग्रेस को भेजा था।

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। बाद में, अगस्त 2022 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने एनडीए से नाता तोड़ लिया और आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ सरकार बना ली। फिर, जनवरी 2024 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन से नाता तोड़ लिया और फिर से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ सरकार बना ली।

इससे पहले गुजरात में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को भरोसा जताया कि लोग 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को सत्ता में लाएंगे। हाल में राज्य में विसावदर विधानसभा उपचुनाव में आप नेता गोपाल इटालिया की जीत से उत्साहित दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अतीत के विपरीत, लोगों के पास आम आदमी पार्टी के रूप में एक विकल्प है। वह गुजरात में अपनी पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के बाद यहां बोल रहे थे।

योगी कैबिनेट में लिए गए कई अहम फैसले

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन होगा

- 29 खतरनाक कारखानों में महिलाएं भी करेंगी काम
- एक्सप्रेस-वे पर बनेंगे ग्रीन-फील्ड लिंक एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया गया। इस मिशन का उद्देश्य न केवल राज्य के युवाओं को देश में रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें विदेशों में भी नियोजन के अवसर दिलाना है। वह भी अब सीधे राज्य सरकार के माध्यम से। कैबिनेट की बैठक के बाद सरकार के इस निर्णय की जानकारी दी गई। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 30 प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह दूरदर्शी पहल न केवल प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को भारत का वैश्विक मानव संसाधन आपूर्ति केंद्र (ग्लोबल एचआर हब) बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह मिशन राज्य सरकार के उस वादे की पुष्टि करता है जिसमें कहा गया था, हर हाथ को काम और हर हुनर को सम्मान। कैबिनेट बैठक के बाद श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि अब तक सेवायोजन विभाग केवल रोजगार मेलों और सेवायोजकों के माध्यम से राज्य के बेरोजगार युवाओं को अवसर दिला रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के साथ हम देश और विदेश दोनों स्तरों पर अपने युवाओं को सीधी नौकरी दिला सकेंगे। उन्होंने बताया कि मिशन का लक्ष्य एक वर्ष में देश में एक लाख और विदेशों में 25 से 30 हजार युवाओं को सेवायोजित करने का रखा गया है। अनिल राजभर ने बताया कि अब तक विदेशों में रोजगार के लिए राज्य को रिक्रूटिंग एजेंट (आरए) लाइसेंसधारी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन मिशन के गठन के साथ ही सरकार स्वयं आरए का लाइसेंस प्राप्त कर सकेगी, जिससे अब बेरोजगारों को सीधे विदेशों में रोजगार पर भेजा जा सकेगा। श्रम मंत्री ने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की मैनपावर खासकर पैरा मेडिकल, नर्सिंग स्टाफ, ड्राइवर्स, कुशल श्रमिकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह मिशन राज्य की उस क्षमता को दिशा और अवसर देने का माध्यम बनेगा।

योगी सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। अब महिलाओं को कुछ विशेष शर्तों के साथ खतरनाक श्रेणी के सभी 29 कारखानों में काम करने की अनुमति दे दी गई है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि अब तक देश में 29 प्रकार के खतरनाक कारखानों में महिलाओं का कार्य करना प्रतिबंधित था। 12 प्रकार के कम खतरनाक कारखानों में पहले ही उन्हें कार्य की अनुमति दी गई थी, जबकि हाल ही में 4 और श्रेणियों को अनुमोदन प्रदान किया गया है। अब ताजा निर्णय में उन्हें सभी 29 कारखानों में काम की अनुमति दे दी गई है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट का यह फैसला तकनीकी विस्तार और उद्योगों की मांग के मद्देनज़र लिया गया है। महिला श्रमिकों की स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही नियमों में संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी बहनें उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सहभागी बनें, यही हमारा लक्ष्य है।

योगी कैबिनेट ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तक प्रवेश नियंत्रित ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण को अनुमोदन प्रदान किया है। लगभग 49.96 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे छह लेन का होगा, जिसे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा। इसका निर्माण ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मॉडल पर किया जाएगा। परियोजना पर अनुमानित 4775.84 करोड़ रुपए का व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

सपा सरकार की जेपीएनआईसी भ्रष्टाचार परियोजना पर चली कुल्हाड़ी

सोसाइटी भंग, एलडीए को सौंपी गई परियोजना

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गुरुवार को कैबिनेट बैठक में जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) परियोजना को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया। सपा सरकार में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी प्रोजेक्ट जेपीएनआईसी परियोजना को अब लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंप दिया गया है। इसके साथ ही, जेपीएनआईसी सोसाइटी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। योगी सरकार ने इस परियोजना को पूरा करने, इसके रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी एलडीए को दी है, ताकि यह केंद्र जनता के लिए उपयोगी बन सके।

कैबिनेट ने जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग करते हुए परियोजना को यथास्थिति एलडीए को हस्तांतरित करने का फैसला किया है। अब एलडीए न केवल इस केंद्र का संचालन करेगा, बल्कि इसके रखरखाव और पूर्ण करने की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाएगा। परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने, प्रक्रिया और शर्तें तय करने, सोसाइटी की सदस्यता समाप्त करने और अन्य अनुषांगिक कार्यों के लिए एलडीए को पूर्ण रूप से अधिकृत किया गया है। यह कदम परियोजना को पारदर्शी और कुशल तरीके से जनता के हित में उपयोग करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया कि जेपीएनआईसी परियोजना के लिए शासन द्वारा अब तक अवमुक्त 821.74 करोड़ रुपए की धनराशि को एलडीए के पक्ष में स्थानांतरित ऋण माना जाएगा। एलडीए को इस राशि को आगामी 30 वर्षों में चुकाना होगा। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए वित्तीय बोझ को व्यवस्थित तरीके से संभाला जाए, साथ ही परियोजना जनता के लिए उपलब्ध हो सके। जेपीएनआईसी परियोजना के तहत लखनऊ में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय केंद्र विकसित किया जा रहा है।

इसमें राज्य स्तर का ऑडिटोरियम, कन्वेंशन सेंटर, विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कोर्ट की सुविधा होगी। इसके अलावा, 750 चार पहिया वाहनों की मल्टी-लेवल पार्किंग की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। ये सुविधाएं जनमानस के लिए खुली होंगी, जिससे लखनऊ के नागरिकों को एक आधुनिक और बहुउद्देश्यीय केंद्र का लाभ मिलेगा।

जेपीएनआईसी, जिसे सपा सरकार ने 2013 में शुरू किया था, शुरू से ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रही। 2017 में योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद परियोजना में अनियमितताओं की जांच शुरू हुई, जिसके चलते निर्माण कार्य रोक दिया गया। कैग की रिपोर्ट में बिना टेंडर के काम कराने और लागत में अनावश्यक वृद्धि जैसे गंभीर आरोप सामने आए थे। 860 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने के बावजूद परियोजना अधूरी रही, जिसे अब योगी सरकार एलडीए के माध्यम से पूरा करने की दिशा में कदम उठा रही है।

एलडीए को परियोजना को निजी सहभागिता के जरिए संचालित करने का अधिकार दिया गया है। इसके तहत, रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरईएफ) और लीज या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के माध्यम से निजी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे न केवल परियोजना के बचे हुए कार्य पूरे होंगे, बल्कि इसका रखरखाव और संचालन भी बिना अतिरिक्त सरकारी खर्च के सुनिश्चित होगा। यह मॉडल परियोजना को आत्मनिर्भर बनाने और जनता के लिए उपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

योगी सरकार का यह फैसला जेपीएनआईसी को जनता के लिए खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीन माह में 7.72 लाख लीटर अवैध शराब जब्त

55 सौ से ज्यादा गिरफ्तार

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग ने अवैध शराब के धंधे में लिप्त लोगों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जून माह तक अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के 29,784 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 7.72 लाख लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई। साथ ही 5,559 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 1,075 को जेल भेजा गया और तस्करी में शामिल 35 वाहनों को जब्त किया गया। इसके अलावा, विभाग ने जून 2025 में 4,458.22 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के इसी माह के 3,431.20 करोड़ रुपए की तुलना में 1,027.02 करोड़ रुपए (लगभग 30 प्रतिशत) अधिक है।

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि 6 जून से 20 जून 2025 तक 15 दिनों का विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 5,079 मामले दर्ज किए गए और 1,42,401 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। इस दौरान 924 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 189 को जेल भेजा गया। साथ ही, अवैध मदिरा के परिवहन में शामिल तीन वाहनों को जब्त किया गया। यह अभियान अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने में प्रभावी साबित हुआ। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में जून तक 27,276 मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 7.38 लाख लीटर अवैध शराब जब्त की गई थी। उस दौरान 6,426 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से 2,062 को जेल भेजा गया और 50 वाहन जब्त किए गए थे। इस वर्ष न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि हुई, बल्कि जब्ती और राजस्व संग्रह में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विभाग ने 14,400 करोड़ रुपए के निर्धारित राजस्व लक्ष्य के मुकाबले 14,229 करोड़ रुपए (98.8 प्रतिशत) हासिल किए। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में अर्जित 11,783.76 करोड़ रुपए की तुलना में 2,445 करोड़ रुपए (लगभग 20 प्रतिशत) अधिक है। यह उपलब्धि विभाग की प्रभावी नीतियों और कठोर प्रवर्तन का परिणाम है। विभाग की यह कार्रवाई न केवल राजस्व वृद्धि में योगदान दे रही है, बल्कि जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित कर रही है। अवैध शराब के खिलाफ निरंतर अभियान और पारदर्शी नीतियों के जरिए उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक कल्याण के लिए भी कार्य कर रहा है।

जेपीएनआईसी परियोजना : जेपी के नाम पर था अखिलेश यादव का महा भ्रष्टाचार

लखनऊ, 03 जुलाई (ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में शुरू हुई जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) परियोजना भ्रष्टाचार का एक काला अध्याय बन चुकी है। इस परियोजना को सपा के भ्रष्टाचार का ड्रीम-प्रोजेक्ट कहा जाता है। इस परियोजना ने न केवल लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम को कलंकित किया, बल्कि जनता के धन को भी लूटने का गंदा खेल खेला। गुरुवार को योगी कैबिनेट ने इस परियोजना को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपने का फैसला किया, साथ ही सपा सरकार द्वारा जेपीएनआईसी के संचालन के लिए बनाई गई जेपीएनआईसी सोसाइटी को भंग कर दिया। अब एलडीए इस केंद्र के संचालन और रखरखाव का जिम्मा संभालेगा।

जेपीएनआईसी परियोजना की शुरुआत 2013 में सपा सरकार के तहत हुई थी, जिसकी प्रस्तावित लागत एलडीए द्वारा 421.93 करोड़ रुपए आंकी गई थी। व्यय वित्त समिति ने इसे 265.58 करोड़ रुपए तक सीमित किया। लेकिन इसके बाद शुरू हुआ बजट रिवीजन का घिनौना खेल। 2015 में लागत बढ़ाकर 615.44 करोड़ रुपए की गई, फिर उसी साल इसे 757.68 करोड़ रुपए तक पहुंचाया गया। नवंबर 2016 में तीसरी बार रिवीजन के बाद लागत 864.99 करोड़ रुपए हो गई, यानी प्रस्तावित लागत का दोगुना से भी ज्यादा। इस राशि में से 821.74 करोड़ रुपए खर्च भी किए गए, लेकिन परियोजना आज तक अधूरी पड़ी है। यह साफ तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है, जहां जनता का पैसा लूटा गया और बदले में मिला सिर्फ एक अधूरा ढांचा।

सपा पर पहले से ही परिवारवाद, गुंडाराज, माफियाराज और नौकरियों में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। जेपीएनआईसी घोटाला इन काले कारनामों का सबसे नायाब उदाहरण है। अखिलेश यादव, जो खुद को जय प्रकाश नारायण के विचारों का अनुयायी बताते हैं, ने उनके नाम पर बनाए गए इस केंद्र को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया। सवाल उठता है कि क्या सपा का समाजवाद सिर्फ ठेकों, कमीशन और घोटालों तक सीमित है? इस परियोजना में बार-बार लागत बढ़ाने और ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने की साजिश ने सपा की असलियत को उजागर कर दिया।

समाजवादी पार्टी ने जेपीएनआईसी के संचालन के लिए जेपीएनआईसी सोसाइटी बनाकर भ्रष्टाचार को और बढ़ावा दिया। इस सोसाइटी के गठन का मकसद परियोजना को पारदर्शी और कुशलता से चलाना था, लेकिन यह सपा के भ्रष्टाचार का एक और जरिया बन गई। सोसाइटी के जरिए ठेकों और फंड के आवंटन में अनियमितताएं की गईं, जिससे जनता का पैसा लूटा गया। योगी सरकार ने इस सोसाइटी को भंग कर इसके भ्रष्ट तंत्र को खत्म करने का कार्य किया है, जो सपा के काले कारनामों पर एक और प्रहार है।

18.6 एकड़ में फैला जेपीएनआईसी एक बहुउद्देशीय केंद्र के रूप में डिजाइन किया गया था, जिसमें कन्वेंशन हॉल, 107 कमरों वाला लग्जरी होटल, जिम, स्पा, सैलून, रेस्तरां, ओलंपिक साइज का स्विमिंग पूल, 591 गाड़ियों के लिए सात मंजिला कार पार्क और जय प्रकाश नारायण के जीवन को समर्पित एक संग्रहालय शामिल था। लेकिन सपा के शासनकाल में यह परियोजना सिर्फ कागजों और घोटालों तक सीमित रही। सुरक्षा कारणों से यह इमारत बंद पड़ी है और निर्माण कार्यों की जांच अभी भी जारी है। 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद जेपीएनआईसी परियोजना की गहन जांच शुरू हुई। योगी सरकार ने परियोजना को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए, जिसमें तीसरे पक्ष की जांच भी शामिल थी। भारत सरकार के उपक्रम मेसर्स राइट्स लिमिटेड से कराई गई जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं। इसके परिणामस्वरूप, संबंधित वेंडर की 2.5 करोड़ रुपए की सिक्योरिटी जब्त की गई और आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग द्वारा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

जांच में परियोजना को पूरा करने के लिए 925.42 करोड़ रुपए के संशोधित बजट का प्रस्ताव दिया गया, जिसे शासन ने ठोस और व्यवहारिक प्रस्ताव की कमी के कारण निरस्त कर दिया। इसके बाद एलडीए ने एक नया प्रस्ताव तैयार किया, जिसमें निजी सहभागिता के जरिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) और लीज या रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के तहत परियोजना को पूरा करने की योजना बनाई गई। इस मॉडल के तहत, निजी एजेंसी द्वारा फर्निशिंग और बाकी कार्य किए जाएंगे, जिससे शासन पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े और परियोजना संचालित हो सके। एलडीए यह भी सुनिश्चित करेगा कि स्ट्रक्चर पर किए गए खर्च को निजी संचालक से एक निश्चित अवधि में वसूला जाए।

संभल जामा मस्जिद विवाद में नया मोड़

परिसर में नमाज पढ़ने पर रोक लगाने की याचिका दाखिल

संभल, 03 जुलाई (ब्यूरो)। संभल जामा मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद में एक और नई याचिका दाखिल की गई है। इसमें मस्जिद में नमाज पर रोक लगाने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि जब तक यह तय नहीं होता कि यह जगह मंदिर है या मस्जिद, तब तक वहां किसी भी धार्मिक गतिविधि की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। चंदौसी की अदालत ने इस पर सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की है। यह याचिका सिमरन गुप्ता ने दाखिल की है। उनका कहना है कि जब तक यह तय नहीं हो जाता कि यह जगह मंदिर है या मस्जिद, तब तक किसी भी धर्म की पूजा या नमाज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मस्जिद को सील करने और उसे जिलाधिकारी की निगरानी में देने की भी मांग की है।

इससे पहले 19 नवंबर 2023 को आठ हिंदू याचिकाकर्ताओं ने अदालत में दावा किया था कि शाही जामा मस्जिद असल में हरिहर मंदिर है। उसी दिन अदालत के आदेश पर वहां पहला सर्वे हुआ और 24 नवंबर को दूसरा। दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत और 29 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हिंसा के बाद पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, मस्जिद समिति के अध्यक्ष जफर अली समेत 2750 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। अब तक 96 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। मामला हाईकोर्ट तक भी गया। हाईकोर्ट ने निचली अदालत में सुनवाई जारी रखने को कहा। अब 21 जुलाई को अदालत तय करेगी कि जब जगह विवादित है तो मस्जिद में नमाज पर रोक लगाई जाए या नहीं।

बेलांव हत्याकांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत चारों आरोपी बरी

जौनपुर, 03 जुलाई (ब्यूरो)। बेलांव हत्याकांड में पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत चारों आरोपियों को आज बरी कर दिया गया। केराकत के बेलांव में 15 साल पहले संजय निषाद और नंदलाल निषाद की हत्या के मामले में आज कोर्ट ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत कुल चारों आरोपियों को बरी कर दिया। एक अप्रैल 2010 को बेलांव घाट बैरियर के पास टोल टैक्स के विवाद में संजय निषाद और नंदलाल निषाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आरोप है कि ठेकेदारी की रंजिश को लेकर हत्याकांड को अंजाम दिया गया। पुलिस ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ ही आशुतोष सिंह, पुनीत सिंह व सुनीत सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया। कोर्ट में गवाहों के बयान भी दर्ज हुए हैं। एडीजीसी लाल बहादुर पाल ने 20 गवाहों को परीक्षित कराया। फिर सभी सबूतों की समीक्षा करने के बाद धनंजय सिंह को बरी कर दिया गया।

नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक का तबादला

जेल में अतीक के बेटे के पास रुपए मिलने पर कार्रवाई

प्रयागराज, 03 जुलाई (ब्यूरो)। माफिया मरहूम अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की बैरक में पैसे मिलने के मामले में नैनी केंद्रीय कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंगबहादुर पटेल का तबादला कर दिया गया है। पटेल के स्थान पर कासगंज में तैनात रहे विजय बहादुर सिंह को नैनी सेंट्रल जेल का नया वरिष्ठ जेल अधीक्षक बनाया गया है। विजय बहादुर ने चार्ज भी ले लिया है। इसके पहले भी एक महिला डिप्टी जेलर और मुख्य जेल वार्डर को निलंबित किया जा चुका है।

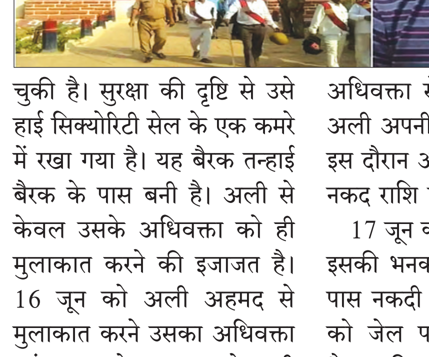

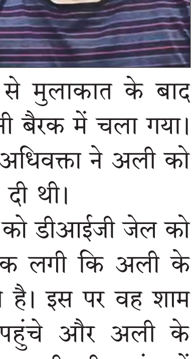

माफिया अतीक अहमद का बेटा अली केंद्रीय कारागार नैनी में बीते 30 जुलाई 2022 से बंद है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से अली की मुलाकात बंद हो चुकी है। सुरक्षा की दृष्टि से उसे हाई सिक्योरिटी सेल के एक कमरे में रखा गया है। यह बैरक तन्हाई बैरक के पास बनी है। अली से केवल उसके अधिवक्ता को ही मुलाकात करने की इजाजत है। 16 जून को अली अहमद से मुलाकात करने उसका अधिवक्ता पहुंचा था। जेल प्रशासन ने अली की तलाशी लेकर सेल के पास कमरे में अधिवक्ता से उसकी मुलाकात कराई थी। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे के सामने उसकी मुलाकात कराई जाती है। अली की बैरक के पास सीसीटीवी कैमरे के साथ ही बंदी रक्षक 24 घंटे निगरानी करते हैं। अधिवक्ता से मुलाकात के बाद अली अपनी बैरक में चला गया। इस दौरान अधिवक्ता ने अली को नकद राशि दी थी।

17 जून को डीआईजी जेल को इसकी भनक लगी कि अली के पास नकदी है। इस पर वह शाम को जेल पहुंचे और अली के बैरक की तलाशी ली। जांच में अली के पास से 1100 रुपए मिले थे। मामले में डीआईजी जेल ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी। बुधवार शाम को रिपोर्ट के आधार पर डीजी जेल ने डिप्टी जेलर कांति देवी और हेड वार्डर संजय द्विवेदी को निलंबित कर दिया था।

इस बारिश सेहत का कुछ ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम के तुरंत बाद बारिश का मौसम आना जैसे बंजर जमीं पर पानी की बूंद गिरने जैसा होता है। गर्मी के बाद बारिश सबको अजीब सा सुकून देता है। बारिश में लोग भीगना पसंद है। मगर ज्यादा तर बीमारियां बारिश के आने के बाद आती हैं। तो किस तरह से इस बारिश के मौसम में रखें अपने सेहत का ख्याल आपको बतातें हैं। देश में जहां कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है वहीं कई कोनो में लोग अभी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। तो इस तरह से सभी को मानसून एन्जॉय करने के साथ इसके साथ आने वाली बीमारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। क्यों की मानसून जरूर ठंडक लाता है मगर साथ में वह अपने बहुत सारी बीमारियां भी लाता है।

खानपान का रखें ध्यान: बारिश के दिनों में बाहर का खाना सबको बहुत अच्छा लगता है मगर वहीं खाना पेट की बिमारियों को जन्म देता है। बारिश में गलत खाना खाने से पीलिया, मलेरिया, टायफाइड, पेट व आंतों संबंधी बीमारियां, खांसी, जुकाम, जोड़ों में दर्द, त्वचा में इंफेक?शन, बुखार और फ्लू जैसी सकती है। इस तरह से इस बारिश जो भी आप खाते है उसे अपनी सेहत के अनुसार खाएं।

तुलसी और कड़ी पत्ते का प्राकृतिक क्लींजर

कड़ी पत्ते और तुलसी दोनों में एंटी-आक्सीडेंट होते हैं। जो आपकी त्वचा को इंफेक्शन और मुंहासों से बचाते हैं। साथ ही यह आपकी त्वचा को कोमल व नर्म बनाने के साथ पिग्मेंटशन (झांइयों) और झुरियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं जिसे त्वचा पर लगाने से त्वचा में निखार आने लगता है।

रेड बर्थमार्क के कारण, निदान और इलाज

बर्थमार्क्स यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्क्स के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्क्स अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भी हो सकता है।

निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्क्स की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोप्सी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

इलाज

अधिकतर बर्थमार्क्स किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्क्स से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्क्स बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेन्गिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थाई रूप से साथ रहते हैं।

हेमेन्गिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिए। इतना ही नहीं अगर हेमेन्गिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिए। हेमेन्गिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

बर्थमाक्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्क्स के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्क्स का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है। लेकिन, कुछ मामलों में देखा गया है कि लिवर, फेफड़े, पेट अथवा अंत्राशय की बीमारियों के फलस्वरूप भी बर्थमार्क्स हो सकते हैं। यदि ऐसी कोई समस्या नजर आए, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई?

टिप्स

- योग के सही मुद्रा एक योग्य योग प्रशिक्षक की मदद से सीखें।
- कई स्वास्थ्य केन्द्र, योग केंद्र और सामुदायिक कॉलेज योग शिक्षा प्रदान करते हैं।
- लंबाई बढ़ाने का दावा करने वाले प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी लें।
- ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि, सप्लीमेंट की मदद से किसी भी वयस्क की लंबाई को स्थायी रूप से बढ़ाया जा सकता है।

एक बार हड्डियां के बढ़ना रूकने के बाद, लंबाई को बढ़ाने की सीमा तय हो जाती है। फिर लंबाई को बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्ट्रेचिंग की मदद से अपने पॉश्चर में सुधार कर अपनी लंबाई बढ़ा सकते हैं।

लड़कियों की लंबाई 11.5 वर्ष और लड़कों की लंबाई 13.5 वर्ष तक ही बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार, लड़कों को लड़कियों की तुलना में हड्डियों की ग्रोथ बंद होने से पहले लंबाई बढ़ाने का दो साल का लंबा समय मिलता है। लेकिन वयस्कों में लंबाई बढ़ाने के लिए स्ट्रेच एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी में संकोचन को कम करता है। स्ट्रेचिंग से आपको पॉश्चर में सुधार करने और लंबाई की सीमा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।

स्टेप 1

ताड़ासन को पर्वत योग मुद्रा भी कहते हैं। इस स्ट्रेच योग को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियां सीधी रखें और सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और चेस्ट में भी स्ट्रेच आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। इस योगाभ्यास करते समय में पूरे शरीर में उपयुक्त रूप से स्ट्रेच महसूस होता है। योग जर्नल वेबसाइट के अनुसार यह मुद्रा आपको रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में मदद करती है। सीधा खड़ा होना, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का विरोध कर आपकी लंबाई को 30 की उम्र के बाद भी बढ़ता है।

स्टेप 4

क्लॉस या होम एक्सरसाइज वीडियो के माध्यम से योग या पिलेट्स करें, जिससे आपके पूरे शरीर का स्ट्रेच हो सके। योग या पिलेट्स को नियमित करने अच्छी मुद्रा को एक आदत बनाने में मदद मिलती है और मसल्स को मजबूती मिलती है जिससे आपकी रीढ़ और अंगों को उचित एलाइनमेंट मिलती है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग रीढ़ की हड्डी पर संकोचन को कम करने में मदद करता है जिससे आप 30 साल की उम्र के बाद भी लंबाई बढ़ा सकते है। हालांकि इस बात के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

स्टेप 2

भुजंगासान को कोबारा पोज भी कहते हैं। इस आसान में चेहरे पर स्ट्रेच महसूस करते हुए अपनी उंगालियों को कंधों की तरफ और कोहनी को अपनी साइट में रखते हैं। साथ ही अपने शरीर के निचले हिस्से पर दबाव बनाए रखते हैं। अपनी बाहों को सीधा रखते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ और निचले हिस्से को जमीन पर रखते हैं। ऊपरी हिस्से को तब तक ही उठाते हैं, जितना की आप आराम से उठा सकें। अपनी रीढ़ में स्ट्रेच महसूस करें। सांस छोड़ते और 15 की गिनती करते हुए धीरे-धीरे अपने ऊपरी हिस्से को नीचे लाएं। इससे आपके चेस्ट और पेट की मसल्स में स्ट्रेच होगा। इसको नियमित करने से लंबाई बढाई जा सकती है। इस मुद्रा को नियमित रूप से करने लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे आप बैठते, उठते और खड़े होते समय रीढ़ की हड्डी लंबा बनाये रखने में मदद मिलती है।

स्टेप 3

शॉवर लेने के बाद भी नियमित रूप से स्ट्रेच करें क्योंकि इस समय आपकी मसल्स गर्म होती है। पांच मिनट एक ही जगह चलने के बाद धीरे-धीरे अपने दोनों हाथों को हिलाएं और पैरों को ढीला छोड़कर तनाव को रिलीज करें। फिर एक समय में एक हाथ को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें। अब अपने पैर की उंगलियों से लेकर हिप्स और कंधे तक बॉडी की एक साइड को स्ट्रेच करें। फिर दूसरी तरफ से ऐसा ही करें और तीन से पांच बार दोहराएं।

स्किन के लिए वरदान है एक कप चाय

ज्यादातर हम सभी के दिन की शुरूआत एक कप चाय से होती है। चाय से थकान दूर होती है और ताजगी आ जाती है। दिन भर की थकान को दूर करने के लिए भी एक कप चाय मिल जाए तो क्या ही बात। लेकिन अक्सर चाय और कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। कहा जाता है ज्यादा चाय पीने से काले हो जाते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। ये आपको ताजगी देने के साथ-साथ खूबसूरती बढ़ाने में भी मदद करती है, क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

स्किन बनाए हेल्दी

हेल्दी स्किन यानी नम त्वचा। शरीर में नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त लिक्विड लेना जरूरी है। इसमें सभी तरह की चाय शामिल हो सकती है, क्योंकि गर्मी के दिनों में शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। लिक्विड लेने से स्किन फ्रेश रहती है और पानी की कमी नहीं होती है।

ग्रीन टी

अगर आपकी स्किन रूखी और बेजान हो गई है तो ठंडी ग्रीन टी अपने चेहरे पर छिड़कें। ये एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर का काम करती है। इससे आपकी स्किन तरोताजा हो जाएगी और चेहरा साफ व ग्लोइंग लगेगा।

डार्क सर्कल

दरअसल चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है। नींद पूरी न होने या अन्य कारणों से अगर आप की आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पड़ गए हैं या सूजन आ गई है तो टी बैग इसे सही करने में आपकी मदद करेगा। उसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर उसे आंखों के नीचे रखें। इससे आंखों की थकान दूर होती है।

पैरों की बदबू से छुटकारा

पैरों में बदबू आने पर अगर आप डीओ का इस्तेमाल करती है तो ऐसा न करें। इसके लिए आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

बाल बनाए घने

ब्लैक टी बाल गिरने की समस्या से निजात दिलाती है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहती हैं तो उन्हें ब्लैक टी और ग्रीन टी से धोएं। वहीं ग्रीन टी बालों को बढ़ने में मदद करती है। ठंडी की हुई चाय को बालों पर डालें और उसे 10 मिनट तक रखें। इसके बाद अपने बालों को शैंपू और कंडीशनर से धो लें।

तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं बल्कि एक जरूरत

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

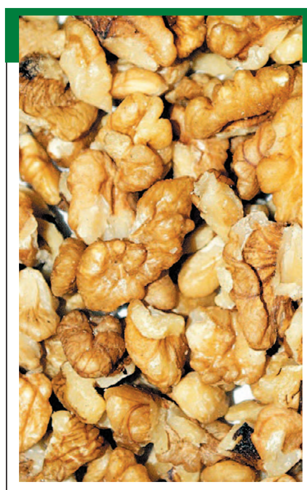

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं ।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

रेसिपी

मैंगो केक

आइए बनाएं कुकर में मैंगो केक

अब आम का सीजन है तो मैंगो केक खाने का मन तो करेगा ही। पर लाइट नहीं आ रही ओवन कैसे चलेगा। ओफ्हो परेशानी क्या है हम बताते हैं कैसे बनाएं प्रेशर कुकर में मैंगो केक।

सामग्री

एक बड़ा प्रेशर कूकर जिसमें बेकिंग पैन समा जाए, एक बेकिंग पैन, 1 बटर पेपर, मैदा 1 कप, आम की प्यूरी आधा कप सा फिर एक टेबल स्पून मैंगो सीरप, कन्डेन्स्ड मिल्क 1/2 कप, पाउडर चीनी आधा कप, दूध आधा कप, मक्खन 1/3 कप, काजू कटे हुए 2 टेबल स्पून, किशमिश 2 टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर1छोटी चम्मच, बेकिंग सोडा 1/4 छोटी चम्मच, आप आम को काट कर उसका पल्प निकाल कर और उसे फेंट कर भी प्यूरी बना सकते हैं।

विधि

मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स कर लीजिए और 2 बार अच्छी तरह छान लीजिए। दूसरे बड़े प्याले में मक्खन, आम का पल्प/प्यूरी और कन्डेन्स्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह फैट कर मिक्स कर दीजिए, पाउडर चीनी मिलाकर और अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए। काजू और किशमिश के डंठल हटाकर कपड़े से पोंछ लीजिए। जिस कन्टेनर में केक बेक उसमें बटर या घी लगाकर चिकना कर लीजिए। बटर पेपर बर्तन के तले के आकार का काट लीजिए और तले में पेपर डालकर उसके ऊपर भी थोड़ा बटर डालकर चिकना कर लीजिए। आम का पल्प, कन्डेन्स्ड मिल्क में मैदा और बेकिंग पाउडर मिश्रण को डालकर अच्छी तरह गुठलियां खत्म होने तक मिलाइए। मिश्रण में दूध भी अच्छी तरह मिला दीजिए। काजू और किशमिश भी मिला दीजिए। ग्रीज किया हुआ केक कन्टेनर लीजिए। इसमें बर्तन में थोड़ा घी डालिए। फिर थोड़ी सी मैदा डालकर बर्तन को इस तरह हिलाइए कि उसके ऊपर पतली सी मैदा की परत बन जाए। उसमें मिश्रण डालिए और खटखटा कर एक सार कर लीजिए। अब क्योंकि कुकर में केक बनाने के लिए केक कन्टेनर का तला कुकर के तले से नहीं लगना चाहिए नहीं तो केक नीचे से जल सकता है। इसके लिए कुकर के अन्दर तले में एक कटोरी नमक फैला देते है। नमक गरम होकर ओवन की तरह तापमान भी बनाए रखता है। कुकर के अन्दर एक कटोरी नमक डालने के बाद इसे तेज आग पर दो मिनट के लिए रख दीजिए और केक कन्टेनर को पहले से गरम किए हुए कुकर में रखिए। कुकर के ऊपर ढक्कन लगाकर बन्द कर दीजिए। ढक्कन पर सीटी मत लगाइए। केक को बिल्कुल धीमी आग पर 40-50 मिनट तक पकाइए। इसके बाद केक को चैक कर लीजिए। केक के अन्दर चाकू डालने से मिश्रण चाकू पर लग कर आ रहा है तो केक को और बेक कीजिए। कुछ देर बाद दोबारा टैस्ट कीजिए केक में चाकू गड़ा कर देखिए यदि चाकू से केक नहीं चिपकता तो आपका केक बन गया है। कुकर को केक कन्टेनर सहित अच्छी तरह ठंडा होने दीजिए। ठंडा होने पर केक के किनारों से चाकू घुमाकर केक को बर्तन के किनारों से अलग कर लीजिए अब हल्के से ठोक कर केक को प्लेट में निकाल लीजिए। लीजिए आपका प्रेशर कूकर मैंगो केक तैयार है।

संपादकीय

नागरिकता का 'आधार'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एमआईएम नेता-सांसद ओवैसी के आरोप हैं कि भारत सरकार चोरी-छिपे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करना चाहती है, नतीजतन मुसलमानों की एक अवांछित आबादी की नागरिकता रद्द की जा सकेगी। ममता बनर्जी ने बंगाल में एनआरसी लागू नहीं करने की घोषणा भी की है। नागरिकता का यह विवादित मुद्दा पुराना है। सर्वोच्च अदालत की निगरानी में असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में, प्रयोग के स्तर पर, एनआरसी की कवायद की गई थी। दरअसल यह न तो असंवैधानिक अभियान है और न ही मुसलमानों की नागरिकता रद्द की जा रही है। किसी भी सरकार को नागरिकता छीनने का अधिकार नहीं है। यह सर्वोच्च अदालत के स्तर पर कई बार दोहराया जा चुका है। गौरतलब यह भी है कि भारत सरकार ने एनआरसी का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। फिलहाल जनगणना और जातीय गणना के विराट अभियान सामने हैं, जिन्हें मार्च-अप्रैल, 2027 तक पूरा करने के लक्ष्य तय किए गए हैं। वैसे एनआरसी जनगणना का ही एक प्रारूप है। यदि जनगणना पर आपत्ति नहीं है, तो एनआरसी पर चीखा-चिल्ली क्यों मचाई जा रही है? दरअसल हमारा विषय यह है कि एक औसत भारतीय की 'नागरिकता' के तय मानक क्या हैं? यह देश अधिकतर गांवों, पिछड़े इलाकों और बाढ़-बारिश से ग्रस्त क्षेत्रों में बसने को बाध्य है। 'नागरिकता' के लिए कई दस्तावेज अपेक्षित हैं, जिन्हें पेश करना मुश्किल है। उन संदर्भों में अहम सवाल है कि 'आधार कार्ड' नागरिकता का पात्र, मानक आधार क्यों नहीं है? जनवरी, 2009 में तत्कालीन मनमोहन सरकार ने 'भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण' का गठन किया था और 'इंफोसिस' के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को उसका प्रथम अध्यक्ष बनाया गया था। 'आधार कार्ड' सितंबर, 2010 में लागू हो गया। आज देश के 125 करोड़ से अधिक लोगों के पास आधार कार्ड है। उसमें नाम, पिता का नाम, जन्म-तिथि, पता और व्यक्ति के बॉयोमीट्रिक चिह्न आदि सब कुछ दर्ज है। प्राधिकरण के नाम में भी 'पहचान' शब्द जुड़ा है। आज आयकर रिटर्न, बैंक खाते के संचालन, सरकार की विशेष सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का लाभ, बच्चों का स्कूल में दाखिला, म्यूचुअल फंड्स अथवा शेयर बाजार में निवेश करने, सिम कार्ड खरीदने, नौकरी में प्रवेश करते समय 'आधार कार्ड' का प्रस्तुतीकरण अनिवार्य है। सरकार ने 'पैन कार्ड' और बैंक खातों को आधार से अनिवार्य तौर पर लिंक करा दिया है। अब 'मतदाता पहचान पत्र' को भी आधार कार्ड से जोडऩे पर विचार किया जा रहा है। यदि आधार कार्ड इतना महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज है, तो उसके आधार पर किसी की नागरिकता तय करने में क्या दुविधा है? 'मतदाता कार्ड' भी अत्यंत मौलिक, साक्ष्य वाला दस्तावेज है। उसे नागरिकता का आधार मानक क्यों नहीं माना गया है? सरकार दलीलें देती रही है कि आधार कार्ड और मतदाता कार्ड एक निश्चित गिरोह द्वारा फर्जी बनाए जाते रहे हैं। यह सरकार की ही नाकामी है। फर्जी और नकली तो पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड भी बन रहे हैं। नकली पहचान बना कर आतंकवादी संसद भवन में घुस गए थे। सरकार इन नकलबाजों को क्यों नहीं रोक पाई है? यह सरकार के लिए गंभीर चुनौती भी है। देश में करोड़ों घुसपैठिया बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान व्याप्त हैं, दशकों से सक्रिय हैं, उनके पास फर्जी कार्ड भी होंगे, वे वोट बैंक भी हैं, कमोबेश भाजपा-एनडीए सरकार उन्हें देश से बाहर क्यों नहीं कर पाई? बहरहाल किस्तों में ये अभियान जरूर दिखाई देते हैं। सरकार ने जिन दस्तावेजों को नागरिकता के आधार के तौर पर स्वीकार किया है, वे प्रवासी नौकरी-मजदूरी करने वालों के लिए मुश्किल हो सकते हैं। जन्म प्रमाणपत्र स्कूल-कॉलेज तक तो मिल सकते हैं, उसके बाद कामकाजी जिंदगी शुरू होती है, ऐसे प्रमाणपत्र कौन लेकर चलता है? माता-पिता के जन्म प्रमाणपत्र कहां से लाएं? मूल निवास छोड़ कर व्यक्ति दिल्ली या किसी अन्य महानगर में काम कर रहा है, मूल निवास पर माता-पिता भी दिवंगत हो चुके हैं, तो वह प्रमाणपत्र कहां से पेश किया जा सकता है? 'आधार कार्ड' प्रामाणिक दस्तावेज लगता है।

> सर्वोच्च अदालत की निगरानी में असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में, प्रयोग के स्तर पर, एनआरसी की कवायद की गई थी। दरअसल यह न तो असंवैधानिक अभियान है और न ही मुसलमानों की नागरिकता रद्द की जा रही है। किसी भी सरकार को नागरिकता छीनने का अधिकार नहीं है। यह सर्वोच्च अदालत के स्तर पर कई बार दोहराया जा चुका है। गौरतलब यह भी है कि भारत सरकार ने एनआरसी का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। फिलहाल जनगणना और जातीय गणना के विराट अभियान सामने हैं, जिन्हें मार्च-अप्रैल, 2027 तक पूरा करने के लक्ष्य तय किए गए हैं। वैसे एनआरसी जनगणना का ही एक प्रारूप है। यदि जनगणना पर आपत्ति नहीं है, तो एनआरसी पर चीखा-चिल्ली क्यों मचाई जा रही है? दरअसल हमारा विषय यह है कि एक औसत भारतीय की 'नागरिकता' के तय मानक क्या हैं? यह देश अधिकतर गांवों, पिछड़े इलाकों और बाढ़-बारिश से ग्रस्त क्षेत्रों में बसने को बाध्य है। 'नागरिकता' के लिए कई दस्तावेज अपेक्षित हैं, जिन्हें पेश करना मुश्किल है।

भारत ने कई युद्धों में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराने के बावजूद उसके साथ मित्रों जैसा व्यवहार किया

भारत का प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान नहीं चीन है

राजेश कुमार पासी

> भारत बड़ी शक्ति बनकर उनके लिए भविष्य में चुनौती न बन जाए इसलिए भारत को दो टुकड़ों में बांट गए। यह हमारी गलत सोच है कि भारत का विभाजन हिन्दू-मुस्लिम मतभेद की वजह से हुआ था। वास्तव में उन्होंने दोनों समुदायों के बीच के मतभेदों को बढ़ाकर ऐसे हालात पैदा कर दिये गए कि विभाजन के लिए हमारे नेताओं को मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान बनने से न केवल भारत कमजोर हुआ बल्कि भारत को हमेशा के लिए उसका एक कट्टर दुश्मन मिल गया। पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही भारत को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता आ रहा है जबकि भारत ने कभी भी पाकिस्तान को अपने दुश्मन के रूप में नहीं देखा।

जब अंग्रेजों ने भारत को आजाद किया तो वो जाते-जाते भी भारत के साथ साजिश कर गए। उन्हें अच्छी तरह से पता था कि भारत भविष्य में बड़ी शक्ति के रूप में उभर सकता है। भारत बड़ी शक्ति बनकर उनके लिए भविष्य में चुनौती न बन जाए इसलिए भारत को दो टुकड़ों में बांट गए। यह हमारी गलत सोच है कि भारत का विभाजन हिन्दू-मुस्लिम मतभेद की वजह से हुआ था। वास्तव में उन्होंने दोनों समुदायों के बीच के मतभेदों को बढ़ाकर ऐसे हालात पैदा कर दिये गए कि विभाजन के लिए हमारे नेताओं को मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान बनने से न केवल भारत कमजोर हुआ बल्कि भारत को हमेशा के लिए उसका एक कट्टर दुश्मन मिल गया। पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही भारत को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता आ रहा है जबकि भारत ने कभी भी पाकिस्तान को अपने दुश्मन के रूप में नहीं देखा। आप सोचकर देखिए कि अगर पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में भारत की हार हुई होती तो पाकिस्तान ने भारत का क्या हाल किया होता। भारत ने कई युद्धों में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराने के बावजूद उसके साथ मित्रों जैसा व्यवहार किया। वास्तव में पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही एक जिहादी मानसिकता वाले आत्मघाती आतंकवादी ही तरह व्यवहार कर रहा है। वो खुद को मिटाकर भी भारत को खत्म कर देना चाहता है। विदेशी शक्तियां पाकिस्तान की पैदाइश से ही उसका इस्तेमाल भारत को आगे बढ़ने से रोकने के लिए करती रही हैं। पहले अमेरिका और पश्चिमी देश पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे थे, अब चीन पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तान एक ऐसे गुंडे की तरह है जिसे पैसा देकर कोई भी भारत के खिलाफ मैदान में उतार सकता है। इसकी एक वजह यह भी है कि पाकिस्तान अपनी शक्ति के बल पर भारत के खिलाफ ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। सवाल यह है कि अगर कोई अन्य देश सह नहीं देता तो क्या पाकिस्तान भारत का दोस्त बन जाता। सच्चाई कड़वी है लेकिन सच यही है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही भारत विरोध पर टिका हुआ है। कहा जाता है कि देशों के पास उनकी सेना होती है लेकिन पाकिस्तान की सेना ऐसी है जिसके पास एक देश है। पाकिस्तानी सेना अपनी जनता को भारत के खिलाफ भड़काती रहती है कि अगर वो न हो तो भारत पाकिस्तान को खत्म कर देगा। यही कारण है कि पाकिस्तान की आम जनता भी भारत के प्रति नफरत से भरी हुई है और वो सेना का भारी-भरकम खर्च उठा रही है। पाकिस्तान के कारण भारत का सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि वो अपने असली दुश्मन को कभी पहचान नहीं सका। पूर्व रक्षामंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने कहा था कि चीन भारत का नम्बर वन दुश्मन है लेकिन उनकी यह बात किसी को समझ नहीं आई। प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी चीन को मित्र देश मानते थे और उसके साथ मिलकर शांति के कबूतर उड़ाया करते थे। चीन से मित्रता हासिल करने के लिए उन्होंने भारत के हितों के साथ कई समझौते किये। वो चीन को खुश करते रहे ताकि वो भारत का दोस्त बना रहे लेकिन उनकी लाख कोशिशों के बावजूद चीन ने 1962 में भारत पर हमला करके भारत के बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया

। चीन के इतने बड़े धोखे के बाद कुछ सालों तक भारत सरकार चीन के प्रति सतर्क रही लेकिन फिर एक बार उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया गया। यूपीए शासन के दौरान कांग्रेस ने चीन के साथ एक एमओयू साइन किया है लेकिन इसमें क्या है, यह अभी तक देश की जनता को पता नहीं है। आज राहुल गांधी चीन के विकास का ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन वो यह नहीं बताते कि 1980 तक चीन भारत के बराबर ही था लेकिन कांग्रेस की नीतियों के कारण भारत पिछड़ता गया और चीन आगे बढ़ गया। कितनी अजीब बात है कि एक लोकतांत्रिक देश होने के बावजूद भारत वामपंथी नीतियों पर चलकर आर्थिक बर्बादी की ओर जा रहा था जबकि चीन वामपंथी देश होकर पूंजीवाद के बल पर आर्थिक विकास की सीढ़ियां तेजी से चढ़ रहा था। वाजपेयी सरकार के समय भारत का चीन के साथ एक अरब डॉलर के घाटे का व्यापार था लेकिन यूपीए शासन के बाद यह घाटा सौ अरब डॉलर तक पहुंच गया। मोदी सरकार के आने के बाद इसमें बढ़ोतरी बेशक न हुई हो लेकिन यह कम नहीं हो पा रहा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि यूपीए शासन के दौरान हमारी अर्थव्यवस्था चीन पर इतनी ज्यादा निर्भर हो गई है कि हम चाह कर भी चीन से आयात कम नहीं कर पा रहे हैं। सवाल यह है कि हम अपने ही पैसे से दुश्मन को क्यों बढ़ावा दे रहे हैं। वास्तव में चीन ने अमेरिका के सहयोग से अपने आपको दुनिया की फैक्टरी बना लिया है। यह हमारे देश की विदेश नीति की बहुत बड़ी विफलता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के बावजूद अमेरिका ने हमें न चुनकर चीन को इस काम के लिये चुना। जो चीन 1980 में हमारे बराबर था, वो आज हमारे से पांच गुणा बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हम पाकिस्तान के साथ ऐसे उलझे रहे कि हम चीन की तरफ देख ही नहीं पाए। हम यह पहचान नहीं सके कि हमारा असली दुश्मन चीन है और उसकी बढ़ती ताकत एक दिन हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या बन जाएगी। हम पाकिस्तान से खुद को अलग करना चाहते थे लेकिन आतंकवाद को हथियार बनाकर उसने हमें उलझाये रखा। पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम इसलिए नहीं उठाए गए क्योंकि पाकिस्तान परमाणु बम की धमकी देता था। पाकिस्तान और चीन ने एक जबरदस्त गठजोड़ बना लिया है जो हमारी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद चीन के खतरे को सही तरह से पहचाना गया है। यूपीए शासन में चीन सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास की अनदेखी की गई क्योंकि रक्षा मंत्री का कहना था कि चीन इसका फायदा उठाकर हमारे देश में घुस जाएगा। मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे का विकास करके बता दिया कि यूपीए सरकार की सोच कितनी गलत थी। मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र में खुद को आत्मनिर्भर बनाने की ओर कदम बढ़ाए जबकि पहले हम पूरी तरह से विदेशी हथियारों पर निर्भर थे। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारतीय हथियारों में कितना दम है और भारत हथियारों के मामले में कितना आत्मनिर्भर हो चुका है। इस युद्ध में पाकिस्तान ने चीनी हथियारों का जबरदस्त इस्तेमाल किया है लेकिन हमारी सेना ने दिखा दिया कि वो चीनी हथियारों का कैसे मुकाबला कर सकती है। भारत की जबरदस्त रक्षा तैयारियां बता रही हैं कि हम पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी नहीं कर रहे हैं। चीन को भी समझ आ चुका है कि भारत उसका मुकाबला करने की तैयारी कर रहा है। पहले डोकलाम और फिर गलवान में भारतीय सेना ने बता दिया है कि भारत चीन से मुकाबले के लिए तैयार है। भारत इसकी भी तैयारी कर रहा है कि अगर चीन और पाकिस्तान एक साथ हमला कर दें तो कैसे मुकाबला करना है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि पाकिस्तान के मुकाबले हम सैन्य के रूप से इतने ज्यादा सक्षम हैं कि उसकी ज्यादा परवाह करने की जरूरत नहीं है। हमारा असली दुश्मन पाकिस्तान नहीं चीन है और उसकी बढ़ती आर्थिक ताकत है। भारत उसके मुकाबले के लिये उसके विकल्प के रूप में दुनिया के सामने खुद को पेश कर रहा है और इसका असर दिखाई देने लगा है। विदेशी कंपनियों को भारत में चीन से मुकाबला करने की क्षमता दिखाई दे रही है। आज भारत दुनिया का सबसे किफायती उत्पादन करने वाला देश बन गया है जो कि पहले चीन था। हम जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं लेकिन चीन से मुकाबला करना अभी भी मुश्किल दिखाई दे रहा है। अब समय आ गया है कि हम पाकिस्तान से खुद को अलग करके चीन की तरफ ध्यान दें। हम बेशक चीन के खिलाफ सैन्य तैयारियां कर सकते हैं लेकिन जब तक आर्थिक रूप से उसके मुकाबले खड़े नहीं होते, तब तक हम कमजोर ही रहेंगे। सैन्य रूप से मजबूत होना जरूरी है लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि दुश्मन से आर्थिक रूप से कमजोर न हुआ जाए। अगर किसी वजह से लड़ाई लंबी हो जाए तो आर्थिक ताकत ही काम आती है। चीन के साथ मित्रता रखते हुए हमें उससे मुकाबले को तैयार भी रहना है। जब तक हम आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हो जाते, उसके उकसावे में नहीं आना है। हमारा मीडिया और जनता पाकिस्तान को जितना महत्व देते हैं और उससे बेहतर होने की खुशी मनाते हैं, उससे बाहर निकलने की जरूरत है। अब हमारा ध्यान सिर्फ चीन पर होना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान भी अब सिर्फ उसका मोहरा भर रह गया है। चीन भारत के खिलाफ बांग्लादेश को भी तैयार कर रहा है। इसके अलावा वो म्यांमार में भी अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। हमें चीन की हरकतों पर कड़ी नजर रखनी होगी क्योंकि वो नहीं चाहता है कि भारत एक बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाए।

देश दुनिया से

शिक्षा व्यवस्था में बदलावों की प्रासंगिकता

भारत की शिक्षा व्यवस्था को काफी लंबे समय से बदलने की मांग होती रहती थी, लेकिन किसी सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उधर वर्तमान सरकार ने अपने वादे को निभाते हुए शिक्षा व्यवस्था में कमियों को दूर करते हुए नई शिक्षा नीति को अंगीकृत किया। भले ही देर से सही लेकिन अपनाया तो गया जिसके लिए पूरा देश आज सरकार को बधाइयां दे रहा है। नई शिक्षा नीति में योग्यात्मक मूल्यांकन की जगह नियमित और रचनात्मक मूल्यांकन का प्रस्ताव है। नई मूल्यांकन प्रणाली अधिक योग्यता पर आधारित है। इससे छात्रों के विकास और सीखने के कौशल में वृद्धि होगी। शिक्षा जब तक संतुलित व व्यावहारिक न हो, तब तक उस शिक्षा का कोई औचित्य नहीं है। कहीं न कहीं भारतीय शिक्षा पद्धति में अव्यावहारिक शिक्षा व असंतुलित शिक्षा का बोध होता है, जिसका संतुलन बिठाने के लिए सरकार ने नई शिक्षा नीति को लाया है। यह बात स्पष्ट है कि शिक्षा का मनुष्य के लिए बहुत ही महत्व है। इसकी महता को इस कथन से अधिक समझा जा सकता है- 'विद्याहीन मनुष्य बिना पूंछ व सींग के पशु समान है।' वर्तमान युग आधुनिकता का युग है, जिसमें सभी चीजों का ज्ञान होना आवश्यक है। शिक्षा ही एक ऐसा सशक्त माध्यम है जिससे व्यक्ति अपना संपूर्ण विकास करता है तथा आगामी जीवन के लिए शिक्षण प्राप्त करता है। साथ में किसी भी देश की तकदीर बदलने व वहां के विकास और उत्थान में भी उस देश की शिक्षा नीति का बहुत बड़ा योगदान होता है। कोई भी राष्ट्र अपने सर्वोत्तम विकास के लिए अपनी शिक्षा नीति पर निर्भर रहता है, क्योंकि जैसी शिक्षा नीति होगी, उसके अनुरूप ही वहां की शिक्षा व्यवस्था होती है तथा शिक्षा भी उसी प्रकार की दी जाती है। यानी शिक्षा नीति को सुदृढ़ व सशक्त रूप देना उस देश के विकास मार्ग की गाथा लिखता है। भारत प्राचीन समय से ही शिक्षा व ज्ञान का केन्द्र रहा है, जहां पूरे विश्व से शिक्षा ग्रहण करने लोग आते थे। भारत की शिक्षा पूरे विश्व में प्रचलित थी। भारत को ज्ञान की भूमि कहा जाता था, लेकिन बीच के कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा पद्धति उस प्राचीन शिक्षा पद्धति के अनुरूप आगे नहीं बढ़ पाई। अंग्रेजों ने जबरन अपनी अंग्रेजी शिक्षा भारतीयों पर थोपनी चाही। परिणामस्वरूप लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति 10 जमा 2 जमा 3 को अपनाया गया जिसमें अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया गया लेकिन बुनियादी शिक्षा को दरकिनार किया गया। फलस्वरूप बच्चों में मौलिक शिक्षा का अभाव था, जिसको देखते हुए बहुत पहले से देश की शिक्षा नीति में बदलाव और नई शिक्षा नीति को लागू करने की आवाजें बुलंद की जा रही थीं। इसे देखते हुए देश में 35 साल बाद नई शिक्षा नीति को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दे दी गई, जिसके बाद भारत में आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था में कई बड़े बदलाव देखने को मिलना तय है। सबसे पहले तो इस नई शिक्षा नीति-2020 को समझना आवश्यक हो जाता है कि किस प्रकार की यह नई शिक्षा नीति लागू की गई है जिससे देश में एक सकारात्मक बदलाव आएगा। नई शिक्षा नीति में सबसे पहले तो मैकाले की शिक्षा नीति 10 जमा 2 की जगह अब 5 जमा 3 जमा 3 जमा 4 शिक्षा पद्धति को अपनाया जाएगा जिसके अंतर्गत सबसे पहले बच्चों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी तथा नई शिक्षा नीति के अनुसार प्राथमिक शिक्षा अब स्थानीय क्षेत्रीय भाषा में करवाना अनिवार्य होगा तथा जिस प्रकार पहले अंग्रेजी को थोपा जाता था, अब वैसा नहीं होगा, बल्कि अंग्रेजी को भी अन्य विषयों की तरह एक विषय के रूप में ही पढ़ाया जाएगा। ऐसी व्यवस्था होने से कहीं न कहीं विद्यार्थियों से कुछ बोझ कम होगा तथा बच्चे एक संतुलित शिक्षा हासिल कर पाएंगे। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अब केवल बारहवीं कक्षा में ही बोर्ड की परीक्षाएं होंगी, जबकि दसवीं के बोर्ड को हटा दिया जाएगा तथा नौवीं से बारहवीं तक अब सैमेस्टर सिस्टम के तहत पढ़ाई करवाई जाएगी। यह बात तो हुई स्कूली स्तर में नई शिक्षा नीति के बदलाव की, लेकिन साथ में ही उच्च शिक्षा में भी नई शिक्षा नीति के आने से उच्च शिक्षा का रंग-रूप पूर्ण रूप से बदल जाएगा। अब स्नातक स्तर में स्नातक को तीन अलग भागों में विभक्त किया जाएगा, यानी एक वर्ष, दो वर्ष व तृतीय वर्ष तथा जो हायर एजुकेशन में जाएंगे, उनके लिए चार वर्ष। इस स्तर पर सबसे बड़ा बदलाव देखने को यह मिलेगा कि अब मल्टी एंटरी तथा मल्टी एग्जिट व्यवस्था होगी यानी विद्यार्थी कभी भी अपनी स्नातक छोडक़र कोई दूसरा कोर्स कर सकता है तथा दोबारा फिर वहीं से शुरू भी कर सकता है। साथ में अगर बात स्नातकोत्तर स्तर की करें तो अब एमफिल को हटा दिया जाएगा। अब पीएचडी एमए के बाद सीधे की जा सकेगी। नई शिक्षा नीति के आने से देश के ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक लाभ पहुंचने की उम्मीद है, क्योंकि इस नई शिक्षा नीति में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जिससे साफ है कि आने वाले समय में भारत के शिक्षा जगत में एक नया बदलाव देखने को मिलना तय है तथा यह बदलाव भारत को एक शिक्षित भारत के रूप में परिवर्तित कर देगा। भारत प्राचीन काल से ही शिक्षा व ज्ञान का केन्द्र रहा है।

आप का नजरिया

न्यू नार्मल है बेढंगी बात

आम लोगों को भय से मुक्ति पाने का मंत्र देने वाले कई बाबा जैड प्लस सुरक्षा में छप्पन सुख भोगते हुए दिन-रात झूठ पेलते हैं। उनके चेहरे से टपकती आध्यामिकता की ओवरडोज से यह समझ में ही नहीं आता कि बाबा गुस्से में हैं या दसवां द्वार पार कर चुके हैं। सलवारी बाबा तो उनके झूठ पर सवाल करने वालों को ऑन कैमरा धमकाते हुए पूछ बैठते हैं कि अब क्या मेरी पूंछ पाड़ेगा? जा मैंने बोला था। एब क्या कर लेगा? काश! उनकी पूंछ होती तो न दुनिया उनकी दिव्यता पर कोई संदेह करती और न ही प्रश्न पूछती। लम्बी-लम्बी फैंकने, नैरेटिव घडऩे और झूठ बोलने वालों की समझ में ढंग की बातें नहीं आतीं। वे हर तर्क का जवाब कुतर्क से देते हैं। ढंग की बात को शोर में दबा देना और फिर ज़ोर-शोर से अपनी बेढंगी बात को दुनिया के सामने रखना, अब न्यू नार्मल है। बेढंगी बात करने वाले ख़बरिया चैनलों, अपने लेखों और रैलियों में होने वाले भाषणों में ढंग की बात करने या सवाल पूछने वालों पर देशद्रोही होने का आरोप लगाते हुए कहते हैं कि उनकी बातें देश को समझ में नहीं आती। मशहूर लेखक आईज़ैक असीमोव कहते हैं कि जब मूर्खता देशप्रेम का पर्याय हो जाए तो बुद्धिमान होना ख़तरे को बुलावा देना है। मुझे लगता है कि मूर्खों से बरतने तथा उन्हें सहन करने की कला को ही अब ढंग की बात कहा जा सकता है। ऐसे समाज, देश या विश्व में जहां बेढंगी बात न्यू नार्मल हो, से निबटने की कला सीखने को बुद्धिमानी का पैमाना माना जाना चाहिए। तमाम शैक्षणिक संस्थाओं में बच्चों को इसकी शिक्षा दी जानी चाहिए। विश्व की सरकारें चाहें तो इसके लिए विश्वविद्यालयों में विशेष पीठ गठित कर सकती हैं, एमबीए सरीखे कोर्स या क्रैश कोर्स आरंभ कर सकती हैं। भरे पेट कभी क्रांतियां नहीं करते। लेकिन फिर भी क्रांति की किसी भी संभावना को पूरी समाप्त तरह करने के लिए सरकारें बेढंगी बातों से निबटने के लिए ऐसे कोर्स आरंभ करने पर गंभीरता से विचार तथा प्रयास कर सकती हैं। वजह स्पष्ट है क्योंकि राजनीति में न बेढंगे लोगों का आना रुक सकता है और न उन्हें बेढंगी बातें करने से रोका जा सकता है। पॉलिटिक्स अर्थात राजनीति में अब न राज बचा है और न नीति जैसी कोई बात। शुद्ध व्यापार है राजनीति। राजनीति में बेढंगी बातें करते हुए प्रोपेगेंडा या मिथ्या प्रचार करना अब वैश्विक राजनीति का नया ढंग है। विश्व के हर देश, हर कोने में ऐसे जीनियस बैठे हैं, जिन्हें केवल व्यापार करना है। ऐसे में मुझे लगता है कि पॉलिटिक्स और प्रोपेगेंडा को मिलाकर एक नए शास्त्र और सिद्धांतों की रचना की जा सकती है। इस नए शास्त्र का नाम रखा जा सकता है- पॉलीगैंडा। पर इसके सिद्धांतों की रचना के लिए बेढंगी बात करने वाले महामानवों के चरित्र का गंभीरतापूर्वक गहराई और विस्तार से अध्ययन तथा शोध करने की आवश्यकता होगी। महामानव एक दर्शनीय अवधारणा है। फ्रेडरिक नीत्शे ने सन्-1883 में अपनी किताब 'जऱथुष्ट्र' में महामानव को उस व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया है जो सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और परंपराओं को अस्वीकार करके स्वयं अपने मूल्य बनाता है। वर्तमान महामानवों के चरित्र और कारनामों को देखते हुए लगता है कि वे सामाजिक मूल्यों, मानदंडों और हितों को नहीं, बल्कि अपने स्वार्थों और हितों को ध्यान में रखकर अपने मानदंड, मूल्य और परंपराएं बना रहे हैं। नहीं तो सांप-नेवले की लड़ाई के बाद ट्रंप चचा और मस्क एक साथ मिलकर क्यों हुआ-हू करते, गज़ा में लाखों निरीह लोग क्यों मारे जाते, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र संघ में आतंक विरोधी अभियान का उपाध्यक्ष कैसे चुना जाता, उसे आईएमएफ और एडीबी से खरबों का लोन क्यों मिलता, पिछले दो सालों से अपनी कुरसी बचाने की जुगत में लगा नेतान्याहू गज़ा में लाखों निर्दोष लोगों की हत्या के बाद क्यों बिना किसी उकसावे के ईरान पर हमला कर देता और दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति क्यों किसी मवाली की भाषा बोलते हुए कभी थूकता और कभी उसे चाटता।

> बेढंगी बात करने वाले ख़बरिया चैनलों, अपने लेखों और रैलियों में होने वाले भाषणों में ढंग की बात करने या सवाल पूछने वालों पर देशद्रोही होने का आरोप लगाते हुए कहते हैं कि उनकी बातें देश को समझ में नहीं आती। मशहूर लेखक आईज़ैक असीमोव कहते हैं कि जब मूर्खता देशप्रेम का पर्याय हो जाए तो बुद्धिमान होना ख़तरे को बुलावा देना है। मुझे लगता है कि मूर्खों से बरतने तथा उन्हें सहन करने की कला को ही अब ढंग की बात कहा जा सकता है। ऐसे समाज, देश या विश्व में जहां बेढंगी बात न्यू नार्मल हो, से निबटने की कला सीखने को बुद्धिमानी का पैमाना माना जाना चाहिए।

कुछ अलग

बरसात की बेड़ियां

प्रकृति अपने संतुलन की तलाश में बरसात के गीत गा रही और इधर विकास की छत के नीचे पहाड़ भरभरा रहे। मौसम का एक हल्का सा अलर्ट पता नहीं अपने मंसूबे को कितना विकराल बना देगा और इस पर तुर्रा यह कि सारा सोशल ज्ञान बिन बादल बरसात की तरह खुद ही नहाता रहता है। स्कूल प्रांगण को देखकर समय के अनुरूप छात्रों को रोका गया है, तो यह कदम सतर्कता नहीं एक सुखद पहल है। हिमाचल में बहुत सी गतिविधियां अब रोक दी जाती हैं, फिर भी कई अध्याय बारिश के बीच भीग जाते हैं। खास तौर पर इन दिनों में कुछ परीक्षाओं के आयोजन में करियर की दौड़ लगाई जाती है। रविवार के दिन प्रतियोगी व प्रशासनिक परीक्षा के दौर में ये बूंदें बाढ़ की तरह बरपी हैं और इसका गवाह है परीक्षा भवन की हाजिरी से दूर रहे युवा। यह मुश्किल इसलिए हो जाता है कि कई बार छोटी परीक्षाओं के लिए केंद्र बिखर कर भटक जाते हैं।

दृष्टि कोण

किसान-खाद्य सुरक्षा के विरुद्ध हैं ये सिफारिशें

कुछ दिन पहले नीति आयोग के एक वर्किंग पेपर में भारत सरकार को सिफारिश की है कि वर्तमान में प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में जैव परिवद्र्धित (जीएम) कृषि उत्पादों के आयात को अनुमति दे दी जाए। इसमें नीति आयोग ने मक्का, सोयाबीन जैसी फसलों का उदाहरण भी दिया है, जिनके आयात को खोल दिया जाना चाहिए। वर्किंग पेपर में यह भी राय दी गई है कि सरकार इस समझौते में उन कृषि उत्पादों के आयात को भी खोलने का प्रस्ताव करे जिन्हें भारत में या तो पैदा नहीं किया जाता है या उनका उत्पादन इतना कम है कि उनके आयात से किसानों पर खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस संबंध में वर्किंग पेपर में चावल, काली मिर्च, सोयाबीन तेल, झींगा, चाय, कॉफी, डेयरी उत्पादन, पोल्ट्री, सेब, बादाम, पिस्ता आदि का उदाहरण दिया गया है, जिनके आयात को नीति आयोग ने खोलने की सिफारिश की है। इस वर्किंग पेपर की सिफारिशों के बाद भारतीय किसान संघ सहित किसान संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया आई है और इस संबंध में नीति आयोग की पुरजोर निंदा भी की गई है और यह कहा गया है कि ये सुझाव किसानों के हितों के प्रतिकूल हैं। उदाहरण के लिए भारतीय किसान संघ ने कहा है कि ये सुझाव देश और किसान हितों के खिलाफ हैं। किसान संघ का यह भी कहना है कि नीति आयोग का अमेरिका के सामने घुटने टेकना अच्छा संकेत नहीं है। लेकिन दूसरी ओर यह भी खबर है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं में अवरोध आ गया है क्योंकि सरकार अमेरिका की इस मांग कि भारत, अमेरिका के जीएम कृषि उत्पादों और अन्य कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोले, को मानने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में नीति आयोग का यह वर्किंग पेपर नीति आयोग की सरकार की स्थिति को समझ नहीं पा रहा है। इसका यह भी मतलब हो सकता है कि नीति आयोग सरकार की जीएम विरोधी स्थिति को बदलने हेतु प्रयास कर रहा है। यह दोनों ही स्थितियां देश के लिए शुभ नहीं हैं।

पहले भी नीति आयोग ने की थी जीएम की पैरवी : यह पहला अवसर नहीं है कि जब नीति आयोग ने जीएम फसलों की पैरवी की है। इससे पहले प्रो. अरविंद पनगढिया की अध्यक्षता में भी नीति आयोग ने जीएम फसलों के पक्ष में रिपोर्ट जारी की थी। उस समय भी इसका पुरजोर विरोध हुआ था। क्यों सही नहीं है नीति आयोग की जीएम पैरवी : देश में लंबे समय से जीएम फसलों का विरोध चल रहा है। जीएम के पक्षधरों द्वारा लगातार जीएम के पक्ष में प्रयास किए जाते रहे हैं। लेकिन जीएम के पुरजोर विरोध और ठोस तर्कों के चलते, जीएम समर्थकों को सफलता हाथ नहीं लगी। इनके विरोध के कई कारण हैं- पहला कारण तो यह है कि अधिकांश जीएम फसलें शाकनाशक रोधी यानी हर्बिसाइड टोलरेंट हैं। यानी जब ये फसलें उगाई जाती हैं, तो उसके आसपास के जितने भी शाक हैं, वे सभी शाकनाशकों द्वारा नष्ट किए जा सकते हैं और जीएम फसलों पर असर नहीं पड़ता। लेकिन ऐसे वैज्ञानिक तथ्य मौजूद हैं जो यह साबित करते हैं कि यह शाकनाशक, कैंसरकारी यानी 'कोर्सोनेजेनिक' है। गौरतलब है कि जब इन शाकनाशकों का उपयोग जीएम फसलों के उत्पादन के दौरान किया जाता है तो उसके कुछ अवशेष अवश्य उन कृषि उत्पादों में रह जाते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में प्रति लाख जनसंख्या पर 350 कैंसर के मरीज हैं, जबकि भारत में यह आंकड़ा 100 प्रति लाख का है। इसका एक कारण जीएम फसलों में इस्तेमाल किए जाने वाले शाकनाशकों का अधिक उपयोग भी है। हालांकि भारत में खाद उत्पादों में जीएम बीजों का उपयोग और आयात वर्जित है, लेकिन कुछ समय से खाद्य तेलों की कमी के चलते अमेरिका और अन्य देशों से खाद्य तेलों का आयात बढ़ रहा है, जिनमें से कुछ मात्रा में जीएम खाद्य तेलों का भी आयात अनजाने में हो रहा है। यह बात भारत सरकार ने पहले भी स्वीकार की है। इसके कारण भारत में कैंसर का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। 2000 में जहां मात्र 8 लाख कैंसर मरीज थे, वर्ष 2024 तक उनकी संख्या 15 लाख तक पहुंच चुकी है। जीएम खाद्य तेलों का सेवन भी एक कारण हो सकता है। जीएम फसलों के आयात के विरोध का दूसरा कारण यह है कि वर्तमान में भारत के नियमों के अनुसार देश में जीएम फसलों के उत्पादन और आयात की अनुमति नहीं है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में व्यापारिक साझेदार देशों द्वारा अन्य साझेदार देश के नियमों का आदर करते हुए इस बाबत कोई विवाद नहीं खड़ा किया जा सकता।

ईरान की सेना इजराइली आक्रमण का मुकाबला करने के लिए तैयार

तेहरान, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

ईरान ने कहा है कि उसकी सेना इजराइल के किसी भी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए तैयार है। ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा। विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अपने वेनेजुएला के समकक्ष इवान गिल पिंटो को फोन पर बातचीत में अपने रुख से अवगत कराया। ईरान सरकार के इस्लामिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की न्यूज एजेंसी मेहर की खबर के अनुसार, अराघची ने इवान गिल पिंटो से ईरान के खिलाफ इजराइली शासन और अमेरिका के सैन्य आक्रमण के बाद पश्चिम एशिया क्षेत्र के नए घटनाक्रम पर चर्चा की। शीर्ष ईरानी राजनयिक ने इजराइल और अमेरिकी सैन्य आक्रमण की निंदा करने के लिए वेनेजुएला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। अराघची ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने आक्रमण में संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और नियमों का उल्लंघन किया है। वेनेजुएला के विदेशमंत्री ने इस बातचीत में इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई, ईरान सरकार और लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक मित्र देश के रूप में वेनेजुएला हमेशा इस्लामी गणराज्य ईरान के साथ खड़ा रहेगा। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर से संबद्ध ईरान की सरकारी संवाद समिति तस्नीम न्यूज की खबर के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ ने चेतावनी दी कि देश के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा। संसद के अध्यक्ष कलीबाफ ने ईरान के शहीदों की याद में आयोजित समारोह में कहा कि ईरान किसी भी तरह की आक्रामकता के खिलाफ सदैव खड़ा रहेगा और अपनी धरती का एक हिस्सा भी छीने जाने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा, हम किसी भी तरह की आक्रामकता का जवाब देंगे। हमने हमेशा आक्रामकता और हमलों का सामना किया है। हमने सबसे बड़ा और विनाशकारी जवाब दिया है।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया में बाली के पास नौका डूबी तीन की मौत, 58 लापता

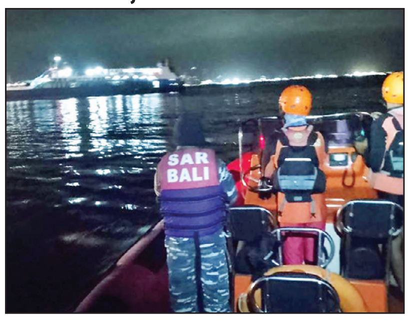

जकार्ता। इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली के पास एक नौका के डूब जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और 58 अन्य लापता हो गए। खोज और बचाव दल लापता यात्रियों की तलाश कर रहा है। दल ने चार लोगों को बचा लिया है। खबर के अनुसार, यह नौका दुर्घटना बुधवार को आधी रात से कुछ पहले हुई। एक वरिष्ठ बचाव अधिकारी ने सुबह इसकी पुष्टि की। बाली में खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख आई न्योमन सिदकार्या के अनुसार, यह नौका बाली और पूर्वी जावा प्रांत के बीच समुद्री सीमा पर ऊंची लहरों से टकराकर डूब गई। उन्होंने कहा कि तीन लोगों की मौत हो गई। चार अन्य को जीवित बचा लिया गया। यह नौका पूर्वी जावा के बन्युवांगी रीजेंसी के एक बंदरगाह से रवाना हुई थी। नौका बाली के जेम्ब्राना रीजेंसी के गिलिमनुक गांव के एक बंदरगाह के रास्ते पर थी, अचानक उठी ऊंची लहरों के दौरान पलट गई। खोज और बचाव अभियान चल रहा है। इस अभियान में बाली और पूर्वी जावा दोनों की टीमें शामिल हैं। हादसे के समय नौका पर 53 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे।

न्यू जर्सी में स्काईडाइविंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, 15 घायल

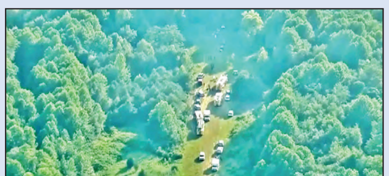

ट्रेंटन (न्यू जर्सी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर स्थित प्रांत न्यू जर्सी के विलियम्सटाउन में एक हवाई अड्डे के पास हुई स्काईडाइविंग विमान दुर्घटना में 15 लोग घायल हो गए। यह विमान हादसा टुकाहो रोड पर घने जंगल में हुआ। द मिरर यूएस अखबार की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि यह स्काईडाइविंग विमान बुधवार शाम क्रॉस कीज हवाई अड्डे के पास जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 15 लोग सवार थे। घायलों को कैमडेन के एक अस्पताल में पहुंचाया गया। ग्लूसेस्टर काउंटी आपातकालीन प्रबंधन कार्यालय ने फेसबुक पोस्ट में इस दुर्घटना की पुष्टि की। उल्लेखनीय है, इससे पहले रविवार को ओहियो हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से छह लोगों की मौत हो गई। यह हादसा यंगस्टाउन-वॉरेन क्षेत्रीय हवाई अड्डे के निकट हुआ। मृतकों में एक परिवार के चार वयस्क सदस्य, पायलट और सह पायलट शामिल हैं। हताहत परिवार के चारों सदस्य यंगस्टाउन-वॉरेन क्षेत्र में स्टील निर्माण संयंत्र का मालिक बताए गए है। मृतकों की पहचान पायलट जोसेफ मैक्सिन (63), सह पायलट टिमोथी ब्लेक (55), यात्री वेरोनिका वेलर (68), उनके पति जेम्स वेलर (67), उनके बेटे जॉन वेलर (36) और उनकी पत्नी मारिया वेलर (34) के रूप में हुई है।

फ्लाइट में क्रू मेंबर्स बनाते हैं शारीरिक संबंध, एयर होस्टेस ने खोले राज

वॉशिंगटन। हवाई जहाज में पायलट से लेकर फ्लाइट अटेंडेंट तक के लिए नियम सख्त होते हैं। यात्री फ्लाइट

में शारीरिक संबंध बनाने के बारे में यह नियम और भी सख्त होते हैं। इसके बावजूद फ्लाइट में ही क्रू मेंबर्स शारीरिक संबंध बनाते हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि कॉकपिट जैसी जगह में ये काम होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक एयर होस्टेस ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने दावा किया कि कैप्टन और केबिन क्रू के सदस्य 30000 फुट की ऊंचाई पर कॉकपिट में सामूहिक संबंध बनाते हैं। जब यात्री आराम कर रहे होते हैं तब कॉकपिट में होता है माइल हाई क्लब रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट में शारीरिक संबंध को माइल हाई कहा जाता है। सीनियर एयर होस्टेस ने वीडियो में बताया कि जब यात्री सीटों पर आराम कर रहे होते हैं, उसी दौरान पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट माइल हाई क्लब में शामिल होते हैं। एनएसएफडब्ल्यू ने बताया कि इसलिए फ्लाइट डेक में कम से कम दो पायलट होते हैं और उड़ान के दौरान हर समय फ्लाइट डेक में कम से कम दो लोग होने चाहिए। एयर होस्टेस ने नियमों के बारे में बताया कि अगर पायलट को भूख या पेशाब लगती है तो उसे फ्लाइट डेक से बाहर आना पड़ता है। इस दौरान उसकी जगह पर फ्लाइट अटेंडेंट बैठता है। इस तरह से माइल हाई क्लब की योजनाएं शुरू होती हैं। कई एयर होस्टेस फ्लाइट में शारीरिक संबंध बनाने को घिनौना मानती हैं, लेकिन उसने कहा कि वह ऐसा नहीं सोचती हैं।

मिस्त्र ने लगाई अमेरिका से गुहार तुर्की को समुद्री डील करने से रोके

इस विवाद की जड़ तेल जो इस समुद्र में मिलने के हैं आसार

काहिरा, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की हरकत से पड़ोसी देश टेंशन में आ गए हैं। इसको लेकर मिस्त्र ने अमेरिका से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मिस्त्र ने कहा है कि वह लीबिया की पूर्वी इलाके की संसद को तुर्की के साथ समुद्री डील को मंजूरी देने से रोके। मिस्त्र ने चेतावनी दी है कि अगर इस डील को मंजूरी मिलती है तो इससे भूमध्य सागर में तनाव पैदा हो सकता है। वह भी तब जब इस इलाके में गाजा और सूडान युद्ध चल रहा है। इस डील को पहले साल 2019 में लीबिया की प्रतिद्वंदी पश्चिमी सरकार ने किया था लेकिन पूर्वी सरकार की संसद इसे मंजूरी देना चाहती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक मिस्त्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाट्टी ने इस पूरे मुद्दे को अफ्रीका के लिए वरिष्ठ एडवाइजर मसाद बोउलोस के साथ उठाया है। मिस्त्र के विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका की ओर से आश्वासन मिला है कि वह पूर्वी लीबिया के शासक खलीफा हफ्तार से इस मुद्दे पर बातचीत करेगा। पूर्वी लीबिया की संसद अगर इसे मंजूरी देती है तो तुर्की का पूर्वी भूमध्य सागर के एक बड़े विशेष आर्थिक क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा। लीबिया की पूर्वी संसद तोबरुक में है जो खलीफा हफ्तार के कब्जे में है।

बता दें खलीफा हफ्तार को साल 2011 से ही यूएई, अमेरिका, मिस्त्र, फ्रांस और रूस से समय-समय पर समर्थन मिलता रहा है। 81 साल के हफ्तार ने पूर्वी लीबिया के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया था। साल 2019 में हफ्तार ने लीबिया में संयुक्त राष्ट्र की मान्यता वाली सरकार को गिराने की कोशिश की लेकिन वह फेल रहे। उस समय संयुक्त राष्ट्र के मान्यता वाली सरकार को तुर्की का पूरा सपोर्ट था और उसने अंकारा के साथ एक समुद्री डील की थी जिसका भारत समेत ग्रीस और अन्य देशों ने विरोध किया था। वहीं ग्रीस ने इस डील का जवाब देने के लिए मिस्त्र के साथ एक डील की थी। लीबिया की पूर्वी संसद ने शुरू में तुर्की के साथ डील का विरोध किया था लेकिन हाल के महीनों में ग्रीस और मिस्त्र के काफी मनाने के बाद भी हफ्तार अब तुर्की के साथ डील करने को तैयार हैं। इस घटनाक्रम को देखते हुए अब ग्रीस के विदेश मंत्री भी मिस्त्र की यात्रा पर जाने वाले हैं। मिस्त्र समुद्री विवाद में यथास्थिति में बदलाव से चिंतित है। जून में लीबिया की तेल कंपनी ने तुर्की के साथ समुद्र के अंदर सर्वेक्षण करने के लिए एक डील की थी। इस पूरे विवाद की जड़ तेल है जो इस समुद्र में काफी मिलने के आसार हैं। तुर्की हफ्तार को अपने पाले में लाने के लिए हथियार, भाड़े के सिपाही और अपने सैनिकों को भेजा था और उसे खुश करके अब मिस्त्र और ग्रीस के लिए समस्या बढ़ा रहा है। हफ्तार का बेटा सद्दाम तुर्की के साथ सैन्य रिश्ते मजबूत कर रहा है जिससे मिस्त्र भड़का हुआ है।

रूस से दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, जयशंकर ने कहा....समय आने पर फैसला लिया जाएगा

वाशिंगटन। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह मामला सामने आएगा। दरअसल जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जो कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने कहा, इसतरह के घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वहीं सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक लेकर आए है। विधेयक पेश कर उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेकर आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70 प्रतिशत तेल खरीद रहे हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे देश को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तब इस पर फैसला लिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है।

प्रधानमंत्री ओली को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, पिछले कार्यकाल की सभी संवैधानिक नियुक्तियां वैध करार

काठमांडू, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की चार साल पहले की गईं 52 संवैधानिक नियुक्तियों को सुप्रीम कोर्ट ने वैध करार देते हुए उन्हें बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने 3-2 के बहुमत से फैसला सुनाया। प्रधानमंत्री ओली के पिछले कार्यकाल में संसद के विघटन के बाद भी देश के सभी महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्ति की गई थीं।

इसके लिए अध्यादेश लाते हुए संवैधानिक परिषद के बैठकों की नियमावली बदली गई थी। ओली के इस फैसले के खिलाफ में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायक करते हुए नियुक्तियों को रद्द करने की मांग की गई थी।

चार साल तक सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच में इसकी सुनवाई हुई। करीब 14 घंटे की लगातार बैठक के बाद मध्यरात करीब सवा 12 बजे सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने फैसले में सभी 52 नियुक्तियों को वैध करार दिया। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत, न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज शर्मा, कुमार चुड़ाल और नहकूल सुवेदी ने फैसला सुनाया।

प्रधान न्यायाधीश राउत ने कहा कि उनके सहित एक और जज नहकूल सुवेदी ने इन सभी नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला किया है। लेकिन बाकी तीन जजों द्वारा इसको वैध करार देने का फैसला करने से बहुमत से इसे वैध रहने का फैसला किया गया है। वरिष्ठ न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल ने कहा कि नियुक्ति के चार साल बाद जब उनके से कुछ पदाधिकारी रिटायर्ड भी हो चुके हैं उनकी नियुक्ति को अवैध घोषित करना व्यावहारिक रूप से ठीक नहीं है।

मनीला में आग

मनीला में आग से जले अपने घरों में बचे हुए सामान की तलाश करते हुए लोग।

कैलिफोर्निया के पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद लगी आग, सात व्यक्ति लापता

सैक्रामेंटो, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के योलो काउंटी में मंगलवार को एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट के बाद आग लग गई। इस गोदाम में आतिशबाजी की सामग्री और उपकरण रखे हुए थे। देखते ही देखते यह आग लगभग 80 एकड़ में फैल गई। विस्फोट के समय गोदाम में मौजूद रहे लोगों में सात अभी तक लापता हैं।

यह गोदाम सेक्रामेंटो के उत्तर-पश्चिम में एस्पार्टो क्षेत्र में है। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल के जवान शाम करीब 5:50 बजे पहुंचे। तब रुक-रुक कर विस्फोट हो रहे थे और आग की लपटों से कई इमारतें घिरी हुई थीं। एस्पार्टो फायर प्रोटेक्शन डिस्ट्रिक्ट के प्रमुख कर्टिस लॉरेंस ने बताया कि हेलीकॉप्टर से बनाए गए वीडियो में गोदाम में आग लगने से पहले छत से सफेद धुआं निकलता दिखाई दिया।

फायर मार्शल के कार्यालय के अनुसार, बुधवार को जोखिम कुछ कम हुआ है। इसलिए निकासी आदेश जारी किए गए हैं। खतरों का आकलन करने के लिए घटनास्थल के आसपास अधिकारियों की टीम मौजूद है। आग लगने के बाद घर छोड़कर भागे निवासियों की वापसी के प्रयास किए जा रहे हैं। एस्पार्टो फायर चीफ लॉरेंस के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि संपत्ति का मालिक पायरोटेक्निक लाइसेंसधारक है। आतिशबाजी कंपनी डेवास्टेटिंग पायरोटेक्निक्स ने बुधवार को अपनी वेबसाइट पर कहा कि प्रबंधन को प्रभावित लोगों की चिंता है। कंपनी जांच में पूरा सहयोग कर रही है। योलो काउंटी के बड़े इलाके में बिजली गुल है। इससे सैकड़ों लोग प्रभावित हैं। गोदाम में हुए विस्फोट के दौरान कम से कम दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि वे लापता लोगों की तलाश के लिए इमारत में दोबारा नहीं गए हैं। विस्फोट और आग लगने के बाद कई इमारत मलबे में बदल गई हैं। ड्रोन के जरिये क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया गया है।

माली में सात शहरों पर आतंकी हमला, तीन भारतीयों का अपहरण, केंद्र सरकार ने चिंता जताई, अल कायदा पर शक

बमाको, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

अफ्रीकी देश माली में तीन भारतीय नागरिकों को अगवा कर लिया गया है। केंद्र सरकार ने इस पर गहरी चिंता जताई है। केंद्र ने माली सरकार से संपर्क कर तीनों भारतीय नागरिकों की जल्द से जल्द रिहाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है। भारत के विदेश मंत्रालय की कल देररात जारी विज्ञप्ति में कहा कि यह घटना 01 जुलाई की है।

अपहरण का यह वाकया उस समय हुआ जब आतंकवादी समूह अल कायदा से संबद्ध एक जिहादी समूह के आतंकवादियों ने माली के सात प्रमुख शहरों पर एक साथ हमला किया। इसलिए शक की सूई अल कायदा पर ठहर रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, माली गणराज्य के कायेस में डायमंड सीमेंट फैक्टरी में कार्यरत तीन भारतीय नागरिकों को अपहृत कर लिया गया है। हथियारबंद हमलावरों के एक समूह ने फैक्टरी परिसर में हमलाकर तीन भारतीय नागरिकों को जबरन बंधक बना लिया। केंद्र सरकार के संज्ञान में आया है कि पश्चिमी और मध्य माली के कई स्थानों पर कई सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों पर पर भी आतंकवादियों ने हमला किया है। विज्ञप्ति के अनुसार, बमाको में भारतीय दूतावास माली सरकार के संबंधित अधिकारियों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और डायमंड सीमेंट फैक्टरी के प्रबंधन के साथ संपर्क में है। भारतीय मिशन अपहृत भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों के साथ भी संपर्क में है। केंद्र सरकार ने माली गणराज्य की सरकार से अपहृत भारतीय नागरिकों की सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया है। माली के ले मोन्डे अखबार की खबर के अनुसार, इस्लाम और मुसलमानों के समर्थनकारी आतंकी समूह ने पहली जुलाई की सुबह माली की क्षेत्रीय राजधानी कायेस सहित सात शहरों पर हमला किया। सेनेगल की सीमा से लगा यह क्षेत्र माली की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। अल-कायदा के सहेलियन के आतंकियों ने नियोनो, मोलोदो, सैंडारे, नियोरो डु साहेल, डिबोली, गोगुई, कायेस में कहर बरपाया। माली के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने मंगलवार सुबह बयान में हमलों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दुश्मन ने रक्षा प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया। इस दौरान 80 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया है। माली सशस्त्र बलों के प्रवक्ता कर्नल मेजर सौलेमेन डेम्बेले ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर कहा कि दुश्मन ने एक साथ हमलाकर चौंका दिया। सशस्त्र बलों ने माकूल जवाब दिया। अल कायदा से संबद्ध माली के इयाद अग गली के नेतृत्व वाले जिहादी समूह ने दावा किया कि उसने तीन दुश्मन बैरकों और दर्जनों सैन्य ठिकानों पर पूरा नियंत्रण कर लिया है।

फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को स्वदेश लौटने को कहा

मुंबई, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत में कारोबार फैलाने की अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल की योजना को करारा झटका लगा है। इसका कारण ये हैं कि फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में आईफोन संयंत्रों में काम करने वाले चीन के इंजीनियरों को स्वदेश लौट जाने के लिए कहा है। फॉक्सकॉन के कदम से 'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती है। एप्पल सितंबर मध्य तक 'आईफोन 17' बाजार में पेश करना चाह रही है।

'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती

सूत्रों का कहना है कि संभवतः चीन सरकार के निर्देश के बाद फॉक्सकॉन ने फैसला लिया होगा। चीन सरकार भारत में 'आईफोन17' जैसे नए फोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली स्मार्टफोन मशीन के आयात की मंजूरी देने में पहले से ही आनाकानी कर रही है। इन दोनों कारणों से भारत में आईफोन बनाने के लिए जरूरी प्रशिक्षण कार्यों पर भी असर हो सकता है। इसके साथ चीन से विनिर्माण तकनीक के हस्तांतरण की प्रक्रिया को भी झटका लगेगा है और उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। दिलचस्प बात है कि फॉक्सकॉन ने 15 जुलाई तक भारत में 1,000 नए कर्मचारियों की भर्ती की योजना तैयार रखी थी।

सूत्र ने कहा कि इन नई भर्तियों के साथ इसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 40,000 तक पहुंच जाती। सूत्रों ने खुलासा किया कि फॉक्सकॉन चीनी तकनीकी विशेषज्ञों की जगह वियतनाम के इंजीनियरों को नियुक्त कर सकती है। अपने इंजीनियरों को वापस बुलाने के चीन सरकार के कदम के पीछे उसकी संरक्षणवादी मानसिकता है। वहां की सरकार भारत को तकनीक हस्तांतरण एवं उपकरणों के निर्यात में भी अड़ंगा लगा रही है। फॉक्सकॉन के कदम पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें इससे कोई खास दिक्कत होती नहीं दिख रही है।

न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के सचिव नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह एपी दास जोशी को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का सचिव नियुक्त किया है। कार्मिक मंत्रालय के जारी आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में सचिव के रूप में एपी दास जोशी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। असम-मेघालय काडर के 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी जोशी वर्तमान में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) में अतिरिक्त सचिव हैं। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण सचिव संजीव चोपड़ा इस वर्ष 31 मई को सुब्रत गुप्ता के सेवानिवृत्त होने के बाद से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं।

मॉयल ने जून में रिकॉर्ड 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का किया उत्पादन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल लिमिटेड ने जून महीने में 1.68 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2 फीसदी अधिक है। कंपनी ने अपनी स्थापना के बाद से रिकॉर्ड तिमाही उत्पादन दर्ज किया है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) की अवधि के दौरान मॉयल लिमिटेड का 5.02 लाख टन का अबतक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही उत्पादन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.8 फीसदी अधिक है। इसके अलावा 34,900 मीटर की अबतक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम तिमाही अन्वेषीकोर ड्रिलिंग है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16.2 फीसदी अधिक है। मॉयल लिमिटेड के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक अजित कुमार सक्सेना ने कंपनी के परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शानदार प्रदर्शन कंपनी की मजबूत बुनियाद और निरंतर विकास की संभावनाओं को दर्शाता है। मैंगनीज अयस्क का खनन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की मॉयल लिमिटेड भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन एक मिनीरत्न कंपनी है।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

नई दिल्ली। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। यह जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करेगा। मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी है। एफएलसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन बेहतर होगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर यानी करीब 8.5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के बाद मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र का कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,227.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 190.24 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की छलांग लगा कर 20,393.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,556.07 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,774.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.98 प्रतिशत उछल कर 7,738.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 116.82 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,790.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आम तौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 250.79 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,970.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत फिसल कर 4,005.31 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,543.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,807.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में अच्छी तेजी नजर आ रही है।

ईटीएफ में पांच सालों में हुई पांच गुना बढ़ोतरी, निवेशकों की बनी पसंद

नई दिल्ली। भारत में एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स ने पिछले पांच सालों में रफ्तार पकड़ ली है। मार्च 2025 तक इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट पांच गुना से बढ़कर 8.38 लाख करोड़ हो गया है, जो मार्च 2020 में मात्र 1.52 लाख करोड़ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईटीएफ अब कुल म्युचुअल फंड एयूएम का 13 फीसदी हिस्सा बन चुके हैं, जबकि 2020 में यह हिस्सा 7 फीसदी ही था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में न केवल निवेश की राशि बढ़ी है, बल्कि स्कीम्स की संख्या भी तीन गुना हो गई। 2022 में सिल्वर-समर्थित कमोडिटी ईटीएफ के आगमन ने निवेशकों को और ज्यादा विकल्प दिए हैं। मार्च 2020 में जहां ईटीएफ में रिटेल निवेशकों की एयूएम सिर्फ 5,335 करोड़ थी, वहीं मार्च 2025 तक यह बढ़कर 17,800 करोड़ से ज्यादा हो गई है। वहीं रिटेल फोलियो की संख्या 23.22 लाख से उछलकर 2.63 करोड़ पर पहुंच गई यानी दस गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। ज़ेरोधा के सीईओ का मानना है कि यह रुझान भारतीय ईटीएफ सेक्टर की परिपक्वता का संकेत है। ईटीएफ में ट्रेडिंग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2019-20 में ईटीएफ ट्रेडिंग वॉल्यूम 51,101 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर 3.83 लाख करोड़ हो गया यानी सात गुना से ज्यादा इसमें बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ पिछले एक साल में ही ट्रेडिंग वॉल्यूम दोगुना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल ईटीएफ निवेश का औसतन 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी आधारित ईटीएफ में है, जो दर्शाता है कि शेयर बाजार में हिस्सेदारी के लिए यह उत्पाद तेजी से निवेशकों की पसंद बन रहा है।

पतंजलि के खिलाफ डॉबर इंडिया को मिली राहत, भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने डाबर इंडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ किसी भी तरह के भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है।

दरअसल डाबर इंडिया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि पतंजलि अपने टीवी विज्ञापनों के जरिए डाबर च्यवनप्राश को बदनाम कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही है। डाबर इंडिया का आरोप है कि पतंजलि ने डाबर के उत्पाद को साधारण बताकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की। इसके अलावा, पतंजलि के विज्ञापन में इस बात का दावा किया गया कि उनका च्यवनप्राश 51 से अधिक जड़ी-बूटियों से बना है, जबकि डाबर के अनुसार इसमें केवल 47 जड़ी-बूटियां हैं। इस पर डाबर ने आरोप लगाया कि पतंजलि के उत्पाद में पारा मिला हैं, जो बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है।

डाबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने बताया कि पतंजलि ने भ्रामक और गलत दावा कर यह जताने की कोशिश की कि वहीं एकमात्र असली आयुर्वेदिक च्यवनप्राश बनाता है, जबकि डाबर जैसे पुराने ब्रांड को साधारण साबित करने में लगा है। वहीं पतंजलि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने सभी आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद में सभी जड़ी-बूटियां आयुर्वेदिक मानकों के अनुसार हैं और उत्पाद पूरी तरह से मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है।

बात दें कि डाबर ने बताया कि च्यवनप्राश के बाजार में उसकी 61.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है और पतंजलि का इस तरह का प्रचार एक प्रतिस्पर्धी रणनीति है जो उसके ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा की अध्यक्षता वाली पीठ ने डाबर इंडिया को महत्वपूर्ण अंतरिम राहत प्रदान की है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को तय की गई है।

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी फिर 9 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने वैश्विक कार्यबल के 4 फीसदी यानी कि करीब 9000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। यह 2023 के बाद कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी होगी। जून 2024 तक माइक्रोसॉफ्ट में करीब 2,28,000 कर्मचारी काम कर रहे थे। इस नई छंटनी की पुष्टि के लिए कंपनी ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट में एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विशेष रूप से बिक्री विभाग में हजारों कर्मचारियों हटाने की योजना बना रही है। इससे पहले मई 2025 में भी कंपनी ने करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था। माइक्रोसॉफ्ट अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जो इस तरह के फैसले ले रही है। अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों ने आर्थिक अनिश्चितता और संचालन लागत में कटौती के चलते 2025 में छंटनियां की थी।

अगर करदाता ने छुपाई आय.....आयकर विभाग लगा देगा 200 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

आय के स्रोत नहीं बताता या गलत तरीके से टैक्स छूट का दावा करता है, तब उस करदाता को भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। चाहे यह गलती अनजाने में हो या जानबूझकर हुई हो, आयकर विभाग के पास गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए मजबूत सिस्टम और सख्त दंड लगाने या मुकदमा चलाने का कानूनी प्रावधान मौजूद है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि कानून क्या कहता है और करदाताओं को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सीए के अनुसार, आयकर अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत जुर्माना इसपर निर्भर करता है कि गड़बड़ी किस प्रकार की है। यदि करदाता ने अपनी आय कम दिखाई है, तब कारदातों को उस अतिरिक्त आय पर देय टैक्स का 50 प्रतिशत जुर्माने के रूप में देना पड़ सकता है।

यदि कोई करदाता जानबूझकर गलत जानकारी देता है, जैसे फर्जी बिल या झूठे दावे करता है, तब उस आय पर देय टैक्स का 200 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है। आय छिपाने के मामले में यह प्रावधान पुराने असेसमेंट वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से पहले) के लिए लागू होता है। इसमें बचाए गए टैक्स का 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि कोई निवेश स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया है, तब उस पर 60 प्रतिशत टैक्स, सर्चार्ज और सेस के साथ-साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाता है।

इतना ही नहीं अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर टैक्स चोरी करता है, तब उस पर मुकदमा चल सकता है। इसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा हो सकती है, खासकर तब जब चोरी की गई टैक्स राशि 25 लाख से अधिक हो। इसके अलावा धारा 234ए, 234बीऔर 234सी के तहत भी ब्याज जुर्माना लगता है, जो कि टैक्स रिटर्न देर से भरने, टैक्स की कम अदायगी या अग्रिम कर समय पर नहीं देने के मामलों में लागू होता है।

अडाणी ग्रुप 'एक कारोबार, एक कंपनी' की बना रहा रणनीति

एक छत के नीचे लाएगा सभी सीमेंट कंपनियों को, अल्ट्राटेक को देगा टक्कर

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

अडाणी समूह ने 'एक कारोबार, एक कंपनी' रणनीति के तहत अपने सभी सीमेंट कारोबार को एक ही कंपनी के तहत एकीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके जरिये कंपनी अपने सीमेंट कारोबार को सुचारु एवं व्यवस्थित करना चाहती है जहां अंबुजा और एसीसी दोनों प्रमुख ब्रांड मौजूद हों।

समूह ने इस एकीकरण योजना के तहत हाल में अधिग्रहीत अपनी दो कंपनियों सांघी इंडस्ट्रीज और पेन्ना सीमेंट को अंबुजा सीमेंट्स में विलय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट में इस मामले को जानने वालों ने बताया कि यह प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। समूह ने मूल ब्रांड के तौर पर 'अडानी सीमेंट' बढ़ावा देने की योजना बनाई है। उसने ब्रांड जागरूकता की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर में सीके बिड़ला ग्रुप से अधिग्रहित ओरियंट सीमेंट अब अडानी सीमेंट के तहत एक विनिर्माण इकाई के तौर पर काम करेगी। अधिकारियों ने कहा कि विरासती ब्रांड और मूल्य निर्धारण में अंतर के बावजूद मात्रात्मक लिहाज से ओरियंट सीमेंट को बिना कोई नुकसान पहुंचाए आसानी से एकीकृत किया जा चुका है। ओरियंट सीमेंट के करीब 60 फीसदी डीलरों ने अंबुजा और एसीसी उत्पादों का स्टॉक रखना पहले ही शुरू कर दिया है। इससे जमीनी स्तर पर ब्रांड एकीकरण का संकेत मिलता है। इस रणनीति का उद्देश्य परिचालन को सरल बनाते हुए लागत को घटाना और बाजारों में ब्रांडों की मौजूदगी को बेहतर करना है। पिछले एक साल में कई आक्रामक अधिग्रहण करने के बाद अडानी ग्रुप ने सीमेंट क्षेत्र में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पहल की है।

कई सीमेंट इकाइयों के विलय के बाद सुदृढ़ीकरण की भी योजना है। इसके तहत अंबुजा सीमेंट्स अपनी सहायक कंपनी एसीसी के साथ विलय पर गंभीरता से विचार कर सकती है। करीब 14 करोड़ टन क्षमता वाली अडानी ग्रुप की सभी सीमेंट परिसंपत्तियां एक ही छत के नीचे आ जाएंगी। इससे उद्योग की अग्रणी कंपनी अल्ट्राटेक को टक्कर देने में मदद मिलेगी। बता दें अडानी ग्रुप फिलहाल देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। उसने सालाना 20 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। इसके तहत वह 2030 तक 20 करोड़ टन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रख रही है। अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 2.5 फीसदी बढ़त के साथ 594 रुपए पर बंद हुआ जिससे उसका कुल बाजार मूल्यांकन 1.46 लाख करोड़ रहा।

सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप : पहले दिन हिमाचल असम, मणिपुर, कर्नाटक और गुजरात की धमाकेदार शुरुआत

रांची,03 जुलाई (एजेंसियां) ।

मारांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शुरू हुई 15वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के पहले दिन खिलाड़ियों का जोश और प्रदर्शन देखने लायक रहा। पहले दिन कुल छह मुकाबले खेले गए, जिनमें से पांच में जीत दर्ज की गई जबकि एक मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

डिवीजन सी के मुकाबले:

दिन की शुरुआत धमाकेदार रही, जब हॉकी हिमाचल ने हॉकी राजस्थान को 7-0 से करारी शिकस्त दी। नवनीत कौर (17', 37', 55') ने शानदार हैट्रिक लगाई, वहीं रिया (9', 57') ने दो गोल दागे। इसके अलावा पलक चौधरी (28') और सोनम (31') ने भी गोल कर टीम को बड़ी जीत दिलाई। दूसरे मुकाबले में असम हॉकी ने गोवा हॉकी को 7-1 से हराया। रितिका टिग्गा (3', 44', 48') और जोशना एक्का (32', 49', 59') ने शानदार हैट्रिक लगाई। तान्या चौरसिया (37') ने भी एक गोल किया। गोवा के लिए कप्तान ऋद्धि हर्तींद्रनाथ हड़फकर (30') ने एकमात्र गोल किया। तीसरे मुकाबले में तेलंगाना हॉकी और जम्मू-कश्मीर हॉकी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला जो 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। जम्मू-कश्मीर के लिए अक्षरा दत्ता (11', 21') ने दो गोल किए, जबकि तेलंगाना के लिए पेंडेला हरिनी चंद्रा (31') और अनु कुमारी (52') ने गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

डिवीजन बी के मुकाबले:

हॉकी कर्नाटक ने केरल हॉकी को 3-1 से हराकर अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। जीविथा एच.एन. (17'), कप्तान पियरलिन पोनम्मा ए.जी. (28') और शिल्पा मडिवालप्पा कनजनावर (39') ने गोल किए। केरल की ओर से शालिनी मुंगमुरी (52') ने एक गोल किया। मणिपुर हॉकी ने दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी को 3-0 से हराकर जीत दर्ज की। सेराम हेंथोई चानू (3'), जरीना चोंगथम (13') और कप्तान देवी मोइरांगथेम प्रिंजा (20') ने गोल किए। दिन के आखिरी मुकाबले में हॉकी गुजरात ने हॉकी बंगाल को 3-0 से हराया। कप्तान आस्था टिंपले (25') ने पहला गोल दागा, जिसके बाद कोमल घाडगे (49') और भावना जाडेजा (54') ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

न्यूज ब्रीफ

शिवाकांत बने बीसीसीआई के मैच रेफरी एसीए ने दी बधाई

प्रयागराज। शहर के वरिष्ठ क्रिकेटर और रेलवे एवं उत्तर प्रदेश के रणजी ट्रॉफी में प्रतिनिधित्व कर चुके

शिवाकांत शुक्ला अब बीसीसीआई के मैच रेफरी बन गये हैं। बीसीसीआई की ओर से 15 जून को अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित परीक्षा में शिवाकांत शुक्ला ने टॉप किया है। यह जानकारी इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक आरपी भटनागर ने देते हुए बताया कि इस परीक्षा में 45 वर्ष से कम आयु वाले पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को भाग लेने की अनुमति दी गई थी। शिवाकांत से पहले प्रयागराज (तब इलाहाबाद) से रोहित प्रकाश भी बीसीसीआई के मैच रेफरी बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की एक बैठक निदेशक ताहिर हसन की अध्यक्षता में हुई। जिसमें आरपी भटनागर, डॉ. सुरेश द्विवेदी, एसडी. कौटिल्य, यासर हसन, डॉ. जूली ओझा, अनुराग श्रीवास्तव, सलीम अहमद, एलबी काला, डॉ. अनूप श्रीवास्तव, सोमेश्वर पांडेय, शिशिर मेहरोत्रा, उत्पल दास, खुर्शीद अहमद, अंकित पांडेय, विवेक सिंह, अजय कुशवाहा, प्रीतेश सोनकर आदि ने शिवाकांत शुक्ला को उनकी नयी पारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

ग्रैंड चेस टूर 2025,ज़ाग्रेबः पहले दिन के बाद गुकेश, कार्लसन,सो और डूडा संयुक्त बढ़त में

ज़ाग्रेब। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर रैपिड 2025 के ज़ाग्रेब चरण की शानदार शुरुआत करते हुए पहले दिन के खेल के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल किया है। तीन राउंड के बाद गुकेश के साथ मैग्नस कार्लसन, वेसली सो और यान-डूडा भी चार-चार अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। भारत के ग्रैंडमास्टर गुकेश की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उन्हें पहले राउंड में पोलैंड के डूडा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए अलीरेज़ा फिरोज़ा और आर. प्रज्ञानानंद को लगातार दो मुकाबलों में पराजित कर महत्वपूर्ण अंक बटोर लिए। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज मैग्नस कार्लसन ने पहले दिन दो मुकाबले ड्रॉ खेले और एक में जीत दर्ज की। उनकी यह जीत दूसरे राउंड में वेसली सो के खिलाफ आई, जिससे उन्होंने भी चार अंक हासिल किए। छठे राउंड में गुकेश और कार्लसन आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला खास इसलिए भी है क्योंकि नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हुए उनके पिछले ऐतिहासिक मुकाबले में गुकेश ने कार्लसन को चौंकाते हुए जीत दर्ज की थी। फैंस को एक बार फिर इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

खेलो इंडिया वाटर गेम्स फेस्टिवल 21 अगस्त से, डल झील में दिखेगा रोमांच

नई दिल्ली। देश में वाटर गेम्स को प्रोत्साहित करने के लिए एक बड़ी पहल के रूप में पहला खेलो इंडिया वाटर

गेम्स फेस्टिवल 21 अगस्त से 23 अगस्त तक श्रीनगर की प्रसिद्ध डल झील की सुंदर वादियों में होगा, जहां देशभर के खिलाड़ी विभिन्न जल क्रीड़ाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य देश में वाटर गेम्स को बढ़ावा देना और युवाओं के बीच इन खेलों की पहुंच और लोकप्रियता को सशक्त करना है। इस आयोजन में देश के 36 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेने की उम्मीद है। तीन दिवसीय इस आयोजन में कुल 5 प्रमुख वाटर गेम्स की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें कायकिंग और केनोइंग (छोटी नौकाओं को चप्पुओं से चलाना), रोइंग (नौकायन), वाटर स्कीइंग (पानी की सतह पर तेज़ी से खींचे जाने वाला खेल), शिकारा दौड़, ड्रैगन नाव दौड़ हैं। इस प्रतियोगिता में खुली आयु वर्ग (ओपन एज कैटेगरी) के खिलाड़ी भाग लेंगे। उनका चयन राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा उनकी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं या अन्य मान्य प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त खेल तकनीकी संचालन समिति भी योग्यता के आधार पर अंतिम निर्णय लेगी। देशभर से आने वाले खिलाड़ियों और दर्शकों की भागीदारी से यह आयोजन न केवल वाटर गेम्स के लिए एक राष्ट्रीय मंच बनेगा, बल्कि इससे कश्मीर घाटी में खेल पर्यटन को भी नया जीवन मिलेगा। खेलो इंडिया वाटर गेम्स फेस्टिवल का यह पहला संस्करण है और भविष्य में इसे देश के अन्य हिस्सों में भी आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है ।

लोनाटो शॉटगन वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्कीट शूटर तैयार, 73 देशों के बीच दिखेगा मुकाबले का रोमांच

नई दिल्ली,03 जुलाई (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग कैलेंडर के चौथे और अंतिम आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप चरण में भारत की स्कीट और ट्रैप शूटिंग टीम अपने अभियान की शुरुआत के लिए तैयार है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 6 से 8 जुलाई तक इटली के लोनाटो स्थित खेल के ऐतिहासिक एम्फीथिएटर 'ट्रैप कॉनकेवर्डे' में आयोजित किया जाएगा। भारत की स्कीट टीम पहले ही लोनाटो पहुंच चुकी है, जहां उन्होंने कोच विक्रम चोपड़ा के नेतृत्व में अनौपचारिक अभ्यास शुरू कर दिया है। वहीं ट्रैप टीम के सदस्य 5 जुलाई को इटली पहुंचेंगे और प्रतियोगिता से पहले अपना आधिकारिक प्रशिक्षण सत्र शनिवार को करेंगे। पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में ओलंपियन मिराज अहमद ख़ान, अंगद वीर सिंह बजवा और अनंतजीत सिंह नरुका भारत की उम्मीदों का नेतृत्व करेंगे। वहीं महिलाओं की स्कीट टीम में महेश्वरी चौहान और रायज़ा ढिल्लों जैसी अनुभवी ओलंपियन के साथ गनेमत सेखों शामिल हैं। कोच विक्रम चोपड़ा ने गुरुवार लोनाटो से जानकारी देते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा,टीम ने तेज़ी से परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लिया है। खिलाड़ियों का उत्साह और समर्पण सराहनीय है। मंगलवार को हमने अनंत का जन्मदिन भी मनाया, जिससे टीम में एकजुटता का भाव और मज़बूत हुआ। ट्रैप स्पर्धा में भारत की अगुवाई पूर्व एशियन गेम्स रजत पदक विजेता लक्ष्य श्योराण करेंगे। उनके साथ अनुभवी ज़ोरावर सिंह संधू और उभरते हुए जसविंदर सिंह मैदान में उतरेंगे। महिलाओं की ओर से नीरू ढांडा, प्रीति रजक और प्रगति दुबे भारतीय चुनौती को मजबूती प्रदान करेंगी। इस साल भारत ने शॉटगन वर्ल्ड कप का एकमात्र पदक निकोसिया में मिश्रित ट्रैप स्पर्धा में जीता था। लोनाटो में भारत की ओर से दो जोड़ियां, लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा, ज़ोरावर सिंह संधू और प्रीति रजक, पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी। 551 से अधिक निशानेबाज लोनाटो वर्ल्ड कप को शॉटगन शूटरों के बीच सबसे लोकप्रिय प्रतियोगिता माना जाता है। इस वर्ष इसमें 73 देशों से कुल 551 निशानेबाजों ने भाग लेने के लिए पंजीकरण किया है। इस आयोजन को विश्व चैंपियनशिप एथेंस से पहले सबसे महत्वपूर्ण अभ्यास अवसर माना जा रहा है।

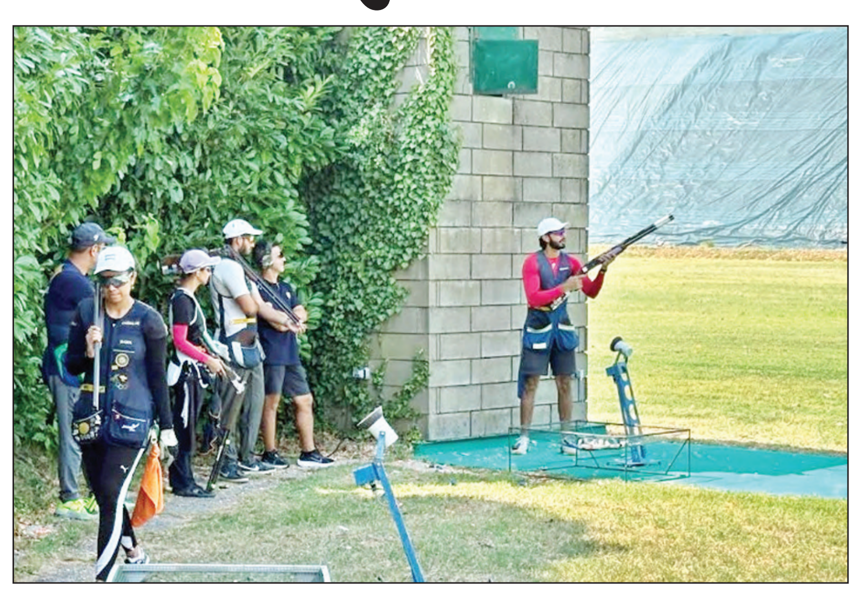

ओलंपियन कोच सुमा शिरूर एसजेएएम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

मुंबई। भारतीय शूटिंग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाली ओलंपियन और पूर्व राष्ट्रीय कोच सुमा शिरूर को इस वर्ष के स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम) लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मुंबई के प्रतिष्ठित बॉम्बे जिमखाना में आयोजित समारोह में विश्व खेल पत्रकार दिवस के मौके पर प्रदान किया गया। भारतीय शूटिंग में अद्वितीय योगदान के लिए वर्ल्ड स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स डे पर मिला सम्मान सुमा शिरूर भारतीय शूटिंग की उन गिनी-चुनी महिलाओं में से हैं, जिन्होंने न केवल ओलंपिक फाइनल में जगह बनाई, बल्कि बाद में बतौर कोच भी भारत को वैश्विक मंच पर गौरव दिलाया। हाल के वर्षों में उन्होंने भारतीय निशानेबाज़ी टीम को पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में ऐतिहासिक सफलता दिलाने में अहम योगदान दिया। उनकी कोचिंग शैली उनकी शांति, अनुशासन, निरंतरता और उत्कृष्टता की खोज से परिभाषित होती है। उनका यह सफर सिर्फ पदकों और रिकॉर्ड तक सीमित नहीं, बल्कि एक पूरे खेल तंत्र को सशक्त करने की कहानी है। गावस्कर की श्रेणी में शामिल हुईं सुमा शिरूर एसजेएएम लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देश के खेल पत्रकारिता समुदाय की ओर से दिया जाने वाला एक अत्यंत प्रतिष्ठित सम्मान है। वर्ष 2016 में यह पुरस्कार क्रिकेट लीजेंड सुनील गावस्कर को मिला था और अब सुमा शिरूर भी इस विशिष्ट श्रेणी में शामिल हो गई हैं, जो उनके योगदान को और भी विशेष बनाता है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए सुमा शिरूर ने कहा, मैं एसजेएएम को दिल से धन्यवाद देती हूं जिन्होंने मुझे इस सम्मान के योग्य समझा। अपने शूटिंग परिवार की प्रिय साथियों दीपाली और अंजलि के साथ यह पुरस्कार साझा करना मेरे लिए गर्व और भावुकता से भरा क्षण है। यह पुरस्कार मुझे प्रेरणा देता है कि मैं भविष्य में भी भारतीय शूटिंग की सेवा करती रहूं।

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में मिली हार पर तस्कीन अहमद ने कहा- हमने दबाव में आकर गलत फैसले लिए

नई दिल्ली,03 जुलाई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में मिली हार पर कहा कि शानदार शुरुआत के बाद टीम ने दबाव में आकर गलत फैसले लिए और मुकाबला गंवा दिया। तस्कीन ने बुधवार को मैच के बाद कहा, मैं उम्मीद कर रहा था कि हम यह मैच पांच से सात ओवर शेष रहते जीत जाएंगे। 16 ओवर में 96 रन पर 1 विकेट था, तो यही लग रहा था कि हम आसानी से जीतेंगे।

हालांकि मैदान पर हालात उलट गए। बांग्लादेश ने सिर्फ 5 रन के भीतर अपने 7 विकेट गंवा दिए। तस्कीन ने स्वीकार किया कि इस पतन की शुरुआत मिलन रथनायके की शानदार फील्डिंग से हुए रनआउट से हुई, जिसमें नजमुल हुसैन शान्तो आउट हुए। इसी ओवर में हसरंगा ने भी एक एल्बीडब्ल्यू विकेट लिया।

तस्कीन ने कहा, वही ओवर मैच का टर्निंग पॉइंट था। हमने बीच के ओवरों में बहुत खराब बल्लेबाज़ी की। 100 रन की तेज़ शुरुआत के बाद 100 पर 2 और फिर 107 पर 8 विकेट हो जाना बहुत भारी पड़ा।

बांग्लादेश की ओर से सबसे अच्छी बल्लेबाज़ी जाकिर अली ने की, जिन्होंने 64 गेंदों में 51 रन बनाए। तस्कीन ने कहा, जब जाकिर सेट हो गए थे, तब बेहतरीन बल्लेबाज़ी कर रहे थे। अगर उनके साथ दो-तीन और बल्लेबाज़ टिके रहते, तो हम यह मैच जीत सकते थे। विकेट उतना खराब नहीं था, जितना हमने खराब खेल दिखाया।

आखिर में तस्कीन ने हार का कारण स्पष्ट रूप से बताया: हमने शुरुआत में बढ़िया खेल दिखाया, लेकिन जैसे ही रनआउट हुआ और तमीम आउट हुए, टीम घबरा गई। हमने अपने नैचुरल गेम से हटकर खेला और दबाव में आकर बिखर गए। यही वजह रही इस हार की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी को मिला...

श्री मोदी ने इस विशेष सम्मान के लिए घाना के लोगों और सरकार को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच मित्रता को और गहरा करता है तथा द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की उन पर नई जिम्मेदारी डालता है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि घाना की उनकी ऐतिहासिक राजकीय यात्रा दोनों देशों के संबंधों को नई गति प्रदान करेगी।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

मोदी त्रिनिदाद ...

भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। अर्जेंटीना लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में एक करीबी सहयोगी है।

श्री मोदी वहां राष्ट्रपति जेवियर माइली के साथ कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्रों सहित पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग पर केंद्रित चर्चा करेंगे। वहां से प्रधानमंत्री ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिये ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो जायेंगे। उनका ब्राजील के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए ब्राजीलिया जाने का भी कार्यक्रम है।

भारत-घाना ...

उन्होंने आर्थिक पुनर्गठन की दिशा में राष्ट्रपति महामा के प्रयासों के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। भारत ने घाना के लिए आईटीईसी और आईसीसीआर छात्रवृत्ति को दोगुना करने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, युवाओं के लिए व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, हम एक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए काम करेंगे। हम राष्ट्रपति महामा के 'फीड घाना' कृषि कार्यक्रम में सहयोग करके खुशी महसूस कर रहे हैं। जन औषधि केंद्रों के माध्यम से, भारत-घाना के नागरिकों को सस्ती और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का प्रस्ताव करता है,

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने वैक्सीन उत्पादन में सहयोग पर भी चर्चा की। उन्होंने कि हम रक्षा और सुरक्षा में 'एकजुटता के माध्यम से सुरक्षा' के मंत्र के साथ आगे बढ़ेंगे। सैन्य प्रशिक्षण, समुद्री सुरक्षा, रक्षा आपूर्ति और साइबर सुरक्षा में सहयोग को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और खनन में सहयोग करेंगी। भारत और घाना पहले से ही अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन जैसे प्लेटफार्मों में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घाना के नवीकरणीय ऊर्जा प्रयासों, विशेष रूप से स्वच्छ रसोई गैस में समर्थन करने के लिए, हमने उन्हें वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हम दोनों ही ग्लोबल साउथ के सदस्य हैं और इसकी प्राथमिकताओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' में घाना की सकारात्मक भागीदारी के लिए उसे धन्यवाद देते हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत को गर्व है कि हमारे जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 में स्थायी सदस्यता प्रदान की गई। दोनों पक्षों ने साहेल क्षेत्र सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने कहा, हम इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है। हम आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में सहयोग के लिए घाना को धन्यवाद देते हैं। हमने आतंकवाद के खिलाफ अपने सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर हमारे विचार एक जैसे हैं। हमने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हमारा मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए किया जाना चाहिए। जीवंत भारतीय समुदाय के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि वे हमारे लोगों के बीच संबंधों में एक विशेष कड़ी हैं। भारतीय शिक्षक, डॉक्टर और इंजीनियर लंबे समय से घाना में सेवा कर रहे हैं और उन्होंने इसकी सामाजिक और आर्थिक प्रगति में सकारात्मक योगदान दिया है। श्री मोदी ने कहा, मैं कल भारतीय समुदाय से मिलने के लिए उत्सुक हूँ।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप भारत के प्रिय मित्र हैं और हमारे देश से अच्छी तरह परिचित हैं। मैं आपको भारत आने का निमंत्रण देता हूँ, और मुझे आशा है कि आप हमें वहाँ आपका स्वागत करने का अवसर देंगे।

इससे पहले अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा, भारत-घाना मैत्री के मूल में हमारे साझा मूल्य, संघर्ष और समावेशी भविष्य के सपने निहित हैं। हमारे देशों के स्वतंत्रता संग्राम ने कई अन्य लोगों को प्रेरित किया है। आज भी, घाना पश्चिम अफ्रीका में एक जीवंत लोकतंत्र और अन्य देशों के लिए 'आशा की किरण' के रूप में खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए घाना के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति महामा प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर उनका स्वागत करने के लिए कोटोका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए थे। श्री मोदी का हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया और 21 तोपों की सलामी दी गई।

दलाई लामा के...

यह वही ट्रस्ट है जिसे दलाई लामा ने 2015 में स्थापित किया था, और अब वही संस्था इस परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में उनका उत्तराधिकारी कोई महिला भी हो सकती है, या वह किसी ऐसे स्थान पर जन्म ले सकता है जो चीन के बाहर हो। इस तरह, उन्होंने यह संकेत दिया कि उत्तराधिकारी के चयन में परंपरा, तिब्बती भावना और व्यक्तिगत इच्छा का सम्मान किया जाएगा- न कि किसी राजनीतिक दबाव का।दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के सबसे ऊंचे आध्यात्मिक पद पर हैं और उन्हें अवलोकितेश्वर (करुणा के बोधिसत्त्व) का अवतार माना जाता है। उनकी पुनर्जन्म की परंपरा सदियों पुरानी है। हर बार नए दलाई लामा को खास धार्मिक प्रक्रियाओं के जरिए खोजा और मान्यता दी जाती है।लेकिन चीन लंबे समय से इस प्रक्रिया को राजनीतिक रूप से नियंत्रित करना चाहता है। चीन पहले भी पंचेन लामा के मामले में ऐसा कर चुका है, जहां उसने खुद से एक उत्तराधिकारी घोषित किया और जिसे अधिकतर तिब्बती मान्यता नहीं देते।

भारत में फिर बैन...

रिपोर्ट्स के अनुसार भारत सरकार ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक के बाद एक बार फिर कड़ा कदम उठाते हुए 18 हजार से अधिक पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर दिया है। हाल ही में मावरा होकेन, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे कई पाकिस्तानी कलाकारों और क्रिकेटरों के सोशल मीडिया प्रोफाइल भारतीय यूजर्स को दिखाई दे रहे थे, लेकिन अब सरकार की नई कार्रवाई के तहत इन सभी के इंस्टाग्राम अकाउंट्स को भारत में दोबारा ब्लॉक कर दिया गया है।

जब कोई भारतीय यूजर पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट को खोलने की कोशिश करता है, तो स्क्रीन पर यह संदेश दिखाई देता है, यह अकाउंट भारत में उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने कानूनी अनुरोध का पालन करते हुए इस कंटेंट को ब्लॉक किया है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इस राजनीतिक और कूटनीतिक टकराव का असर अब सीधे मनोरंजन जगत पर भी पड़ रहा है।

दिल्ली सरकार...

एक नवंबर से जब पड़ोसी राज्यों में ऐसे नियम लगे, तब दिल्ली में भी लगे।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सीएक्यूएम से दिल्ली सरकार ने कहा कि वाहनों को जब्त करने और ईंधन न देने की व्यवस्था तर्क संगत नहीं है। यानि ये पूरी प्रक्रिया लगभग ठंडे बस्ते में चली गई है। दिल्ली सरकार ने कहा कि जब 1 नवंबर को पड़ोसी राज्यों में लागू हो तभी दिल्ली में इसे लागू किया जाए।

युवाओं में ...

मौत हार्ट अटैक से हुई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन मौतों के पीछे कोविड वैक्सीन को लेकर आशंका जाहिर की है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक्स पर लिखा है, हासन ज़िले में हाल ही में 20 से ज्यादा लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई है। यह गंभीर मामला है। क्या यह अचानक हो रही मौतें कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट तो नहीं?

उन्होंने लिखा है,कई इंटरनेशनल रिसर्च से हाल में यह संकेत मिला है कि वैक्सीन हार्ट अटैक का कारण बन सकती है। क्या वैक्सीन को जल्दबाजी में मंजूरी देना इन मौतों की वजह हो सकती है?कोविड 19 वैक्सीन को लेकर सेंट स्टीफ़न अस्पताल के डॉक्टर जैकब पुलियाल की राय भी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अध्ययन से अलग है।

डॉक्टर जैकब पुलियाल कहते हैं,सीधी सी बात है कि भारत में जो वैक्सीन बनाई जा रही है वह मूल रूप से ब्रिटेन से आ रही है। अब जिस कंपनी ने वैक्सीन को बनाया है, वही मान रही है कि इससे दिक्कतें हो सकती हैं तो फिर जो ये जांच की गई है उसके तरीके को समझा जा सकता है।

उन्होंने कहा,केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय किस तरह से जांच करा रहा है। किस वैक्सीन की जांच की जा रही है और उनके जांच का क्या तरीका है। ऐसे में यह कहना कि ब्रिटेन वाली दिक्कत भारत में नहीं हो रही है, यह बातें सभी लोगों के समझ में आती हैं।

कोरोना का टीका बनाने वाली फ़ार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राज़ेनेका ने करीब एक साल पहले इस बात को माना था कि उसके वैक्सीन के 'गंभीर साइड इफेक्ट्स' हो सकते हैं।

कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सीन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस) जैसी स्थिति हो सकती है।

इसके कारण लोगों में रक्त के थक्के बन जाते हैं और रक्त प्लेटलेट की संख्या कम हो जाती है। ऐसे में ब्रेन स्ट्रोक और कार्डियक अरेस्ट होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

एस्ट्राज़ेनेका ने ही भारत में सीरम सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। फाउंडेशन फॉर पीपल-सेंट्रिक हेल्थ सिस्टम्स के निदेशक डॉक्टर चंदकांत लहरिया कहते हैं, दुनिया की कोई भी वैक्सीन ऐसी नहीं है जिसका नुकसान शून्य हो।सभी का कुछ न कुछ है, तो इस वैक्सीन का भी साइड इफेक्ट है।

डॉक्टर लहरिया कहते हैं,एक ही वैक्सीन अलग अलग जगहों पर अलग तरह से प्रभाव और दुष्प्रभाव डालती है। ऐसे में कोई जरूरी नहीं है कि वैक्सीन का जो दुष्प्रभाव यूरोपियन देशों में पड़े वही एशियन देशों में दिखाई दे। यह इसलिए होता है क्योंकि सभी की जीन अलग है।

उन्होंने कहा, तीसरी बात यह देखा जाता है कि जनसंख्या के अनुसार पहले हार्ट अटैक होते थे और अब कितने हो रहे हैं। अगर इसके रेट में बदलाव है तो फिर दिक्कत है अन्यथा नहीं।

इन सभी पैमानों पर रखकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट को देखा जा सकता है।

डॉक्टर लहरिया कहते हैं, एमआरएनए वैक्सीन में कई जगहों पर हार्ट अटैक की बात सामने आई लेकिन भारत में इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण अभी तक नहीं मिला है और जो टीटीएस (रक्त के थक्के जमना) की बात हो रही है। उसका भी भारत में कोई प्रमाण नहीं मिला है।

युवाओं की हार्ट अटैक से हो रही मौत को लेकर भले ही आईसीएमआर ने कोविड-19 के टीके को क्लीन चिट दे दी हो लेकिन यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी की राय इससे अलग है।

यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी ने अपने एक शोध में पाया है, मायोकार्डिटिस से हो रही मौतों और कोविड-19 का टीके के बीच एक गहरा संबंध होने की आशंका है।

ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के अनुसार, कोविड-19 टीकों का मायोकार्डिटिस और पेरीकार्डिटिस के बीच संबंध है। हालांकि यह बहुत कम है लेकिन यूके की ग्रीन बुक ऑन वैक्सीन के अनुसार यह 25 वर्ष से कम के युवा पुरुषों में अधिक है।

पेरिकार्डिटिस हृदय के चारों ओर की परत की सूजन है जबकि मायोकार्डिटिस हृदय की मांसपेशी की सूजन है।

फाउंडेशन के अनुसार पहली डोज की तुलना में दूसरे डोज में अधिक जोख़िम पाया गया है। दो कंपनियों की दवाओं का जिक्र करते हुए बताया है कि यह जोख़िम दस हज़ार में से एक लोगों को हो सकता है।

हालांकि यूके की मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी का कहना है कि अधिकांश लोगों के लिए कोविड-19 वैक्सीन लगवाने के लाभ किसी जोखिम की तुलना में अधिक है।

भारत में पिछले सालों में दिल संबंधी बीमारी के कारण मौत की कई घटनाएं सामने आई हैं। कई लोगों को अचानक बैठे-बैठे, नाचते, कसरत करते हुए हार्ट अटैक आने के वीडियो सामने आए हैं।

वीडियो में दिख रहा है लोग हार्ट अटैक के कारण अचानक गिर जाते हैं और उनकी मौत हो जाती है। इनमें से कई लोगों की उम्र तो बेहद कम थी। युवाओं और किशोरों में भी हार्ट अटैक बढ़ते हुए पाए गए हैं।

भडल्या नवमी पर बिना मुहूर्त देखे किए जाते हैं शुभ काम

सनातन धर्म में भडल्या नवमी का विशेष महत्व है। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा जाता है। आसान शब्दों में कहें तो भडल्या नवमी पर बिना किसी ज्योतिषीय सलाह के सभी प्रकार के शुभ कार्य कर सकते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 3 जुलाई को दोपहर में 2:07 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 4 जुलाई को शाम 4:33 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार 4 जुलाई को भडल्या नवमी मनाई जाएगी। यह दिन अक्षय तृतीया की तरह शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। भडल्या नवमी स्वंयसिद्ध तिथि है। इस तिथि पर सभी प्रकार के शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए किसी ज्योतिष से सलाह लेने की आवश्यकता नहीं होती है।

भडल्या नवमी चार जुलाई को है। यह इस सीजन का आखिरी विवाह मुहूर्त है। हालांकि इस समय गुरु अस्त चल रहे हैं, इसलिए मांगलिक कार्यों पर रोक लगी हुई है, फिर भी भडल्या नवमी को अबूझ मुहूर्त माने जाने से इस दिन काफी संख्या में विवाह होंगे। इसके दो दिन बाद छह जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ चार महीने के लिए सभी मांगलिक कार्य थम जाएंगे, जो एक नवंबर को देवों के जागने के साथ शुरू होंगे।

अद्ये कस्यापि मूढत्वे शुभकर्म न दोषकृत्। द्वयो मूढत्व मे प्रोक्तं दोषदं गुरुशुक्रयो:।।

ज्योतिष विद्वानों और शास्त्र के अनुसार अबूझ मुहूर्त में किसी प्रकार का पंचांग या मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती है और इसमें गुरु या शुक्र तारा अस्त भी नहीं देखा जाता है।

4 जुलाई को आषाढ़ शुक्ल नवमी है। इसे भडल्या नवमी कहते हैं। इस दिन आषाढ़ गुप्त नवरात्रि भी खत्म हो रही है। इसके बाद 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, इस तिथि से चार महीनों के लिए श्रीहरि विश्राम करते हैं, इसलिए शुभ कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। देवशयनी एकादशी से पहले आने वाली भडल्या नवमी को अबुझ मुहूर्त माना जाता है यानी इस दिन विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश या नए काम की शुरुआत जैसे शुभ काम बिना मुहूर्त देखे किया जा सकते हैं। अभी आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि चल रही है, इस नवरात्रि की अंतिम भड़ली नवमी रहती

है। इस नवमी पर गणेश जी, शिव जी और देवी दुर्गा की विशेष पूजा करनी चाहिए। जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, छाता, जूते-चप्पल, कपड़े का दान करना चाहिए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

भडल्या नवमी तिथि

भडल्या की नवमी तिथि 3 जुलाई को दोपहर में 2:07 मिनट शुरू हो जाएगी, जो 4 जुलाई को शाम 4:33 मिनिट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार 4 जुलाई को मनाई जाएगी।

गुरु तारा चल रहा है अस्त

देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत होती है। इसके बाद भगवान विष्णु के योग निद्रा में होने की वजह से अगले 4 महीने तक कोई भी मांगलिक काम नहीं किया जा सकता है। ऐसे में चातुर्मास शुरू होने से पहले शुभ काम करने का अंतिम दिन भडल्या नवमी तिथि को होता है। पिछले करीब 1 महीने से विवाह के कारक ग्रह देव गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में अस्त चल रहे हैं।

15 दिसंबर से 14 जनवरी तक खरमास

इस वर्ष नवंबर में केवल सात दिन और दिसंबर में सिर्फ पांच दिन विवाह मुहूर्त है। 15 दिसंबर से 14 जनवरी तक खरमास होने से विवाह नहीं हो सकेंगे। विवाह मुहूर्त 15 दिसंबर से चार फरवरी तक भी नहीं होंगे। शुक्र ग्रह के उदित होने के बाद पांच फरवरी से शुरुआत होगी।

अबूझ या स्वयंसिद्ध मुहूर्त

भडल्या नवमी अबूझ या स्वयंसिद्ध मुहूर्त के रूप में मानी गई है। यानी इस दिन शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त के विचार की जरूरत नहीं होती।

महत्व

भडल्या नवमी तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्त है। इस तिथि पर शुभ कार्य करने के लिए ज्योतिष गणना की आवश्यकता नहीं पड़ती है। किसी भी समय जातक अपनी सुविधा के अनुसार शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्य का श्रीगणेश कर सकते हैं। इस तिथि पर शुभ कार्य करने से अक्षय तृतीया के समतुल्य फल प्राप्त होता है।

क्या आपका कपूर असली है? पहचानें भीमसेनी कपूर और करें शुद्धता का अनुभव

भीमसेनी कपूर, जिसे बासर भी कहते हैं औषधीय गुणों से संपन्न माना जाता है। इसकी तासीर गर्म होती है और आकृत्ति नुकीली होती है। ये वात, पित्त, और कफ जैसे दोषों को संतुलित करने में मदद करता है। धार्मिक दृष्टि से भी कपूर अहम है। इसका इस्तेमाल पूजा-हवन में किया जाता है। कोरोना का दौर लोग भूले नहीं हैं। उस समय कई लोग लौंग और कपूर की पोटली अपने पास रखते थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आमतौर पर मिलने वाला कपूर नकली और सिंथेटिक होता है? लेकिन भीमसेनी ही है जो खालिस कपूर के तौर पर अपना दबदबा बनाए हुए है।

भीमसेनी कपूर एक प्राकृतिक कपूर है, जो पेड़ से प्राप्त होता है। यह बड़े टुकड़ों में, अनियमित आकार का और थोड़ा भूरा या पीलापन होता है। इसकी सुगंध थोड़ी तीखी लेकिन बहुत शुद्ध होती है और जलाने पर यह पूरी तरह जल जाता है, कोई अवशेष नहीं छोड़ता। आयुर्वेदिक दवाओं में इसी प्राकृतिक कपूर का उपयोग किया जाता है।

सुश्रुत संहिता में भीमसेनी कपूर को चक्षुष्य (नेत्रों के लिए सुखदायक) बताया गया है, जिसका उपयोग आंखों में शीतलता लाने या आंखों को आकर्षित बनाने के लिए किया जाता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो त्वचा में होने वाली जलन, खुजली और फटे पैरों के उपचार में मदद करते हैं।

चरक संहिता में बताया गया है कि भीमसेनी कपूर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है, साथ ही यह भूख बढ़ाता है और पाचन से जुड़ी समस्या में भी उपयोगी है। यह कपूर सांस लेने में होने वाली तकलीफों को कम करने में मदद करता है और फेफड़ों के संक्रमण को ठीक करने में भी सहायक है।

भीमसेनी कपूर को डिफ्यूजर या कपूरदानी में जलाकर कमरे में सुगंध फैलाएं। इसी के साथ ही नारियल तेल में कपूर मिलाकर सिर की मालिश भी कर सकते हैं। कपूर की सुगंध कीड़े-मकोड़ों (मच्छर, कॉकरोच) को भगाने और हवा को शुद्ध करने में प्रभावी है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इसे जलाने से घर में खुशियां आती हैं और भाग्य तेज होता है। साथ ही, इसकी सुगंध मन को शांत करने और तनाव को कम करने में मदद करती है, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।

चातुर्मास 6 से शुरू

आषाढ़ एकादशी के दिन से 4 महीने के लिए भगवान विष्णु क्षीरसागर में योग निद्रा के लिए चले जाते हैं। इस समय को चातुर्मास के नाम से भी जाना जाता है, जिसकी शुरुआत इस साल 6 जुलाई 2025 से हो रही है।

यह समय पूजा-पाठ, जप-तप के द्वारा सिद्धियां प्राप्त करने, शरीर और मन को स्वस्थ करने का होता है। इस समय पर आपको ऐसे क्या कार्य करने चाहिए, जिससे प्रभु की कृपा मिले। साथ ही आपको भी अपने जीवन में भी सकारात्मक बदलाव न सिर्फ दिखे, बल्कि महसूस भी हो।

इन चीजों का करें त्याग

चातुर्मास के दौरान बिस्तर को त्याग देना चाहिए। इन चार महीना में जमीन पर चटाई या चादर बिछाकर सोएं। सूर्योदय से पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठने की कोशिश करें। स्नान आदि करने के बाद में ध्यान और पूजन करें।

चातुर्मास में यदि संभव हो, तो सिर्फ एक ही बार भोजन करें। तेल घी से बनी हुई ज्यादा मसालेदार चीजें खाना बंद कर दें। इसके साथ ही दूध, दही, बैंगन, हरी पत्तेदार सब्जियां, मसालेदार खाना, मांस, मदिरा को त्याग दें।

ध्यान के लिए रोज निकालें समय

रोजाना कुछ समय ध्यान के लिए निकलें। इसके अलावा आप जिस भी देवी देवता को पूजते हैं, उनके नाम जाप करने की कोशिश करें। यदि आप किसी मंत्र को सिद्ध करना चाहते हैं, तो उसे मंत्र के जाप को भी कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए किसी गुरु की शरण में जाएं और उनके मार्गदर्शन में ही यह करें।

यदि आप किसी प्रकार की सिद्धि पाना चाहते हैं, तो आपको किसी गुरु के आश्रय में जाना चाहिए। उनके मार्गदर्शन में ही 10 महाविद्याओं में से किसी एक महाविद्या की साधना करें। आप हनुमान साधना, दुर्गा साधना, वैष्णवी साधना आदि भी कर सकते हैं।

सावन में करें इन चीजों से परहेज जाने इसके पीछे की वजह

भोलेनाथ का प्रिय मास श्रावण माना जाता है। इस वर्ष 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। बड़े बुजुर्ग अक्सर कहते हैं कि इस मास में कुछ चीजें वर्जित हैं। उसका धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक कारण भी होता है। इन दिनों कई लोग अपने दैनिक जीवन में बदलाव करते हैं। इसमें लोग रहन-सहन से लेकर अपने खाने-पीने के तरीकों में भी बदलाव करते हैं।

भारत के गांवों में, विशेषकर हिंदी पट्टी में, एक लोकोक्ति बहुत मशहूर है जो बड़े सहज भाव से बताती है कि किस मौसम में क्या खाएं और किस चीज से परहेज करें। इसी लोक कहावत में 'सावन साग न भादो दही' का जिक्र है।

सावन में दूध से बने उत्पादों का सेवन करने से इसलिए बचना चाहिए क्योंकि इन दिनों जमीन में दबे अधिकांश कीड़े ऊपर आ जाते हैं और घास या हरी चीजों को संक्रमित कर देते हैं। घास गाय या भैंस उसी को खाते हैं, जिसका दूध हमारे घरों में आता है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दही इसलिए नहीं खानी चाहिए क्योंकि इन दिनों वातावरण में नमी और कीटाणुओं की वृद्धि होती है, जिससे हानिकारक बैक्टीरिया पनपते हैं। इसके अलावा, दही की तासीर ठंडी होती है, जिससे सर्दी-जुकाम होने का डर भी रहता है।

आयुर्वेद का मत है कि बारिश के कारण लोगों की पाचन शक्ति कमजोर होती है, वहीं, लहसुन और प्याज की तासीर गरम होती है, जिसे खाने से पेट फूलना, गैस और अपच होने की संभावना रहती

है। चरक संहिता में सावन के महीने में बैंगन न खाने की सलाह दी गई है, जिसका मुख्य कारण इसकी प्रकृति और पाचन पर पड़ने वाला प्रभाव है। बैंगन को 'गंदगी में उगने वाली सब्जी' माना जाता है, और सावन में नमी के कारण इसमें कीड़े लगने की संभावना अधिक होती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

सुश्रुत संहिता में सावन में हरी पत्तेदार सब्जियों को खाने से इसलिए वर्जित माना जाता है क्योंकि इस मौसम में जमीन में दबे अधिकांश कीड़े ऊपर आ जाते हैं और हरी पत्तेदार सब्जियों को संक्रमित कर देते हैं, जिससे वायरल इंफेक्शन का खतरा बढ़ने का डर बना रहता है।

शनि की उल्टी चाल से इन राशि वालों को नवंबर तक होगा लाभ, नौकरी के मिलेंगे नए अवसर

29 मार्च 2025 को शनि ने मीन राशि में प्रवेश किया था। वह एक राशि में ढाई साल तक रहते हैं, इसलिए इस गोचर का संयोग एक लंबे समय के बाद बना था। अब शनि मीन में रहते हुए एक बार फिर चाल में बदलाव करने जा रहे हैं। वह 13 जुलाई 2025 को सुबह 7 बजकर 24 मिनट पर वक्री होंगे। फिर 28 नवंबर को सुबह 7 बजकर 26 मिनट पर शनि मार्गी अवस्था में आएंगे। चूंकि शनि लंबी अवधि के लिए वक्री रहेंगे, इसलिए उनका शुभ-अशुभ प्रभाव भी जातकों पर देर तक रहेगा। ज्योतिषियों के मुताबिक शनि जब भी गोचर करते हैं तो इसका प्रभाव न केवल राशियों बल्कि देश-दुनिया पर भी पड़ता है। बड़ी बात यह है कि शनि की वक्री चाल अधिक प्रभावशाली होती हैं। ऐसे में इस गोचर से किन राशियों को लाभ होगा,

वृषभ राशि (पृथ्वी तत्व, स्वामी: शुक्र)

स्थिर, विलासप्रिय और व्यवहारिक। शुक्र भौतिक सुख, प्रेम और कला का कारक है।

शनि के वक्री होने से वृषभ राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है। करियर में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। आपकी मधुर वाणी लोगों में अच्छी छवि का निर्माण करेगी। शनि के प्रभाव से लंबे समय से जो धन अटका हुआ था, वह प्राप्त होगा। व्यापारी वर्ग के लोग विदेश यात्रा पर जाएंगे। जो लोग बेरोजगार है उन्हें नौकरी मिलने की अच्छी संभावना है। खास बात है कि जीवनसाथी के साथ किसी पर्यटन स्थल पर जाकर हंसी-खुशी समय बिताने का अवसर आपको प्राप्त होगा।

कर्क राशि (जल तत्व, स्वामी: चंद्रमा)

संवेदनशील, पोषण देने वाले, घरेलू। चंद्रमा भावनाओं और मन का कारक है।

शनि के गोचर से कर्क राशि वालों को विशेष लाभ हो सकता है। आपको प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। अचल संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ मिलेगा। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों की मनचाही जगह पर नियुक्ति की इच्छा पूरी होगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को भी अच्छी खबर मिल सकती है। नए लोगों से अच्छी जान पहचान होगी। भाई-बहनों का साथ बना रहेगा। आत्मविश्वास की कमी दूर होगी।

मीन राशि (जल तत्व, स्वामी: बृहस्पति)

दयालु, भावनात्मक, रचनात्मक। गुरु करुणा, उच्च सोच और विस्तार का स्वामी।

मीन राशि वालों के लिए यह समय और भी शुभ रहेगा। शनि आपकी राशि में विराजमान हैं। यहां रहते हुए वह करियर में सफलता व बिजनेस में मनचाहा लाभ दे सकते हैं। आपके बैंक बैलेंस में वृद्धि हो सकती है। पुराने निवेशों से लाभ मिलने के योग हैं। घर में कोई धार्मिक या मांगलिक आयोजन हो सकता है। यदि आप कोर्ट-कचहरी से जुड़े किसी मामले को लेकर परेशान चल रहे थे, तो उसमें आपको राहत मिल सकती है।

शुक्रवार को सुबह उठते ही कर लें ये 5 काम मां लक्ष्मी पूरा करवाएंगी आपका हर काम

शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी की पूजा के लिए सबसे खास होता है। शुक्रवार की सुबह यदि आप कुछ उपाय कर लें तो आपका पूरा दिन सफलता से भरा होगा और आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको मां लक्ष्मी के आशीर्वाद से पूर्ण सिद्धि हासिल होगी। शुक्रवार की सुबह सूर्योदय से पहले उठकर आपको स्नान कर लेना चाहिए और उसके बाद ये काम करने चाहिए। यदि आप शारीरिक रूप से समर्थ हैं तो आपको इन उपायों को करने के बाद ही अन्न और जल ग्रहण करना चाहिए। मां लच्मी को प्रसन्न करने के लिए अबकी बार शुक्रवार और भी खास होगा। दरअसल शुक्रवार 6 जून को निर्जला एकादशी का शुभ संयोग बना है। इस शुभ योग में यदि आप नीचे बताए गए उपाय करते हैं तो आपको जल्द ही मनचाहे फल की प्राप्ति होगी।

लक्ष्मी वंदना से करें दिन की शुरुआत

शुक्रवार की सुबह बिस्तर छोड़ने से पहले अपने दोनों हाथों की हथेलियों को देखकर यह श्लोक तीन बार बोलें:

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती।

करमूले तु गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम्।।

फिर ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः मंत्र का 11 बार जप करें। इससे पूरे दिन शुभता बनी रहती है। यदि संभव हो तो माता लक्ष्मी के चित्र या प्रतिमा के सामने दीपक लगाकर पूजन करें। गुलाब के फूल और कमल के पुष्प अर्पित करें,

जिससे देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

गंगाजल या गुलाब जल मिलाकर करें स्नान

स्नान के जल में कुछ बूंदें गंगाजल, गुलाबजल, या चंदन तेल की मिलाएं और स्नान करते समय मन में यह भावना रखें कि आपके तन, मन और आत्मा की शुद्धि हो रही है। साथ ही स्नान करते समय ॐ शुक्राय नमः का जप करते रहें। यह क्रिया शुक्र ग्रह को संतुलित करती है और वैवाहिक जीवन, प्रेम संबंध, तथा सौंदर्य में वृद्धि करती है। साथ ही मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मां लक्ष्मी भी इस क्रिया से प्रसन्न होती हैं।

घर के मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

स्नान के बाद घर के मुख्य द्वार पर दो दीपक जलाएं। एक देसी घी का और एक तिल के तेल का। घर की समृद्धि, शांति और सुरक्षा के लिए यह अत्यंत फलदायक होता है। तुलसी के पास दीपक लगाते समय जल अर्पित करें और ॐ तुलस्यै नमः मंत्र बोलें। इससे पारिवारिक कलह शांत होती है और रिश्तों में मिठास आती है। यदि आपके घर में मां लक्ष्मी की मूर्ति है तो उनके पास भी दीपक लगाएं और शंख बजाकर वातावरण को शुद्ध करें।

सफेद चीजों का दान करें या गौ माता की सेवा करें

शुक्रवार को सुबह स्नान करने के बाद सफेद वस्तुएं जैसे खीर, मिश्री, चावल, दूध, रबड़ी, सफेद कपड़े, चंदन, इत्र आदि का दान विशेष शुभ होता है। ये वस्तुएं किसी गरीब महिला, कन्या या ब्राह्मण को दान करें। यदि संभव हो तो गौ माता को रोटी, चावल या गुड़ खिलाएं। इससे आपके जीवन से दरिद्रता दूर होती है और शुक्र ग्रह की शांति होती है, जो प्रेम, विवाह और भौतिक सुखों के लिए बहुत आवश्यक है।

घर में इत्र, चंदन या सुगंधित धूप की खुशबू करें

शुक्रवार की सुबह घर के सभी कमरों में चंदन, गुलाब, मोगरा, केवड़ा आदि की सुगंधित धूपबत्ती या इत्र का छिड़काव करें। विशेष रूप से घर के पूजा स्थल और उत्तर-पूर्व दिशा को साफ करके वहां घी का दीपक रखें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और सकारात्मकता का संचार होता है। यह धन वृद्धि, आकर्षण, विवाह योग और मानसिक सुख के लिए बहुत लाभकारी माना गया है।

राम बनाम रावण की अमर कहानी रामायण का हिस्सा बनने पर गर्व है : सनी देओल

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने डायरेक्टर नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण में अपने किरदार भगवान हनुमान को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। सनी ने फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है।

एक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मुझे गर्व है कि मैं इस कहानी का हिस्सा हूं, जिसने कई पीढ़ियों को बनाया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की 'रामायण' की दुनिया में, जो राम बनाम रावण की अमर कहानी है। मैं आभारी हूं कि मुझे इस रास्ते पर चलने और आप सबके साथ इसे साझा करने का मौका मिला।

उन्होंने लिखा, आइए इस खास पल को मिलकर मनाएं और साथ में 'वर्ल्ड ऑफ रामायणा' की दुनिया में कदम रखें। यह हमारी सच्चाई है। हमारा इतिहास है। बता दें कि गुरुवार को मेकर्स ने 'रामायण' का प्रोमो वीडियो शेयर किया, जिसमें रावण के अवतार में 'केजीएफ' फेम सुपरस्टार यश की झलक देखने को मिली।

वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव के शक्तिशाली चित्रण से होती है, जो पूरे ब्रह्मांड को चलाते हैं। फिर एनिमेशन के जरिए मुख्य पात्रों को दिखाया जाता है : भगवान श्रीराम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के किरदार में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश।

इस प्रोमो वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, दस साल की मेहनत और लगन के बाद, हमने दुनिया के सामने सबसे महान महाकाव्य 'रामायण' को लाने का सपना पूरा किया है। इस फिल्म को बनाने में दुनिया के बेहतरीन लोगों ने मिलकर काम किया है, ताकि रामायण को आदर और सम्मान के साथ दिखाया जा सके। आपका स्वागत है आइए मिलकर राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं।

फिल्म में लक्ष्मण का रोल रवि दुबे निभा रहे हैं और सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, रकुल प्रीत सिंह 'शूर्पणखा' के रोल में हैं। काजल अग्रवाल 'मंदोदरी' और लारा दत्ता 'कैकई' की भूमिका निभाएंगी। अरुण गोविल इसमें राजा दशरथ बने हैं। फिल्म सिर्फ एक भाग में नहीं, बल्कि दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 में आएगा और दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा। 'रामायण' को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और आठ बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म में रावण का किरदार निभाने के साथ-साथ यश सह-निर्माता भी हैं। फिल्म करीब 835 करोड़ रुपए के बजट से तैयार हुई है, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी बेसब्री से इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान घायल हुईं अदा शर्मा, नाक पर लगी चोट

फिल्म अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। एक्शन-थ्रिलर फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी नाक पर गंभीर चोट लगी है। 'द केरल स्टोरी' फेम अदा ने बताया कि यह चोट एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान लगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि अदा इस फिल्म में जोरदार एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी। यह हादसा एक स्टंट रिहर्सल के दौरान हुआ। 'कमांडो 2' और 'कमांडो 3' में अपने शानदार एक्शन के बाद, अदा इस नई फिल्म में एक्शन का स्तर और ऊंचा करने वाली हैं। चोट के बावजूद, अदा ने अपने जज्बे को बनाए रखा और कहा, दर्द अस्थायी है, लेकिन सिनेमा हमेशा चलता रहेगा। अब मैं एक एक्शन हीरोइन जैसी दिखती हूं। जिस रात मुझे चोट लगी, अगले दिन मैं एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग कर रही थी। शूटिंग के बीच मैं सूजन कम करने के लिए आइस पैक का इस्तेमाल कर रही थी और मेकअप की मदद से चोट को छिपाया गया।

अदा की अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, अभिनेत्री तीन भाषाओं में बनी फिल्म में 'देवी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसकी तैयारी उन्होंने पूरी कर ली है। फिल्म का निर्देशन बीएम गिरिराज कर रहे हैं। अदा के पास 'रीता सान्याल सीजन 2' और एक अनटाइटल्ड हॉरर फिल्म भी है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आएंगी।

अदा ने अपनी भूमिकाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बताया, मुझे इतने शानदार किरदार निभाने और प्रतिभाशाली फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का मौका मिला, मैं बहुत लकी हूं। चाहे वह 'द केरल स्टोरी' जैसी कहानियां हों या 'रीता सान्याल' जैसे किरदार, मैं इन्हें और भी वास्तविक और प्रामाणिक बनाने की कोशिश करती हूं।

अक्षय खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर करना सपना सच होने जैसा : अनुष्का लुहार

अभिनेत्री अनुष्का लुहार अपनी आने वाली फिल्म अक्षरधाम - ऑपरेशन वज्र शक्ति की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी से बात करते हुए इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। अनुष्का ने बताया कि अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह सीनियर और टैलेंटेड अभिनेता हैं। उनके साथ काम करके काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए एक काफी अच्छा और संतोषजनक अनुभव रहा। बचपन से ही मैं अक्षय खन्ना की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं और उनकी फैन रही हूं। उनकी फिल्म 36 चाइना टाउन में उनका अभिनय मुझे बहुत पसंद आया था। अब जब मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है, तो यह सपने जैसा लग रहा है और मेरे लिए वाकई में बहुत खास है।

उन्होंने कहा, अक्षय सर सेट पर एक अलग ही शांति और एकाग्रता लेकर आते हैं। उनका तरीका बहुत प्रेरणादायक है। उन्हें काम करते हुए देखना, उनके समर्पण को महसूस करना अपने-आप में एक सीखने का अनुभव रहा है। उन्होंने अपने किरदार को सच्चाई और गहराई से निभाया है। इस फिल्म में पूरी टीम ने दिल से मेहनत की है, और ऐसे समर्पित और टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है।

अभिनेत्री ने निर्देशक केन घोष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, केन घोष का शांत स्वभाव, अटूट समर्थन और उनकी दयालुता ने पूरी फिल्म बनाने की प्रक्रिया को बहुत आसान और मजेदार बना दिया। मैं पहले भी जी5 की एक वेब सीरीज में उनके साथ काम कर चुकी हूं। इस सीरीज के दौरान उन्होंने मुझे सेजल के किरदार के लिए चुना था। उन्होंने मुझे ऑडिशन देने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं उनके इस विश्वास के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, केन सर का धैर्य और उनका मिलनसार स्वभाव सेट पर सकारात्मक माहौल बनाता है। मैं उनके काम और हर प्रोजेक्ट में उनकी ईमानदारी की बहुत कदर करती हूं। उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी है, और मुझे सच में उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा जो हमें फिल्म बनाते वक्त हुआ। मैं भविष्य में उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगी।

बॉलीवुड के राजकुमार : हिंदी सिनेमा का सितारा डायलॉग और अदाकारी ने कर दिया अमर

फिल्म 'पाकीजा' का 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे' जैसा रोमांटिक डायलॉग हो या फिर फिल्म 'वक्त' का 'चिनॉय सेठ, जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वो दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते' वाला डायलॉग। भले ही दोनों डायलॉग एक-दूसरे से बिलकुल जुदा हों, लेकिन एक्टर राज कुमार ने अपनी दमदार आवाज, प्रभावशाली शख्सियत और अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया। राज कुमार फिल्मों के ऐसे नायक थे, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में डायलॉग को एक नया अंदाज देने का काम किया। उनका 'जानी' कहना आज भी भुलाया नहीं गया है। उनकी गहरी आवाज और बेबाक संवाद अदायगी ने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।

यही वजह थी कि उनकी बड़े पर्दे पर दमदार मौजूदगी ने उन्हें बॉलीवुड का बेताज बादशाह बनाया। आत्मविश्वास से भरे उनके अंदाज और हर किरदार को जीवंत करने की कला ने उन्हें सिनेमाई इतिहास में अमर कर दिया। 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान (अब पाकिस्तान) के लोरलाई में एक कश्मीरी पंडित परिवार में राज कुमार का जन्म हुआ था। उनका असली नाम कुलभूषण पंडित था। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद 1940 के दशक में मुंबई के माहिम पुलिस स्टेशन में सब-इंस्पेक्टर के रूप में काम शुरू किया। हालांकि, उनकी कदकाठी और बातचीत के प्रभावशाली अंदाज ने उन्हें फिल्मों की ओर आकर्षित किया। एक सिपाही की सलाह और फिल्म निर्माता बलदेव दुबे के प्रस्ताव के बाद उन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उन्होंने 1952 में फिल्म 'रंगीली' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, लेकिन यह फिल्म ज्यादा सफल नहीं रही।

1952 से 1957 तक उन्होंने 'अनमोल सहारा', 'अवसर', 'घमंड', 'नीलमणि' और 'कृष्ण सुदामा' जैसी कई फिल्मों में छोटी-मोटी भूमिकाएं निभाईं, लेकिन सफलता ने उनका साथ नहीं दिया। हालांकि, 1957 में महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' से एक बड़ा ब्रेकथ्रू मिला, जिसमें उन्होंने नरगिस के पति और एक किसान की छोटी, लेकिन प्रभावशाली भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया और इंटरनेशनल लेवल पर भी उन्हें पहचान मिली। इसके बाद 1959 में उनकी झोली में फिल्म 'पैगाम' आई, जिसमें दिलीप कुमार जैसे दिग्गज एक्टर थे। इस फिल्म में राज कुमार की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

1960 के दशक में राज कुमार ने 'दिल अपना और प्रीत पराई' (1960), 'घराना' (1961), 'गोदान' (1963), 'दिल एक मंदिर' (1963), 'वक्त' (1965), और 'काजल' (1965) जैसी फिल्मों में एक्टिंग का लोहा मनवाया। हालांकि, 'वक्त' और 'पाकीजा' (1972) में उनके निभाए किरदार को न केवल पसंद किया गया, बल्कि उनके 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे' और 'चिनॉय सेठ, जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वो दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते' जैसे डायलॉग लोगों की जुबान पर चढ़ गए।

1970 और 1980 के दशक में उनका जलवा जारी रहा और उन्होंने 'हीर रांझा' (1970), 'मर्यादा' (1971), 'सौदागर' (1973), 'कर्मयोगी' (1978), 'बुलंदी' (1980), 'कुदरत' (1981), और 'तिरंगा' (1992) जैसी फिल्मों में निभाए गए अलग-अलग किरदारों से दर्शकों को अपना दीवाना बनाए रखा।

राज कुमार की सबसे बड़ी खासियत उनके डायलॉग थे, जिन्होंने उनकी गहरी आवाज और बेबाक अंदाज को फिल्म के किरदारों में अमर कर दिया। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उनके बारे में ऐसा कहा जाता था कि वे अपनी शर्तों पर काम करते थे और उन्हें अगर कोई डायलॉग पसंद नहीं आता था तो उसे बदल दिया करते थे। उनकी बेबाकी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि फ्लॉप फिल्मों के बाद भी वे अपनी फीस बढ़ा देते थे। उनका मानना था कि फिल्म भले फ्लॉप हो, लेकिन उनका अभिनय कभी फेल नहीं होता।

फिल्म 'सौदागर' का 'हम तुम्हें मारेंगे और जरूर मारेंगे। लेकिन, वह वक्त भी हमारा होगा। बंदूक भी हमारी होगी और गोली भी हमारी होगी।' डायलॉग हो या फिल्म 'तिरंगा' का 'हम आंखों से सुरमा नहीं चुराते। हम आंखें ही चुरा लेते हैं।' या फिर फिल्म 'मरते दम तक' का 'हम कुत्तों से बात नहीं करते।', सारे डायलॉग्स उनके फैंस को याद हैं।

फिल्म जगत के सर्वोच्च पुरस्कार 'दादा साहेब फाल्के' से सम्मानित राज कुमार के कई डायलॉग्स आज भी सिनेमा प्रेमियों की जुबान पर जिंदा हैं।

बताया जाता है कि राज कुमार को 1990 के दशक में गले का कैंसर हो गया था, जिसके बारे में उन्होंने सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया था। 3 जुलाई 1996 को 69 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। राज कुमार की इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार गुपचुप तरीके से किया जाए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 जुलाई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी सायं 04:33 तक
नक्षत्र : चित्रा सायं 04:50 तक
योग : शिव रात्रि 07:34 तक
करण : कौलव सायं 04:33 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , भड़लीया नवमी , गुप्त नवरात्रि पूर्ण

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमने डेढ़ साल में किए पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल से ज्यादा काम : भजनलाल

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा उनके इसी सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला, किसान, युवा व मजदूर इन चार जातियों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रही है, जिससे विकास का उजियारा हर वर्ग तक पहुंचे।

शर्मा गुरूवार को सवाई माधोपुर में बालेर (खंडार) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान जहां बाघों के लिए दुनियाभर में जाना जाता है, वहीं रणथंभौर का किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। सवाई माधोपुर के अमरूदों की अपनी विशेष पहचान है।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान का उद्देश्य है कि प्रशासन और जनता के बीच कोई खाई नहीं हो तथा कोई भी व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से छूट ना जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इन शिविरों से आमजन के भूमि संबंधी विवादों का समाधान, नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण, मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण, मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, गरीब परिवारों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा एनएफएसए सहित कई लंबित प्रकरणों का निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर में इन शिविरों के माध्यम से अब तक सीमा ज्ञान के 410, रास्तों के 228, आपसी सहमति से बंटवारे के 161 प्रकरणों का निस्तारण कर स्वामित्व के 689 कार्ड वितरित, 33 हजार 414 पौधों के वितरण सहित विभिन्न जनहित के कार्य किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, वहीं प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। हम युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए कृत्संकल्पित हैं तथा 5 साल में 4 लाख सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में जो काम हुए, वो पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे 5 साल में भी नहीं कर पाई। हमने डेढ़ वर्ष में ही खेतों में 253.3 लाख मीटर की तारबंदी की, वहीं गत सरकार के 5 वर्षों में 113 लाख मीटर की तारबंदी ही की गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 29 हजार 343 हेक्टेयर की भूमि आवंटित की, जबकि गत सरकार में यह आंकड़ा 22 हजार 597 हेक्टेयर ही रहा। हमने डेढ़ साल में कुसुम–ए के तहत 646 तथा कुसुम–सी के तहत 2 हजार 91 एलओए किए, जबकि गत सरकार ने इनके तहत 489 तथा 57 एलओए ही किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल में ही 32 हजार से अधिक किसानों को फार्म पौण्ड योजना के अंतर्गत अनुदान मिला, जबकि गत सरकार के समय यह आंकड़ा 29 हजार 430 ही था। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि हमारी सरकार राज्य के विकास में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेगी। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं उन्नयन के लिए काम कर रही है। खंडार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के शिवाड़ और बहरावण्डा खुर्द में 132 केवी जीएसएस की स्थापना, विभिन्न सड़कों का चौड़ाईकरण तथा बनास नदी रपट निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। खंडार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, राम जल सेतु परियोजना के तहत एनीकट निर्माण, पांचोलास से फलौदी सड़क मार्ग तथा आरसीसी कल्वर्ट ऑन कल्याणपुरा नाला विद अप्रोच सीसी रोड सहित विभिन्न निर्माण कार्य भी करवाए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये की लागत से बालेर–करणपुर सड़क का निर्माण कराने की भी घोषणा की।

राजस्थान पुलिस की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाया जाएगा

पुलिसिंग की दृष्टि से राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाया जाएगा : डीजीपी शर्मा

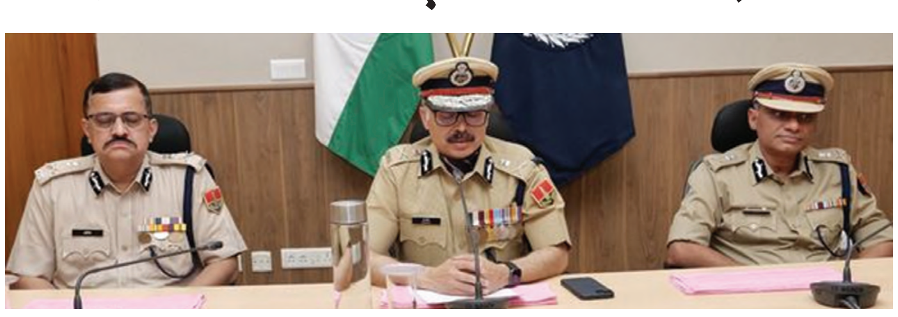

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)। नवनियुक्त महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने कहा है कि राजस्थान पुलिस की सदैव से गौरवशाली परंपरा रही है। हमें इस परंपरा को आगे बढ़ाना है, विशेष रूप से पुलिस के ध्येय वाक्य 'आमजन में विश्वास, अपराधियों में डर' को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हमें दिए गए जनता की सेवा के अवसर को पूरी निष्ठा और समर्पण से निभाना है। महानिदेशक पुलिस शर्मा गुरुवार को यहां पुलिस मुख्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक को पुलिस सेवाएँ उनके थाने पर ही सुलभ हो। पुलिसकर्मियों का व्यवहार अच्छा हो। पुलिस से आम जनता की अपेक्षाएं पूर्ण हो, इसके लिए राजस्थान पुलिस टीम को पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस से संबंधित कार्यों में हम आधुनिक तकनीक का भरपूर उपयोग करेंगे ताकि अपराधों की रोकथाम और जाँच प्रभावी ढंग से हो सके। जनता की सुरक्षा और गरिमा हमारी प्राथमिकता है और इसमें हम जनभागीदारी को सर्वोच्च महत्त्व देंगे।

शर्मा ने बताया कि इन सब समन्वित प्रयासों से हम संवेदनशील पुलिसिंग को बढ़ावा देंगे और बढ़ते साइबर क्राइम पर गहन निगरानी और रोकथाम करेंगे। हमारा संकल्प है कि राजस्थान को पुलिसिंग की दृष्टि से पूरे देश में मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा व गरिमा को ध्यान में रखते हुए जनसहभागिता से कार्य किये जायेंगे तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हमारा मुख्य फोकस रहेगा।

मीना बने राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, चुनाव में 84 मतों से दर्ज की जीत

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान शासन सचिवालय में गुरुवार को हुए राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के चुनावों में कजोड़ मल मीना ने शानदार जीत हासिल कर अध्यक्ष पद पर कब्ज़ा कर लिया है। मीना ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी को 84 मतों के अंतर से हराकर यह पद जीता, जिससे उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला।

चुनाव अधिकारी भारत सिंह भाटी ने चुनाव परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि कुल 921 कर्मचारियों ने मतदान में भाग लिया। मतगणना के बाद, कजोड़ मल मीना को 471 वोट मिले, जो उन्हें निर्णायक जीत दिलाने के लिए पर्याप्त थे। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी विवेक चौधरी को 387 मत प्राप्त हुए। वहीं, अन्य उम्मीदवारों में हर्षित शर्मा को 54 वोट और अंजना शर्मा को केवल 5 वोट मिले। कुल 4 मतों को निरस्त घोषित किया गया। यह चुनाव सचिवालय कर्मचारियों के बीच काफी चर्चा में था, क्योंकि यह संघ के नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। कजोड़ मल मीना की जीत कर्मचारियों के बीच उनकी मजबूत पकड़ और विश्वास को दर्शाती है। जीत के बाद, कजोड़ मल मीना ने समस्त मतदाताओं और पूर्व अध्यक्षगणों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कर्मचारी हित में सदैव सक्रिय रहने और उनके अधिकारों व कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

मीना ने कहा कि उनकी प्राथमिकता संघ को और मजबूत बनाना और कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी कर्मचारी एकजुट होकर संघ के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग करेंगे। यह जीत सचिवालय कर्मचारियों के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती है, जिसमें उनके हितों को प्राथमिकता दिए जाने की उम्मीद है।

स्थानीय निकायों में हर समस्या पर हो खुलकर चर्चा : ओम बिरला

मानेसर (हरियाणा), 03 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि स्थानीय निकाय लोकतंत्र की मजबूती के लिए अहम है और इसमें जवाबदेही सुनिश्चित कर हर समस्या पर लोकसभा तथा विधानसभाओं की तरह व्यापक चर्चा होनी चाहिए। बिरला ने गुरुवार को यहां शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि जनता की उम्मीदें सीधे सदन की कार्यवाही से जुड़नी चाहिए ताकि नगरपालिकाओं में लिए गये निर्णय जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। उनका कहना था कि स्थानीय निकायों में जन प्रतिनिधि चुनकर आते हैं इसलिए इन बैठकों में सिर्फ हंगामा नहीं बल्कि जनता के मुद्दों पर गहन चर्चा होनी चाहिए और जनता के मुद्दों का समाधान व्यापक विचार विमर्श से निकाला जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की पद्धतियों को सरल और आकर्षक बनाने की जरूरत है और ऐसा होता है तो गाँव से शहर तक लोग लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े रहेंगे और जन प्रतिनिधि सभाओं में पारदर्शी तरीके से जनता की समस्याओं का विचार विमर्श के बाद निदान हो सकेगा। जनता के सवालों का जवाब और उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय निकायों में ही होना चाहिए, इसलिए निकायों की कार्यवाही का संचालन गरिमा के साथ किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि सभी स्थानीय निकायों में सदन को आदर्श तरीके से चलाने का प्रयास होना चाहिए और पारदर्शिता से स्थानीय चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि स्थानीय निकायों की बैठक में अक्सर व्यवधानों की खबरें आती रहती हैं। स्थानीय निकायों की बैठकें हंगामें के कारण स्थगित होने और हंगामें के बीच ही बजट पारित किये जाने की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती हैं हैं। यह लोकतंत्र और जनता के हित में नहीं है इसलिए स्थानीय निकाय में जनता के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए और हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित नहीं होनी चाहिए। इससे लोगों का हक मारा जाता है और चुने हुए प्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा को लेकर जनता के बीच गलत संदेश जाता है इसलिए स्थानीय निकाय सदस्यों का दायित्व है कि जनता की मांगों को सदन में रखकर उसे पूरा करें।उन्होंने कहा कि हंगामा लोकतंत्र की आदर्श परंपरा नहीं है। लोकसभा ने लोकतंत्र की इस परंपरा को आगे बढाते हुए सदन की कार्यवाही चलाते रहने का निर्णय लिया था और अब लोकसभा पहले की तरह हंगामे के कारण स्थगित नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि 16 और 17वीं लोकसभा में हंगामे के कारण बार बार सदन की कार्यवाही स्थगित हो जाती थी लेकिन लेकिन अब इसमें बड़ा बदलाव आया है और हंगामे के कारण सदन स्थगित नहीं किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन को साकार करने की राह दिखाएगा

स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन : सैनी

चंडीगढ़, 03 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को मानेसर में शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी हरियाणा को मिली है। इस सम्मेलन में हम सब अपने लोकतंत्र को मजबूत करने तथा राष्ट्र निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका पर विचार मंथन कर रहे हैं। यह विषय हमारे लोकतंत्र की जड़ों को सींचने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत– 2047 के विजन को साकार करने की राह दिखाता है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय लोकतंत्र की प्रथम पाठशाला और नर्सरी हैं। लोकतंत्र की जड़ें स्थानीय स्तर पर जितनी गहरी होंगी, हमारा राष्ट्र उतना सशक्त बनेगा। अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर नागरिकों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है तो आमजन को लगता है कि उसने अपने स्थानीय निकाय की बागडोर सही हाथों में सौंपी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–विकसित हरियाणा, विकसित नगरों से ही बनेगा। इसलिए, हमने हरियाणा में विजन–2047 के तहत एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और 50 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि साइबर सिटी गुरुग्राम शहरी विकास का एक मॉडल है। इसके साथ लगते 180 किलोमीटर लंबे के.एम.पी. कॉरिडोर के साथ पंच ग्राम योजना के तहत ऐसे ही 5 अति आधुनिक शहर बसाने की परियोजना पर काम कर रहे हैं। यह योजना वर्ष 2050 तक 75 लाख जनसंख्या के लिए बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरुत योजना के तहत शहरों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। हरियाणा में सभी परिवारों का पहचान पत्र बनाया गया है और इससे सभी सरकारी योजनाओं को जोड़ दिया है। अब इन योजनाओं का लाभ नागरिकों को घर द्वार पर ही मिल रहा है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस स्वामित्व योजना को पूरे देश में लागू किया है, उस योजना को हरियाणा ने शत–प्रतिशत लागू कर दिया है। इसके साथ–साथ हरियाणा में नगर दर्शन पोर्टल की शुरुआत भी की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों को सशक्त और पारदर्शी बनाना बेहद जरूरी है। इसके लिए हरियाणा में ई गवर्नेंस को तेजी से अपनाया जा रहा है। हरियाणा के हर निगम में डिजिटल पोर्टल के माध्यम से काम किया जा रहा है। एआई के माध्यम से समस्याओं के समाधान हो रहे हैं। संपत्ति कर, बिजली के बिल, ठोस कूड़ा प्रबंधन जैसे विषयों पर प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मूल मंत्र है विकास भी और पर्यावरण भी। इसके लिए हमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन बिल्डिंग, सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को प्राथमिकता देनी होगी। हर नगर निकाय को एक ग्रीन एक्शन प्लान तैयार करना होगा। जल संकट से निपटने के लिए अमृत सरोवर और जल जीवन मिशन जैसे अभियानों को हरियाणा गति दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल मिशन नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों का हिस्सा बने। स्वच्छ भारत मिशन का पहला चरण जन–जागरूकता था, दूसरा चरण इन्फ्रास्ट्रक्चर है, अब तीसरा चरण संस्कार होना चाहिए। शहरों को कचरा मुक्त करने के लिए शत–प्रतिशत सोर्स सेग्रीगेशन, बायो–सीएनजी और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि शहर स्लम मुक्त हो। गरीब को पक्का मकान, स्वच्छ पानी, अच्छी बुनियादी सुविधाएं और पूरा सम्मान मिले।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जेबीएन वी कनेक्ट की बैठक संपन्न

व्यावसायिक संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने का लिया गया संकल्प

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथे कार्यकाल की बैठक सफलता पूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता लक्ष्मी बाफना ने की। साथ ही सुमन सिंघवी (उपाध्यक्ष) एवं रक्षा छाजेड़ (सचिव) की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक की मुख्य वक्ता शालू चांवला रही, जो अदियांकया की संस्थापक एवं एक कुशल कॉस्मेटिक साइंटिस्ट हैं।

उन्होंने आधुनिक विज्ञान को प्राचीन भारतीय ज्ञान से जोड़कर सौंदर्य एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार की प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत की।

उनके उत्पाद न केवल सौंदर्य का माध्यम हैं, बल्कि नैतिकता, उपचार और आत्मशक्ति का प्रतीक भी हैं। उनके अनुसार कार्य केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि साधना है और उनके प्रत्येक उत्पाद में यह समर्पण स्पष्ट रूप से झलकता है। इसके पश्चात परिधि भंडारी द्वारा इमोशनल वेलनेस और बिहेवियरल सर्विस विषय पर 8 मिनट की प्रेरणास्पद प्रस्तुति दी गई। उन्होंने भावनात्मक बुद्धिमत्ता और योगिक दृष्टिकोण के माध्यम से जीवन में स्पष्टता, संतुलन और आत्मविश्वास लाने के उपाय साझा किए। उनकी कार्यशालाएँ केवल प्रशिक्षण न होकर एक जीवन-दृष्टि के रूपांतरण का माध्यम हैं। बैठक में एक नए सदस्य का समूह में स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन रेफरल प्रमुख मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया एवं रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन द्वारा प्रभावी रूप से किया गया।

सभी सदस्यों को 30 सेकंड की प्रभावशाली पिच प्रस्तुत करने का अवसर मिला, जिससे आपसी समझ, नेटवर्किंग और व्यापारिक संभावनाओं को नया आयाम मिला। बैठक में सदस्यों के बीच उत्कृष्ट प्रस्तुति और सहभागिता को मान्यता देते हुए डोर प्राइज प्रदान किए गए। पायल वर्धमान को उनकी प्रभावशाली और सशक्त 30 सेकंड पिच प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पिच सम्मान से नवाजा गया। रंजना दोधिया को समूह में सर्वाधिक रेफरल प्रदान करने वाली सदस्य के रूप में सम्मानित किया गया, जिससे नेटवर्किंग को नई दिशा मिली। वहीं, पारंपरिक परिधान में सुंदरता और गरिमा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करने हेतु रेखा को सर्वश्रेष्ठ परिधान सम्मान प्रदान किया गया। इन विजेताओं ने अपने योगदान और प्रस्तुति के माध्यम से अन्य सदस्यों के लिए प्रेरणा का कार्य किया।

बैठक में कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, संयुक्त सचिव सुमन रांका, कमेटी सदस्य लेखा गांधी एवं अलका लोढ़ा, पूर्व रेफरल हेड्स सुष्मिता सेठिया और सीमा जैन सहित कुल 45 सदस्यों की भागीदारी रही। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। तत्पश्चात, सभी सदस्यों ने ओपन नेटवर्किंग के माध्यम से संवाद किया और व्यावसायिक संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रैड शो में अनेक गणमान्यों को आमंत्रण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा 5 एवं 6 जुलाई को आयोजित बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो में शहर के अनेक गणमान्यों को आमन्त्रित किया गया है।

युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इस एक्सपो की समस्त स्टालें बुक हो चुकी है तथा और भी अनेक उद्यमियों द्वारा इसकी जानकारी प्राप्त की जा रही है। एक्सपो के उद्घाटन सत्र में शहर के जाने माने उद्यमी उपस्थित रहेंगे। इस शो में अनेकों प्रकार की वेरायटी के साथ कपड़ा, ज्वेलरी, इलैक्ट्रोनिक, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रिक 2 पहिया गाडियां, कॉस्मेटिक्स, रियल एस्टेट, फैशन सामग्री उत्तम ब्राण्ड में उपलब्धता के साथ टेस्टी खाने का भी आगन्तुक लुत्फ उठा सकेंगे। दोपहर के सत्र में इस एक्स्पो में विशेषकर मैजिक शो, संगीत नृत्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे और बच्चों का स्वागत मिकी माऊस करेंगे।

महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि उद्यमियों में इस एक्स्पो के लिए अपार उत्साह है जिसमें अनेक वस्तुओं की स्टाल्स आकर्षण का केंद्र रहेगी। आमंत्रित गणमान्यों में बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या, चिकपेट विधानसभा क्षेत्र के विधायक उदय गरुडाचार, बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह, एक्सपो के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के पंकज बालर, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वैलरी के तनसुख राज जवेरीलाल गुलेच्छा, मास्कॉट फैब्रिक्स के बाबूलाल गांधी, पैसोलाईट इलेक्ट्रिक कं के गणपतराज छाजेड़ एवं मयन डायमंड्स के रतनचंद श्रीश्रीमाल के साथ जैन कॉन्फ्रेंस, चिकपेट आदिनाथ ट्रस्ट, श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी, तेरापंथ सभा, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, व्यापारिक एसोसिएशन एवं अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य हैं।

एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहन्त छाजेड़, कुणाल मरलेचा, सुनील भण्डारी, तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया, भरत कोठारी के साथ युवा शाखा और महिला विंग की कार्यकारिणी तैयारियों में जुटी हुई है।

यह सच नहीं है कि वैक्सीन की वजह से हासन में कई हार्ट अटैक हुए: किरण मजूमदार

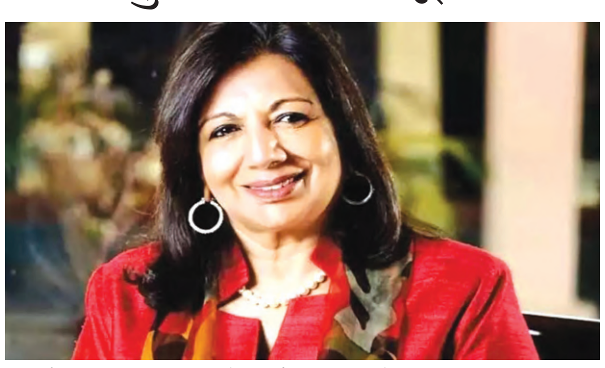

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बायोकॉन की शुरुआत करने वाली किरण मजूमदार-शॉ ने कहा कि यह सच नहीं है कि कोविड-19 वैक्सीन की वजह से हासन में कई हार्ट अटैक हुए। उन्होंने कहा कि यह विचार लोगों को भ्रमित कर सकता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पिछले महीने हासन में 20 से ज्यादा लोगों को हार्ट अटैक आया।

उन्हें लगा कि वैक्सीन की वजह से ऐसा हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वैक्सीन बहुत तेजी से बनाई गई। किरण मजूमदार-शॉ ने कहा कि वैक्सीन का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया गया और इसे मजबूत सुरक्षा नियमों के साथ बनाया गया। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की वजह से कई लोगों की जान बची है। सिर्फ कुछ लोगों को साइड इफेक्ट हुए। उन्होंने कहा कि लोगों को विज्ञान और तथ्यों पर भरोसा करना चाहिए, बिना सबूत के वैक्सीन को दोष नहीं देना चाहिए। सरकार ने हासन में हार्ट अटैक के मामलों की जाँच के लिए एक टीम बनाई है। टीम 10 दिनों में रिपोर्ट देगी कि उन्हें क्या मिला। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अध्ययनों से पता चलता है कि वैक्सीन सुरक्षित हैं। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि टीके से अचानक मौतें होती हैं। मंत्रालय ने कहा कि दिल का दौरा कई कारणों से हो सकता है जैसे पारिवारिक इतिहास, स्वास्थ्य, जीवनशैली या कोविड-19 होने के बाद।

जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई की फीस का मातृछाया ने उठाया भार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सेवा और करुणा की मिसाल पेश करते हुए मातृछाया जैन महिला संगठन की सदस्याओं ने कोरमंगला के एल.आर. नगर स्थित झुग्गी बस्तियों में रह रहे जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा और देखभाल में समर्पित संस्था ग्लोबल कंसर्न इंडिया का दौरा किया तथा 50 बच्चों की स्कूल फीस हेतु सहयोग राशि का चेक संस्थान को प्रदान किया। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि इस स्लम इलाके में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं, जो आर्थिक स्थिति की कमजोरी के कारण स्कूल नहीं जा सकते। ऐसे बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए 'ग्लोबल कंसर्न इंडिया' अतुलनीय कार्य कर रहा है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि

'मातृछाया' सदैव समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। चाहे वह भोजन हो, वस्त्र हो या शिक्षा। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए संगठन ने इस स्लम क्षेत्र में निवासरत 50 बच्चों की एक वर्ष तक की शिक्षा का दायित्व लिया है तथा आगामी वर्षों में अधिक बच्चों को भी शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सक्रिय प्रयास जारी हैं। सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि ग्लोबल कंसर्न्स इंडिया जरूरतमंद बच्चों को स्कूल फीस, यूनिफॉर्म और शिक्षण सामग्री प्रदान करने में सहायता करती है। ग्लोबल कंसर्न इंडिया के अध्यक्ष नारायण अड़िगे ने 'मातृछाया' के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस पुनीत कार्य के माध्यम से संगठन ने न केवल बच्चों की शिक्षा को समर्थन दिया, बल्कि समाज में शिक्षा के अधिकार और समान अवसरों की ओर एक सशक्त संदेश भी दिया। संगठन का यह सहयोग सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। एजुकेशनल कोऑर्डिनेटर जीना ने कहा कि शिक्षा ही वह साधन है जो एक बच्चे के भविष्य को आकार देता है। अगर हम आज उनकी पढ़ाई में साथ देंगे, तो कल वे समाज के नेतृत्वकर्ता बनेंगे। मातृछाया की उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी सदस्याओं के सक्रियता, संवेदनशीलता और सामूहिक प्रयास से यह सेवा कार्य संभव हो पाया है। इस अवसर पर अध्यक्ष ललिता नागोरी, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, सचिव रेशमा बडोला, कोषाध्यक्ष लीला भंसाली, संस्थापक निर्मला दांतेवाडिया, मीना सोलंकी, त्रिशला दांतेवाडिया, गीता संचेती, रीता, सुनीता राठौड़ और लीला देवी दांतेवाडिया आदि लोग मौजूद रहे।

पुस्तक स्वप्न से लिपटी हुई परछाइयां कविता संग्रह का लोकार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की अनौपचारिक काव्य संध्या बुधवार को वीणा मेदनी के निवास में आयोजित की गई। यह कार्यक्रम कोलकाता निवासी वरिष्ठ अतिथि कवि देवानंद साहा आनंद अमरपुरी के बेंगलूरु आगमन पर रखा गया था।

इस काव्य संध्या में वरिष्ठ अतिथि कवि प्रयास जोशी की पुस्तक स्वप्न से लिपटी हुई परछाइयां कविता संग्रह का लोकार्पण भी हुआ। वीणा मेदिनी की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कविता पाठ में भगवती सक्सेना गौड़, देवानंद साहा आनंद अमरपुरी, रतिंदर कौर, डॉक्टर शैलजा रोला, त्रिशला मिश्रा, राही राज, प्रीति राही, एडवोकेट अंजू भारती, प्रयास जोशी, वीणा मेदनी, डॉक्टर कनक लता तिवारी, डॉक्टर कोमल प्रसाद राठौर, प्रताप सिंह, डॉक्टर इंदिरा सोमैया एवं वरुण ने भाग लिया। संचालन रतिंदर कौर ने किया।

इंफोसिस कर्मचारी की दिल का दौरा पड़ने से मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नूर, अड्यार के गनाडाबेट्टू निवासी मुहम्मद हशीर (32) का बुधवार सुबह केरल के वायनाड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। हशीर वायनाड में इंफोसिस में कार्यरत थे। वे मेंगलूरु के प्रकाश बीड़ी व्यवसायी जी बी हसनब्बा (जी बी बावा) के बड़े बेटे और मुलारापटना के दिवंगत हसन मुसलियार के पोते थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, एक वर्षीय बेटी, माता-पिता और कई रिश्तेदार हैं।

भक्ति की शक्ति होती हैं अपरम्पार: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ काईपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में विराजित साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि भक्ति की शक्ति अपरम्पार है। जिनागम में सती चंदना बेड़ियों में कैद होने के बाद भी मुनिराज को आहार देने के भाव से अभिभूत हुई। उससे प्रबल पुण्य प्रभाव से महा मुनिराज महावीर स्वामी को उसी विधि के अनुसार आहार के लिए गमन करना पड़ा। भक्त की भक्ति विधि का विधान बन गई और सती चंदना बंधन से मुक्त होकर आहार दान के लिए अमर हो गई। भगवान ही स्वतः भक्त को खोज लेता है कि कौन है उसका प्यासा और फिर भक्त की प्यास को

भगवान ही तृप्त करता है। भक्त मात्र प्यासा हो जाए। अपनी विकल्पों की पोटली बांध कर रख दे। एक कोरा कागज बन जाए, न बचे नाम, न जाति न सम्प्रदाय, पद-प्रतिष्ठा, न यश कीर्ति और आकंठ प्रभु की भक्ति में लीन हो जाये तो प्रभु स्वतः भक्त का द्वार खटखटाते हैं। भक्ति की प्यास भगवान को खींच लाती है। जैसे कृष्ण की बांसुरी गायों को अपनी तरफ खींचने की शक्ति रखती है। वैसा ही भक्त की भक्ति इतनी शक्तिवान होनी चाहिए कि वह भगवान को स्वयं अपनी ओर खींचने में समर्थ हो जाए। इतिहास साक्षी है कि सिद्धचक्र भक्ति के माध्यम से मेनासुन्दरी ने पति श्रीपाल को कुष्ट रोग से मुक्त कराकर कामदेव सा सुन्दर बना दिया। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि चातुर्मास के अंदर आराधना साधना करके जीवन को सफल बनाना है। संघ अध्यक्ष पूनमचंद जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वृक्षारोपण कर मनाया वन महोत्सव

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। समर्पण सेवा फाउंडेशन हुब्बल्ली द्वारा वनमहोत्सव के तहत शहर के अनेक कोनों में वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुणे बेंगलूरु मार्ग पर सड़क के किनारे वृक्ष लगाए गए और उनके बड़े होने तक सँभालने का जिम्मा लिया। इस दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष सुभाषचंद्रा डंक, सुनील कटारिया, प्रवीण भुरट, बसवराज अंगडी सहित अन्य उपस्थित थे।

इस दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष डंक ने बताया कि फाउंडेशन समय समय पर शहर के विभिन्न जगहों पर वृक्ष लगाकर सेवा का कार्य कर रहा है। साथ ही वृक्षारोपण के महत्व पर बताते हुए कहा कि वृक्षारोपण का महत्व हमारे जीवन में अत्यधिक है। वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि वे पर्यावरण को भी संतुलित रखते हैं। वृक्षारोपण से भूमिगत जलस्तर में वृद्धि होती है और मृदा कटाव को रोका जा सकता है। इससे वन्यजीवों को भी आश्रय मिलता है और जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है।

साथ ही डंक ने बताया कि समर्पण सेवा फाउंडेशन मौसम के अनुरूप कार्य करने के लिए सदैव अग्रणी रहता है। जिसके तहत गर्मी के मौसम में फाउंडेशन ने विश्व हिन्दू परिषद् हुब्बली महानगर के सेवा विभाग के साथ मिलकर हुब्बली के मुख्य मार्केट में अस्थाई ठन्डे पानी की प्याऊ लगाई।

पैलेस क्वीन हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन में मामूली आग लगी, कोई हताहत नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु दक्षिण जिले में चलती पैलेस क्वीन हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन में संदिग्ध तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। यह ट्रेन राजस्थान के मैसूरु और उदयपुर को जोड़ती है। लोको पायलट ने मामूली आग देखी, जिसने स्टेशन को सूचित करने से पहले इंजन को रोक दिया। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब 11.45 बजे पायलट ने इंजन में चिंगारी देखी, जब एक्सप्रेस ट्रेन चन्नापट्टना को पार कर रही थी। सतर्क लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन को रोका और नियंत्रण कक्ष को सूचित किया। दमकल कर्मियों की एक टीम को तुरंत तैनात किया गया और रेलवे अधिकारियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। थोड़ी देरी के बाद, ट्रेन में एक वैकल्पिक इंजन जोड़ा गया, जिसके बाद ट्रेन ने यात्रा फिर से शुरू की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com